10 अगस्त, 2025
भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 10, अंक 291

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

गांव के विकास से ही समृद्ध होगा देश और प्रदेश: हेमंत

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

Euro Kids
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
Euro Junior (LKG) | Euro Senior (UKG)
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरूआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

न्यूज रील्स

आइसीआइसीआइ बैंक के बचत खाते में न्यूनतम 50 हजार बैलेंस जरूरी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। आइसीआइसीआइ बैंक के खाताधारकों को अब अपने बचत खाते में 50 हजार रुपये का न्यूनतम बैलेंस मेंटेन करना होगा। इससे कम बैलेंस होने पर ग्राहकों को जुर्माना देना पड़ सकता है। नया नियम एक अगस्त 2025 के बाद खोले गये नये खातों पर लागू होगा। खाते में मिनिमम बैलेंस रखने की सीमा शहरों गावों और मेट्रो शहरों में अलग-अलग है। बैंक ने सभी में इजाफा किया है। मेट्रो और शहरी इलाकों में अब कम से कम 50,000 रुपये, सेमी-अर्बन (अर्ध-शहरी) इलाकों में 25,000 रुपये और गांवों में खुले खातों के लिए यह लिमिट अब 10,000 रुपये हो गयी है। पहले मेट्रो में 10 हजार रुपये मिनिमम बैलेंस था।

विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री ने पिता की याद में किया भावुक पोस्ट

बाबा आज सशरीर साथ नहीं...

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस था। झारखंड के लिए यह खास दिन होता है। कई तरह के कार्यक्रम होते हैं। सरकार की तरफ से भी भव्य आयोजन होता है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण इस बार शांति के साथ इस दिवस को मनाया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पुत्र धर्म का निर्वहन करने के लिए इन दिनों नेमरा में हैं। वह पिता शिबू सोरेन के श्राद्ध कर्म को पूरा करने में लगे हैं। शनिवार को भी उन्होंने पारंपरिक श्राद्ध कर्म की रस्में निभायीं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार अपने परिवार के सदस्यों के साथ पारंपरिक अनुष्ठान किया। इन सब के बीच उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस का भी याद किया। इस दौरान उन्हें अपने 'बाबा' गुरुजी की भी याद आयी। इस पर उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया।

हेमंत ने लिखा, आज विश्व आदिवासी दिवस है, पर मेरे मार्गदर्शक, मेरे गुरु, मेरे बाबा सशरीर साथ नहीं हैं, मगर उनका संघर्ष, उनके विचार, उनके आदर्श हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। वह न केवल मेरे पिता थे, बल्कि समस्त आदिवासी समाज समेत झारखंड की आत्मा, संघर्ष के प्रतीक और जल-जंगल-जमीन के सबसे मुखर रक्षक भी थे।

बाबा का आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम प्रिय था: हेमंत सोरेन ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य भर में होने वाला कार्यक्रम उनका प्रिय रहा, क्योंकि यह अवसर आदिवासी समाज की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम रहा है, आदिवासी समाज की प्रतिभा को वैश्विक मंच देने का अवसर बना है।

आदिवासी समाज का जीवन-दर्शन प्रकृति से ही शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आदिवासी समाज ही है, जिसने मानव जाति को प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर खुशहाल जीवन जीने का मार्ग दिखाया है। आदिवासी समाज का जीवन-दर्शन प्रकृति से ही शुरू और प्रकृति पर ही खत्म होता है। मगर सदियों से खुद आदिवासी तथा शोषित-वंचित समाज हाशिये पर खड़े रहने को मजबूर रहा। बाबा ने इसी स्थिति को बदलने के लिए अपना पूरा जीवन न्यौछावर कर दिया था।

वीर पुरखों को नमन करता हूं

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा विश्व आदिवासी दिवस मना रहा है। इस अवसर पर मैं बाबा दिशोम गुरु सहित हमारे सभी वीर पुरखों को नमन करता हूं, जिन्होंने संघर्ष और शहादत देकर हमारी पहचान, हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता और हमारे अधिकारों की रक्षा की। विश्व आदिवासी दिवस पर मैं नमन करता हूं अपने वीर पुरखों को, और संकल्प लेता हूं कि उनके दिखाये मार्ग पर चलकर झारखंड और देश में आदिवासी अस्मिता की मशाल को और ऊंचा करूंगा। झारखंड के वीर अमर रहें! देश के समस्त वीर आदिवासी योद्धा अमर रहें! जय जोहार, जय आदिवासियत, जय झारखंड!

पूर्व अमेरिकी एनएसए ने कहा, अमेरिका की बरसों पुरानी मेहनत बर्बाद हुई

ट्रंप सरकार के टैरिफ का उल्टा असर : जॉन बोल्टन

भारत हमसे दूर होकर चीन-रूस के पास जा रहा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से भारत, अमेरिका से दूर होता जा रहा है। उन्होंने एक चैनल को इंटरव्यू देते हुए ट्रंप सरकार की टैरिफ नीतियों को 'भारी भूल' बताया। बोल्टन ने कहा कि अमेरिका ने रूस और चीन को भारत से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश की थी, लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। बोल्टन ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाये। इससे भारत, रूस और चीन के करीब आ सकता है। बोल्टन ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें।

भारत हमेशा शक की निगाह से देखेगा: उधर, अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी कि यह टैरिफ भारत-अमेरिका संबंधों को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। भारत हमेशा अमेरिका को शक की निगाह से देखेगा और कभी भी इन टैरिफ को नहीं भूलेगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया था कि टैरिफ से शेयर बाजार में जबरदस्त बढ़ोतरी हो रही है और हर दिन नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। साथ ही, सैकड़ों अरब डॉलर देश की तिजोरी में आ रहे हैं। उधर, चीन ने भारत पर लगे अमेरिकी टैरिफ की निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को इसे 'टैरिफ का दुरुपयोग' करार दिया।

दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ गलत

बोल्टन ने कहा कि दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना गलत है। व्हाइट हाउस टैरिफ और अन्य शर्तों में चीन के प्रति भारत से ज्यादा नरमी दिखा रहा है, जो कि एक गंभीर गलती होगी। उनके मुताबिक दोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगाने से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे। बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन का चीन ने किया स्वागत

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने कहा है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए स्वागत करता है। पीएम मोदी गलवान घाटी में 2020 की झड़प के बाद पहली बार चीन की यात्रा करेंगे। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वह भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। मोदी इससे पहले 2018 में चीन गये थे। बतौर प्रधानमंत्री मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 31 अगस्त से एक सितंबर तक होने वाले इस शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। उन्होंने पीएम मोदी का कार्यक्रम में आने के लिए स्वागत किया है। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग 2024 में ब्रिक्स समिट में शामिल होने रूस गये थे। वहां के कजान शहर में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस बीच पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के पांच जेट गिराये : वायुसेना प्रमुख

दुश्मन के टोही विमान को भी तबाह किया

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम गेम-चेंजर रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमान गिराये गये थे। इसके अलावा एक टोही विमान को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है। एपी सिंह बेंगलुरु के एचएएल मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी वायु रक्षा प्रणाली ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में खरीदे गये एस-400 सिस्टम गेम-चेंजर रहे हैं। पाकिस्तान लंबी दूरी के ग्लाइड बम होने के बाद भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें सबके सामने हैं। वहां कुछ नहीं बचा था। ये तस्वीरें न सिर्फ सैटेलाइट से ली गयीं, बल्कि स्थानीय मीडिया ने भी तबाह हुई बिल्डिंग की अंदर की तस्वीरें दिखायी थीं। बताते चलें कि भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गये थे।

सेना को खुली छूट दी गयी थी: वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिये गये थे। हमें खुली छूट थी। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच समन्वय था। सीडीएस के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एकसाथ लाने के लिए मौजूद थे।

90 घंटे की जंग में पाकिस्तान पीछे हटा

एपी सिंह ने कहा कि यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाये कि उन्हें (पाकिस्तान) साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे, तो इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए वे आगे आये और हमारे डीजीएमओ को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया।

बालाकोट के भूत से छुटकारा पाया

एपी सिंह ने कहा कि 2019 में जब बालाकोट में हमने एयर स्ट्राइक की, तो उसके सबूत नहीं जुटा पाये। लोगों ने सवाल उठाये कि हमने क्या किया या क्या नहीं किया। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि इस बार हम बालाकोट के उस भूत से निपटने में सक्षम थे और हम दुनिया को यह बताने में सक्षम थे कि हमने क्या हासिल किया है।

आने-जाने का ट्रेन टिकट बुक करने पर 20 प्रतिशत की छूट

रेलवे ने त्योहारी सीजन में प्रायोगिक तौर पर शुरू की योजना

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय रेल ने दिवाली और अन्य त्योहारों में घर जाने वालों के लिए प्रायोगिक तौर पर एक योजना शुरू की है। इसमें अगर कोई आने और जाने का टिकट एकसाथ बुक करता है, तो रिटर्न टिकट पर 20 फीसदी की छूट मिलेगी। इससे उन लोगों को फायदा मिलेगा, जो घर जाने और वापस आने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे ने त्योहारों के समय टिकट के लिए भीड़ और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह फैसला लिया है।

ट्रेन एक जोड़ी की ही होनी चाहिए: उदाहरण के लिए अगर कोई अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना जाता है, तो इसी जोड़ी की वापसी ट्रेन से उसे रिटर्न टिकट करना होगा। जैसे- अहमदाबाद-बरौनी (19484) से जाता है, तो वापसी इसी जोड़ी की ट्रेन बरौनी-अहमदाबाद (19483) से होगी। तभी छूट का लाभ मिलेगा।

टिकट विवरण समान होना चाहिए: टिकट में दिये गये सभी विवरण एक समान होने चाहिए। यानी आरंभ और गंतव्य (कहां से कहां तक जाना है), यात्री का नाम, उम्र, दूरी और क्लास (स्लीपर, 3 एसी, 2 एसी) जैसी चीजें दोनों टिकट में एक होनी चाहिए।

बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी: रेलवे के मुताबिक इस छूट का फायदा लेने के लिए 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक के लिए जाने वाले टिकट और वापसी के लिए 17 नवंबर से एक दिसंबर 2025 के बीच यात्रा का टिकट बुक करना होगा। बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।

डायनेमिक प्राइसिंग वाली ट्रेनों में नहीं मिलेगा डिस्काउंट: ये छूट फ्लेक्सी फेयर वाली ट्रेनों जैसे- शताब्दी एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, सुविधा एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों पर लागू नहीं होगी। लेकिन इसके अलावा सभी श्रेणियों और खासकर ऑन डिमांड ट्रेनें यानी फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें इस छूट के दायरे में शामिल हैं।

जगदीप धनखड़ 'लापता', मुझे उनकी चिंता : कपिल सिब्बल

कहा, अमित शाह जानकारी दें, या हैबियस कॉर्पस दाखिल करना पड़ेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को पूर्व उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक गायब होने पर चिंता जतायी। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इस मामले में बयान देने की मांग की। सिब्बल ने कहा कि मुझे उनकी चिंता हो रही है। इस्तीफे के बाद से हमें उनकी कोई जानकारी नहीं है। पहले मैंने 'लापता लेडीज' के बारे में सुना था, लेकिन पहली बार है जब 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में सुन रहा हूं।' उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय को इस बारे में जरूर जानकारी होगी, इसलिए अमित शाह को इस पर बयान देना चाहिए। उन्होंने सवाल कि क्या हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करनी पड़ेगी?

विपक्ष को ही सुरक्षा की लेनी होगी जिम्मेदारी: सिब्बल ने कहा कि लगता है विपक्ष को ही धनखड़ की सुरक्षा करनी पड़ेगी। सिब्बल ने बताया कि उन्होंने पहले फोन किया था, तो धनखड़ के पीए ने कहा कि वे आराम कर रहे हैं। इसके बाद से किसी ने फोन नहीं उठाया। कई नेताओं ने भी यही शिकायत की। बताते चलें कि 7 अगस्त को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे पर चर्चा के लिए दी गयी कार्य स्थगन सूचना को खारिज कर दिया था। आइयूएमएल सांसद अब्दुल वहाब ने इस मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा की मांग की थी।

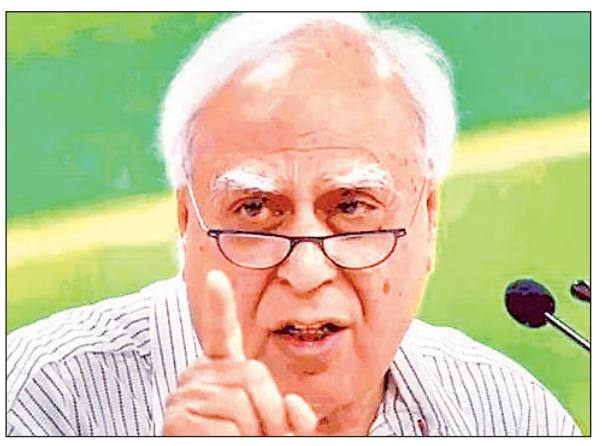

धनखड़ ने 21 जुलाई को इस्तीफा दिया था

धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया था, जिसकी जानकारी 22 जुलाई को राज्यसभा में दी गयी। हालांकि, कई विपक्षी नेताओं ने उनके इस्तीफे पर सवाल उठाये और आशंका जतायी कि यह किसी राजनीतिक दबाव का नतीजा हो सकता है।

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 10 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

गुरुजी कहीं नहीं गये हैं, वे बन गये हैं हेमंत सोरेन

डॉ सोमनाथ आर्य

रांची। पिता का साया उठ गया, बिलखते, रोते और अपने आंसुओं को पोछते आपने एक पुत्र को देखा होगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गले लगते, जल, जंगल और जमीन से जुड़े इस माटीपुत्र के हृदय की विशालता का आकलन करना अब शायद ज्यादा मुश्किल नहीं है। वे विनम्रता के विशाल सागर भी हैं और अत्यंत ही आदर भाव से वे अपने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के नेताओं के सामने विनम्रता से अभिवादन करना भी जानते हैं, लेकिन मत भूलिये कि वे झारखंड विधानसभा के पटल पर तनी हुई मुट्ठी से हुंकार करना भी बखूबी जानते हैं। एक सवाल के जवाब में झारखंड के कद्दावर नेता सरयू राय कहते हैं कि अभी बीजेपी के सामने हेमंत सोरेन का मुकाबला करने की ताकत नहीं है। वे खुद हेमंत सोरेन के प्रशंसक हैं। झारखंड की राजनीति को कई दशकों से कवर कर रहे और पारखी नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार आनंद कुमार ने हाल में ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डंके की चोट पर खुलेआम लिखा कि 'गुरुजी कहीं नहीं गये हैं, वे हेमंत सोरेन बन गये हैं'। उनके इस पोस्ट के बाद कई लोगों ने सवाल भी उठाया, लेकिन मसला विश्वास का है। दरअसल हमारे विश्वास चाहे जो भी हों, लेकिन हम सभी को झारखंड की राजनीति के बुनियादी आख्यानों पर सवाल उठाने के लिए और अतीत की घटनाओं को वर्तमान के सरोकारों से जोड़कर देखने के लिए और विवादास्पद मुद्दों से ना डरने के लिए हमेशा तैयार रखना होगा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड की फिजां में अजीब सी खामोशी है, एक गहरा सन्नाटा सा पसर गया है। लगता है, कोई अपना बिछड़ गया है। चारों ओर गमजदा माहौल है। गुरुजी का सांसों से रिश्ता तो टूट गया, लेकिन उनकी कहानी खत्म नहीं हुई और दिशोम गुरु की कहानी खत्म होगी भी कैसे? अभी हेमंत सोरेन उनके मजबूत राजनीतिक उत्तराधिकारी के साथ-साथ उनका प्रतिबिंब बनकर उभरे हैं। हालांकि झारखंड के साथ-साथ देश के लोगों ने भी हेमंत

सोरेन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का यह रूप उस वक्त देखा, जब वे तथाकथित राजनीतिक प्रतिशोध की वजह से कारावास से वापस लौटे थे, जिसका खमियाजा बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को सत्ता से दूर होकर भुगतना पड़ा। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं दरअसल झारखंड बीजेपी के कई बड़े नेता भी इडी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई में हेमंत सोरेन को लपटे जाने से खासे नाराज भी थे, लेकिन मानो उनके हाथ-पांव ही बंधे थे।

हेमंत के जेल जाने के बाद आदिवासी समाज ज्यादा भावुक हो गया। हेमंत सोरेन की पत्नी और मौजूदा विधायक कल्पना सोरेन ने बीजेपी को चुनावी मैदान में लगभग धूल ही चटा दी, जिसके फलस्वरूप झारखंड की सामाजिक व्यवस्था को तोड़ने वाली बीजेपी की कल्पित संरचना ताश के पत्ते की तरह ढेर हो गयी।

दरअसल, यह दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन का ही मास्टर स्ट्रोक था, जो उन्होंने अपने पिता से सीखा था कि कैसे लोक-विश्वास और जन आस्था पर राजनीतिक खतरे के वक्त एक खास ढंग से सोचने, कुछ निश्चित मापदंडों के मुताबिक आचरण करना चाहिए।

बीजेपी के केंद्र में मौजूद नेताओं को निश्चित चीजों की ख्वाहिश पालने की आदत थी। शायद यह मॉडल उन्हें दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने के बाद मिला था । इस तरह उन्होंने उन कृत्रिम राजनीतिक प्रवृत्तियों को जन्म दिया, जिन्होंने झारखंड के लाखों की संख्या में एक-दूसरे से अपरिचित लोगों को आपस में संवाद करने की खुली छूट दे दी। दरअसल हेमंत सोरेन उस अभिमन्यु की भांति हैं, जो सातवां द्वार भी तोड़ने की कला अपनी मां की कोख से सीख कर आये हैं। हेमंत सोरेन को पता है झारखंड की संस्कृति की मौलिक ताकत, जो अपने में संपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण है। यह एक ऐसा अपरिवर्तनीय सत्त्व धारण किये है, जिसने उसे हमेशा के लिए परिभाषित कर दिया है। हेमंत सोरेन ने अपनी एक निजी विश्वदृष्टि और सामाजिक, वैधानिक तथा राजनीतिक व्यवस्थापन को विकसित किया है, जो उतने ही निर्विघ्न तरीके से काम करती है, जितने निर्विघ्न ढंग से ग्रह सूर्य का चक्कर लगाते हैं। इस दृष्टिकोण के मुताबिक जिन संस्कृतियों को उनकी अपनी स्वाभाविक गति पर छोड़ दिया जाता है, उनमें कोई बदलाव नहीं होते। वे समान गति से समान दिशा में बढ़ते रहते हैं। कोई बाहर से प्रयुक्त बल ही उनमें परिवर्तन ला सकता है। हेमत सोरेन फिलहाल अपने पैतृक गांव नेमरा में मौजूद हैं। वे बड़ी ही शालीनता के साथ पिता के श्राद्ध कर्म में लगे हैं। वे अपने गांव की खेतों की पगडंडियों पर भी नंगे पांव चल रहे हैं, जैसे उनके पिता और दादाजी चलते थे। वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काव्यात्मक लहजे में अपने पिता को याद कर भावुक पोस्ट भी लिख रहे हैं, जो तेजी से वायरल हो रहे हैं। उनके दुख और पीड़ा से झारखंड जुड़ता जा रहा है। बेशक अब अलग झारखंड की मांग भी नहीं है, जिसने आंदोलनकारी शिबू सोरेन को दिशोम गुरु बना दिया, लेकिन हेमंत के पास अब खोने को कुछ भी नहीं है। हेमंत की तरकश में अभी कई तीर हैं, जिनकी धार तेज करना उन्हें अपने महान पिता दिशोम गुरु से विरासत में मिली है। **(साभार)**

सीएम नीतीश से मिले 'छोटे सरकार' अनंत सिंह

जेल से बाहर आने से बाद पहली मुलाकात, 15 मिनट चली बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। सीएम हाउस में करीब 15 मिनट तक बैठक चली। बाहर निकलने के दौरान अनंत सिंह ने मीडिया से कोई बात नहीं की और सीधे घर की तरफ निकल गये। बेऊर जेल से बाहर आने के बाद अनंत सिंह की सीएम से पहली मुलाकात थी। चर्चा है कि मोकामा से जेडीयू उम्मीदवार के तौर पर अनंत सिंह ने अपनी दावेदारी पेश की है। बता दें जेल से बाहर निकलने के बाद ही अनंत सिंह ने मोकामा से चुनाव लड़ने का एलान किया था। उन्होंने कहा था कि वह नीतीश की जेडीयू से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा था कि अगर पार्टी तेजस्वी के खिलाफ मुझे उतारती है, तो मैं उनकी जमानत जब्त करवा दूंगा। यही नहीं, अनंत सिंह ने आगामी चुनाव में आरजेडी के 15 सीटों में सिमटने का दावा किया था, और कहा था कि नीतीश कुमार ही दोबारा बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। पटना हाइकोर्ट ने चर्चित पंचमहला गोलीबारी मामले में पूर्व विधायक अनंत सिंह को जमानत दी है। बीते

22 जनवरी को जब सोनू और मोनू ने मुकेश सिंह के घर में ताला लगा दिया, तब मुकेश ने अनंत सिंह से मदद मांगी। मुकेश पर आरोप लगाया गया कि वह उनके ईंट भट्ठे में मुंशी का काम करता था और 68 लाख रुपये का गबन किया है। इसके बाद अनंत सिंह अपने समर्थकों के साथ सोनू-मोनू से बात करने नौरंगा गांव पहुंचे, जहां दोनों पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई थी। 23 जनवरी को मुकेश के घर पर दोबारा गोलीबारी हुई। इसके बाद पुलिस ने मोनू को गिरफ्तार कर भागलपुर जेल भेज दिया। इस मामले में अनंत सिंह के खिलाफ दो मामले दर्ज किये गये थे। पूर्व विधायक ने बाढ़ कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। उसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में लेते हुए बेऊर जेल भेज दिया गया। पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। 2020 के चुनाव में अनंत सिंह आरजेडी के टिकट पर मोकामा से लड़े थे और चुनाव जीते थे। लेकिन आपराधिक मामले में सजा होने के बाद विधायकी चली गयी थी। मोकामा सीट पर हुए उपचुनाव में अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी राजद की प्रत्याशी बनीं और चुनाव जीत गयीं। लेकिन इस बार अनंत सिंह ने जेडीयू से चुनाव लड़ने की बात कही है।

मंगल पांडेय ने घूस लेकर खरीदा फ्लैट : प्रशांत किशोर

मंगल पांडेय के एफिडेविट में कोई घोषणा नहीं है कि उन्होंने लोन लिया है

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने एक बार फिर से बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर गंभीर आरोप लगाये हैं। प्रशांत किशोर ने मंगल पांडेय पर स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए दिल्ली के द्वारका में पत्नी के नाम से 86 लाख रुपये का फ्लैट खरीदने का आरोप लगाया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर आरोप लगाया कि 2020 में कोविड में लोग परेशान थे और उस वक्त बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय दिल्ली में फ्लैट खरीद रहे थे। उन्होंने मंगल पांडेय के दिल्ली वाले फ्लैट का पता का भी जिक्र किया। प्रशांत किशोर ने बताया कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की मदद से मंगल पांडेय ने दिल्ली में फ्लैट खरीदा। उन्होंने कहा कि मंगल पांडेय की पत्नी उर्मिला पांडेय के नाम पर 86 लाख रुपये का फ्लैट खरीदा गया। उन्होंने आगे कहा, मंगल पांडेय के पिता अवधेश पांडेय ने 30 लाख अपनी बहू उर्मिला पांडेय को फ्लैट खरीदने के लिए भेजा। उससे पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने 6 अगस्त 2019 को अपने अकाउंट से 25 लाख मंगल पांडेय के पिता को भेजा था। मंगल पांडेय के पिता ने ये पैसा अपनी बहू के अकाउंट में भेजा। प्रशांत किशोर ने 2020 में मंगल पांडेय के द्वारा दिये गये हलफनामा पर सवाल उठाया। जन सुराज के सूत्रधार ने कहा कि मंगल पांडे के एफिडेविट में कोई घोषणा नहीं है कि उन्होंने लोन लिया है।

तेजस्वी ने दो वोटर आइडी मामले में चुनाव आयोग को सौंपा जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दो वोटर आइडी मामले में चुनाव आयोग को लिखित जवाब सौंप दिया है। इसकी जानकारी राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने दी। उन्होंने कहा कि अब फैसला चुनाव आयोग को लेना है। अब तो दो वोटर आइडी के सैकड़ों उदाहरण सामने आ गये हैं। अब आयोग को देखना है कि कैसे दो इपिक बने। राजद नेता ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव आयोग में बहुत अहंकार है। अहंकार और अज्ञानता चुनाव आयोग की पहचान बन गयी है। चुनाव आयोग को फैसला लेने से पहले अपने पूर्ववर्तियों को देखना चाहिए, वरना चीजें बांग्लादेश चुनाव आयोग की स्थिति जैसी दिशा में बढ़ रही हैं। बता दें इससे पहले तेजस्वी यादव द्वारा दो अगस्त को प्रेसवार्ता में दिखाये गये मतदाता पहचान पत्र की इपिक संख्या को भारत निर्वाचन आयोग ने फर्जी करार दिया है। साथ ही उन्हें 16 अगस्त की शाम पांच बजे तक उक्त मतदाता पहचान पत्र को आयोग के कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया था। दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने पत्र जारी किया था। इसमें कहा गया है कि

दो अगस्त को प्रेसवार्ता में तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा जिस इपिक कार्ड संख्या आरएबी-2916120 को दिखाया गया था, उसकी गहन छानबीन की गयी। निर्वाचन आयोग की ओर से इस इपिक संख्या से कोई मतदाता पहचान पत्र जारी नहीं किया गया है। यह फर्जी है। उनका मतदान केंद्र संख्या 204, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन के क्रमांक संख्या 416 पर है। उनकी इपिक संख्या आरएबी-0456228 से अंकित है। वर्ष 2015 और 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के समय उन्होंने नामांकन पत्र में दायर शपथ पत्र में इपिक संख्या आरएबी-0456228 को ही अंकित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के दौरान उन्होंने बीएलओ के माध्यम से जो गणना प्रपत्र समर्पित किया, उसमें भी इपिक संख्या -आरएबी-0456228 ही अंकित है। विगत कई वर्षों की मतदाता सूचियों के डाटा बेस से मिलान करने के बाद यह जानकारी मिली है कि प्रेसवार्ता में उन्होंने जिस इपिक कार्ड आरएबी-2916120 को दिखाया था, वह फर्जी था। आयोग ने उनकी इस बात को भी खारिज किया है कि निर्वाचन आयोग के ऑफिशियल वेबसाइट पर सर्च करने पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के उपरांत प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में उनका नाम दर्ज नहीं है। अब तक तेजस्वी को तीन बार नोटिस जारी हो चुके हैं।

चांडिल में दो मालगाड़ियां आपस में टकरायीं, ट्रेनों का परिचालन ठप

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। शनिवार सुबह करीब 4:15 बजे चांडिल रेलवे स्टेशन के पास पोल संख्या 375/22 के समीप बड़ा रेल हादसा हो गया। यहां आमने-सामने आ रही दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गयीं। जिससे दोनों ट्रेनों के कई डिब्बे पटरी से उतर गये और रेल पथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चालक दल के कुछ सदस्यों को हल्की चोटें आयीं हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, तकनीकी कारणों और सिग्नलिंग में गड़बड़ी के चलते यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद पूरे अप और डाउन लाइन पर परिचालन ठप हो गया है। पटरियों पर बिखरे डिब्बों और माल के कारण मरम्मत कार्य में लंबा समय लगने की संभावना है।

दक्षिण-पूर्व रेलवे ने जानकारी दी है कि चांडिल-टाटानगर और

चांडिल-बोकारो रूट की सभी यात्री व मालगाड़ियों का परिचालन फिलहाल रद्द कर दिया गया है। कई ट्रेनों को रद्द, डायवर्ट या शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है। यात्रियों को हेल्पडेस्क और स्टेशन घोषणाओं के जरिए जानकारी दी जा रही है। रेलवे के उच्च अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और हादसे की जांच शुरू कर दी गयी है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, ट्रैक बहाली में कम से कम 24 घंटे लग सकते हैं। इस घटना के कारण सैकड़ों यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंसे हुए हैं और उन्हें वैकल्पिक साधनों से गंतव्य तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

हादसे से यातायात पर व्यापक असर

इस दुर्घटना का प्रभाव रेल यातायात पर भी व्यापक रूप से पड़ा है। कुल 10 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि करीब 20 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

शालीमार-तांबरम एक्सप्रेस, बक्सर-टाटा एक्सप्रेस, दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस, पटना-टाटा वंदे भारत एक्सप्रेस, भुवनेश्वर-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस, टाटा-कटिहार और कटिहार-टाटा एक्सप्रेस, अमृतसर-टाटा एक्सप्रेस, पुरी-आनंद विहार एक्सप्रेस, चक्रधरपुर-गोमो मेमू, टाटा-आरा एक्सप्रेस, टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, झारग्राम-पुरुलिया मेमू, टाटा-हटिया मेमू, टाटा-आसनसोल मेमू।

कुछ ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है

भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को झारसुगुड़ा, राउरकेला और हटिया होकर भेजा जा रहा है।

बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस को टाटानगर, खड़गपुर, मिदनापुर, आद्रा होते हुए भेजा जा रहा है।

हावड़ा-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस को खड़गपुर, मिदनापुर, आद्रा और रांची होकर चलाया जा रहा है।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को भी वैकल्पिक मार्ग से भेजा गया है।

मीसा, रोहिणी और राजलक्ष्मी ने तेजप्रताप को राखी नहीं भेजी

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। पार्टी और परिवार से बाहर चल रहे राजद सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उन्हें बहनों का समर्थन मिला है। उनकी चार सगी बहनों हेमा, रागिनी, चंदा और अनुष्का ने राखी भेजी, जिसका जिक्र तेज प्रताप ने एक्स हैंडल पर किया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर हेमा दीदी, रागिनी दीदी, चंदा दीदी और अनुष्का दीदी ने मुझे राखियां भेजी हैं। इसके लिए मेरी सभी दीदी को धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूं। साथ ही आप समस्त देशवासियों को भी राखी के इस पावन पर्व की ढेरों शुभकामनाएं। तेज प्रताप ने इस मौके पर वीडियो कॉल के जरिये बहनों की राखी

बांधने की बात साझा की और इसका सबूत सोशल मीडिया पर साझा किया। हालांकि गौर करने वाली बात ये है कि तेज प्रताप ने अपनी तीन बहनों मीसा भारती, रोहिणी आचार्य और राजलक्ष्मी का नाम नहीं लिया है। अब क्या वजह है, ये तो साफ नहीं है। हालांकि रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी यादव को रक्षाबंधन पर वीडियो कॉल कर बधाई दी और फोटो भी एक्स पर पोस्ट किया है।

बता दें जब लालू यादव ने तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से बेदखल करने का आदेश किया था, तब मीसा, रोहिणी ने उनका पुरजोर समर्थन किया था। तेज प्रताप के वायरल पोस्ट और अनुष्का के साथ वाली फोटो को परिवार और पार्टी के संस्कारों के खिलाफ बताया था। कुछ दिन पहले तेज प्रताप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लालू, राबड़ी और तेजस्वी को छोड़ सभी बहनों को अनफॉलो कर दिया था।

एक दूसरी पोस्ट में तेज प्रताप यादव ने अपनी मौसेरी बहन डॉ पिंकी कुमारी का जिक्र किया, जिन्होंने खुद उन्हें राखी बांधी। उन्होंने लिखा कि डॉ पिंकी दीदी ने मुझे राखी बांधी, इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। फिलहाल तेज प्रताप की रक्षाबंधन पर पोस्ट को लेकर भी कई तरह की चर्चा शुरू हो गयी है। बता दें तेज प्रताप ने हाल ही में पांच दलों के साथ गठबंधन किया है। वह वैशाली की महुआ सीट से चुनाव लड़ने का एलान कर चुके हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.1 °C	21.9 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.26 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.22 बजे

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 10 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव की खेती-किसानी का लिया जायजा

गांव के विकास से ही समृद्ध होगा देश और प्रदेश: हेमंत

किसानों -खेतिहरों से मिल कर कर उनकी दिक्कतों एवं जरूरतों को समझने की कोशिश

मुख्यमंत्री ग्रामीणों से मिले, बचपन की यादें ताजा कीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़/गोला। हरे-भरे खेत, पेड़ों की लहराती टहनियां, नीले आसमान के नीचे फैली हरियाली और मिट्टी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पैतृक गांव नेमरा। गांव की पगडंडियों पर चलते हुए मुख्यमंत्री ने न केवल धान रोपनी में लगे किसानों-महिलाओं के साथ बातचीत की, बल्कि प्रकृति के इस अद्भुत सौंदर्य को निहारते हुए बचपन की यादें भी ताजा कीं। उन्होंने नेमरा के बरमसिया और बड़का नदी दोईन में किसानों से बात-चीत करते हुए कहा कि स्थानीय तौर पर बारिश के पानी का खेती के लिए इस्तेमाल किये जाने के बहुत फायदे हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि छोटी बरसाती नदी के पानी को चेक डैम के जरिए खेतों तक पहुंचाने की सरकार की योजना का लाभ लें। स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर अपनी खेती की बेहतरी से अपनी आमदनी बढ़ाने का प्रयास करें।

सरकार आपके साथ खड़ी है, आपकी मदद के लिए तत्पर है : सरकार आपके साथ खड़ी है, आपकी मदद के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के ऐसे नजारों को देखने के लिए लोग दूर-दूर देशों तक घूमने जाते हैं। अपने झारखंड के गांवों में तमाम ऐसे दृश्य प्रकृति ने बिखेर रखा है। हम सबों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सजग रहने की जरूरत है। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किसानों से लंबी बातचीत की। उन्होंने खेती-बाड़ी की मौजूदा स्थिति, बारिश के हालात, खाद और बीज की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। किसानों ने भी खुले मन से अपनी समस्याएं और सुझाव रखे।

गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाएं : ग्रामीणों के साथ बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही है। हमारी सरकार किसानों के हित में हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार गांव के विकास, सड़क, सिंचाई और शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयासरत है। इस दौरान नेमरा के रविदास सोरेन, बिरजू सोरेन, दिलका सोरेन, विश्वनाथ बेसरा और परमेश्वर सोरेन मुख्यमंत्री के साथ थे।

मुख्यमंत्री ने पांचवें दिन के श्राद्ध कर्म की रस्में पूरी की

सुबह-शाम दतवन, चावल और चाय दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़/गोला। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पारंपरिक श्राद्ध कर्म के पांचवें दिन स्थानीय मान्यताओं के अनुरूप राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने परिजनों के साथ परंपरागत रस्म निभाते हुए सुबह-शाम दतवन, चावल एवं चाय दिया। इस दौरान सीएम नंगे पांव पैदल हाथों में सखुवा के पत्ता में रखे गये दतवन, चावल को लेकर घर के बगल करीब पांच सौ मीटर दुरी पहुंचे। यहां उन्होंने मान्यताओं के अनुरूप रस्म अदा की। नेमरा समेत आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को दिनभर रुक-रुक कर वारिस होती रही। श्राद्ध कार्यक्रम के पांचवें दिन मुख्यमंत्री से मिलने के लिए दिन भर लोगों का आना-जाना लगा रहा। मुख्यमंत्री ने किसी को निराश नहीं किया। गांव पहुंचे लोगों से मिलकर उन्होंने हाल-चाल जाना। इधर श्राद्ध कार्यक्रम को लेकर नेमरा गांव में तैयारी जोरों से चल रही है। दशकर्मा कार्यक्रम को लेकर विशाल पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। आने जाने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो इसके लिए रामगढ़ उपायुक्त कमान संभाल लिये हैं। इधर सड़कों को दुरुस्त करने के लिए गोला नेमरा तक सड़कों का मरम्मती का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। शनिवार को दिनभर सड़कों पर काम चला रहा। बताया गया कि दशकर्मा कार्यक्रम से पहले सड़कों को दुरुस्त कर दिया जायेगा।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे गिरफ्तारी देने पहुंचे थाना, पुलिस ने किया इनकार

बाबा वैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने का मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेले के दौरान वीआइपी, वीवीआइपी और आउट ऑफ टर्न दर्शन पर रोक के बाद भी भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी व अन्य के बैद्यनाथ मंदिर में प्रवेश के मामले में दर्ज एफआइआर का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। उक्त केस में गिरफ्तारी देने शनिवार को गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे दिल्ली से देवघर पहुंचे और सीधे बाबा मंदिर थाने में गिरफ्तारी देने गये, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया।

निशिकांत ने बाबा मंदिर थाने में थानेदार शिव नारायण कामत से मुलाकात की और कहा कि उक्त केस में गिरफ्तारी देने का आया हूं। लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि बाबा मंदिर प्रकरण में सीधी गिरफ्तारी नहीं हो सकती है। इस मामले में तीन बार नोटिस दिये जाने के बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई का प्रावधान है। थाना प्रभारी ने सांसद को बताया कि शनिवार होने की वजह से अदालत बंद है। अदालत में अभी तक एफआइआर की कॉपी भी नहीं पहुंची है। करीब आधे घंटे तक थाने में रहने के बाद सांसद थाने से वापस चले गये।

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि प्रशासन जब भी उन्हें बुलायेगा, वे प्रशासन के समक्ष उपस्थित रहेंगे। क्योंकि वे भगोड़ा नहीं हैं। वे कानून बनाते हैं और कानून का सम्मान करना उनका धर्म है। वे अपने धर्म का पालन करने से कभी पीछे नहीं हटेंगे।

निशिकांत ने कहा कि मैं भी देवघर का तीर्थ पुरोहित हूं। मेरा जन्म देवघर में हुआ है। गवाली पूजा में सात साल से मैं चंदा दाता हूं और तीर्थ पुरोहित वो होता है, जो गवाली पूजा में चंदा देता है। किसी के कहने मात्र से कैसे एफआइआर हो सकती है। जिन पुलिसकर्मियों को मैंने मंदिर के निकास द्वार पर कथित रूप धक्का दिया, उन पुलिसवालों द्वारा एफआइआर करायी गयी होती तो बात समझ में आती है। ड्यूटी पर तैनात मजिस्ट्रेट केस करते तो बात समझ में आती। लेकिन एक अवैध आदमी (केस के सूचक कार्तिक नाथ ठाकुर) जो न पंडा हैं, वो कैसे केस कर सकते हैं। अगर कार्तिकनाथ ठाकुर तीर्थ पुरोहित हैं तो मैं भी तीर्थ पुरोहित हूं। देवघर में पंडा कान्यकुब्ज ब्राह्मण भी हैं, जिस जाति से मैं आता हूं, वे भी यहां पंडा हैं। पंडा यहां वो होता है, जो गवाली पूजा में चंदा देता है। सात साल से मैं यहां गवाली पूजा देता आ रहा हूं और पंडा धर्मरक्षिणी सभा का सदस्य हूं। ऐसे में कैसे किसी पर एफआइआर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि वे सांसद हैं और धारा 105 के तहत उन्होंने संसद में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), मुख्य सचिव, देवघर के उपायुक्त (डीसी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ सवाल उठाये हैं। इसकी सुनवाई सदन में सोमवार को कार्यवाही के दौरान होगी। अब इन सभी अधिकारियों से दिल्ली में ही सवाल पूछे जायेंगे।

कल कृषि मंत्री का जनता दरबार

रांची (आजाद सिपाही)। आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस की ओर से लगाये जा रहे जनता दरबार की अगली कड़ी में कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की 11 अगस्त की सुबह 11 बजे से कांग्रेस भवन में लोगों की समस्याओं को सुनेंगी। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने शनिवार को बताया कि जनता दरबार जनता से सीधे जुड़ाव का सिर्फ एक माध्यम ही नहीं बल्कि आम लोगों के दरवाजे पर पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास है।

बाबूलाल मरांडी का आरोप : असम के मुख्यमंत्री को फंसाने की रची गयी थी साजिश, जल्द करेंगे खुलासा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने राज्य के एक सीनियर पुलिस अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। मरांडी ने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान झारखंड के एक उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को षड्यंत्रपूर्वक फंसाने की कोशिश की थी। मरांडी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर आरोप लगाया कि उस अधिकारी ने किसी को दो बार पैसे देकर दिल्ली और गुवाहाटी भेजा ताकि सरमा को झूठे मामलों में फंसाया जा सके। उन्होंने लिखा कि इस साजिश का प्रमाणों के साथ बहुत जल्द खुलासा किया जायेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्पष्ट जवाब देने की मांग करते हुए कहा कि ऐसे षड्यंत्रकारी अफसरों पर विश्वास करना आपके लिए भी घातक हो सकता है।

अगस्त क्रांति ने स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दशा और दिशा दी : केशव महतो कमलेश

कांग्रेस भवन में विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अगस्त क्रांति दिवस एवं विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश मुख्यालय कांग्रेस भवन में किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने अगस्त क्रांति दिवस का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका पर प्रकाश डाला। स्वतंत्रता आंदोलन के विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। साथ ही आदिवासी समुदाय को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं भी दी गयीं।

प्रदेश अध्यक्ष कमलेश ने कहा कि करो या मरो का नारा आज ही के दिन दिया गया था, जिसने लोगों में ऊर्जा का संचार करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दशा और दिशा दी। एक नया रास्ता दिखाने का काम किया था, उसके बाद आंदोलन ने जोर पकड़ा। स्वतंत्रता आंदोलन की वेदी ने हमारे कई महान विभूतियों की बलि ली। देश की आजादी में उनके योगदान की तुलना कभी नहीं की जा सकती।

आदिवासी समाज आज एक जागरूक समाज है: विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में आदिवासी समुदाय अपने हक अधिकार अस्मिता और पहचान अपनी परंपरा और संस्कृति को बचाने के लिए जो लड़ाई लड़ रहा है वह स्वागत योग्य है।

आदिवासी समाज आज एक जागरूक समाज है। सामाजिक परिवेश में आज उनकी अहम भूमिका है। समाज में आदिवासी समुदाय की भूमिका को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1994 में समुदाय को अपनी विशिष्ट पहचान के साथ रहने और उसकी सुरक्षा के लिए विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा की थी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनादी ब्रह्म राकेश सिन्हा, विनय सिन्हा दीपू, सोनाल शांति, अभिलाष साहू, गजेंद्र सिंह, जगदीश साहू राजन वर्मा, राज वर्मा, अइनुल हक अंसारी, चंद्र रश्मि पिंगुआ, सलीम खान, संजय कुमार, खालिद सैफुल्लाह, रजी अहमद, शाहिद सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

आजादी में भारत छोड़ो आंदोलन की अहम भूमिका : सुबोधकांत

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन ने आजादी में मिल के पत्थर की भूमिका अदा की। जिसका परिणाम अंग्रेजी हुकूमत की हार और भारत की आजादी के रूप में सामने आया। आदिवासी समुदाय को बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर झारखंड के निर्माण तक आदिवासी समुदाय ने अपनी भूमिका पुरजोर तरीके से अदा की थी। आज यह समाज एकजुट है और इसमें कई नेतृत्वकर्ता हैं जो समाज में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मना

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। भाई बहन के अटूट प्रेम व स्नेह का प्रतीक रक्षा बंधन का त्योहार शहर के विभिन्न इलाको में हर्ष उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मेरे भैया मेरे चंदा मेरे अनमोल रतन.... इसे समझो ना रेशम का तार भैया मेरे राखी का मतलब है प्यार भैया... भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना जैसे गीतों के बीच नन्ही नन्ही बहन व भाइयों रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही काफी उत्साह देखा गया। आम दिनों में सुबह उठने के लिए आलस दिखाने वाले छोटे-छोटे राखी बंधवाने के लिए जल्दी उठ गये और सुबह ही नहा कर तैयार हो गये, और फिर राखी बांधने और बंधवाने की जल्दी मची रही। छोटे-छोटे बच्चे, नव विवाहिताएं व यूवतियां आकर्षक परिधानों में सज संवरकर रोली, अक्षत, चंदन का भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, फिर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र राखी बांधकर मुंह मीठा करावाते हुए भगवान से अपने भाई की सुख समृद्धि खुशहाली और तरक्की की कामना की। वही भाइयों ने बहनों को उपहार देकर उनकी सुरक्षा का वचन दिया। सुबह से शुरू हुए इस राखी बंधवाने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। वही भाइयों के घर जाने को लेकर नव विवाहिताओं में सुबह से ही उल्लास देखा गया। वही जो भाई बहनों से दूर रहते हैं, वे शुभ मुहूर्त में एक दिन पूर्व ही राखी बंधवाने बहन के घर चले गये थे। त्योहार को लेकर मिठाई दुकानों में सुबह से ही ग्राहकों का तांता लगा रहा। वहीं दूसरी ओर सावन पूर्णिमा को लेकर शहर के विभिन्न शिवालयों और मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गयी। राखी बंधवाने के बाद सभी ने खीर पूरी मालपुआ मिठाई आदि पकवान खाने का आनंद उठाया।

अटूट प्रेम का प्रतीक है रक्षाबंधन

टाटीझरिया(आजाद सिपाही) प्रखंड क्षेत्र में शनिवार भाई बहन का अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहने अपने अपने भाई की कलाई में रेशम से बना धागे से बना राखी बांधी, राखी बंधवाकर भाई ने भी अपनी अपनी बहन के लिए उपहार भेंट किया और हर समय रक्षा करने का वचन देता है। रक्षाबंधन एक पवित्र त्योहार है यह पर्व प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत झरपो, भराजो, खैरा, अमनारी नारायणपुर, बेडमक्का, डहरभंगा, टाटीझरिया, डूमर धर्मपुर खंभवा सहित अन्य गांवों में रक्षाबंधन मनाया गया।

भाजपा महिला मोर्चा की बहनों ने सांसद मनीष जायसवाल की कलाई पर बांधी राखी

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। भाजपा महिला मोर्चा, हजारीबाग ने सांसद सेवा कार्यालय परिसर में शनिवार को एग्यारह बजे रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया। मोर्चा की बहनों ने सांसद मनीष जायसवाल सहित इनके सहयोगीयों की कलाई पर पवित्र रक्षासूत्र बांधकर प्रेम और स्नेह का संदेश दिया। प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा का पालन करते हुए महिला मोर्चा की बहनों ने पूजा की थाली में पानी का लोटा, राखी, अक्षत, मिठाई और तिलक-चंदन के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजकरण पाण्डेय, मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, कार्यालय प्रभारी विजय वर्मा और कार्यालय के सभी कर्मचारियों के साथ-साथ

सांसद के अंगरक्षक और चालक को भी राखी बांधी और उनका मुंह मीठा कराया । इस अवसर पर सांसद ने बहनों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोहिनूर तो देखा नहीं, लेकिन अनमोल होती हैं बहनें। मैं आजीवन उनकी सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेता हूं।

रिझुनाथ चौधरी की पुण्यतिथि मनायी गयी

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। झारखंड अलग राज्य के अग्रणी आंदोलनकारी, रामगढ़ के पूर्व प्रमुख सह बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के पिता स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी के 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी के गुरुचट्टी स्थित आवास में रिझुनाथ चौधरी की पुण्यतिथि मनायी गयी। इस अवसर पर रिझुनाथ चौधरी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। तत्पश्चात विधायक रोशन लाल चौधरी के सौजन्य से बड़कागांव प्रखंड ग्रामीणों के बीच 5000 फलदार पौधे का वितरण किया गया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता ने कहा कि स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी झारखंड के अलग लड़ाई अग्रणी भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारी थे। उनके बलिदानों को बुलाया नहीं जा सकता है। आजसू के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा ने कहा कि विधायक रोशन लाल चौधरी का यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज सेवा के प्रति उनके अमूल्य समर्पण को दर्शाता है। यह पौधा केवल हरियाली का प्रतीक नहीं बल्कि आने वाली पीढियां के लिए जीवन संतुलन और संरक्षण का संदेश लेकर आयेगा। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व जिला परिषद टुकेश्वर प्रसाद, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत मेहता, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, जिला परिषद प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, पंचायत समिति सदस्य अरुण कुमार, आजसू पार्टी केंद्रीय सदस्य कामेश्वर महतो, संदीप कुशवाहा, राजा खान, केंद्रीय सचिव नागेश्वर तुरी, दिनेश महतो, आजसू प्रखण्ड प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस, घनश्याम कुशवाहा, भाजपा महामंत्री नरसिंह प्रसाद, तुलेश्वर राम, तुलेश्वर महतो, देवल महतो, अर्जुन कुमार, वीरेंद्र कुमार, महेंद्र महतो, मध्य पंचायत मुखिया मो. तकरीमुल्लाह खाना, पंसस सह आजसू नेता अरुण पटेल, चन्द्रनाथ महतो इत्यादि लोग उपस्थित थे।

बड़कागांव में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड में भाई बहन की प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने रक्षाबंधन को लेकर क्षेत्र के भाई बहनों को शुभकामनाएं दी। वही पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने अपने भाई अंकित साव और अपने विधानसभा क्षेत्र के भाइयों को राखी बांधकर रक्षा की दुआ मांगी। रक्षाबंधन में छोटे-छोटे बच्चों ने भी अपने अपने भाई बहनों के साथ रखे का त्योहार हर्ष उल्लास के साथ मनाया। छोटी छोटी बहन में रानी पद्मावती ने अपने भाई सम्राट पृथ्वीराज को राखी बांधी। इसके अलावा नित्यम, सभ्यता, अनुजीत, सक्षम, प्रिशा, शिवनिया, डुग्गू, भोलू, अथर्व, मिहिर, मानवी, ओम, अभिषेक सहित सैकड़ों छोटे-छोटे प्यारे-प्यारे बच्चों ने राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया। रक्षाबंधन की त्योहार बड़कागांव सांढ, गोंदलपुरा, बादम, अंबाजीत, महंगाई कलां, हरली, विश्रामपुर, गोसाई बलिया, नापो खुर्द, तलसवार, नयाटांड़, सिकरी, जुगरा, चेपाखुर्द समेत अन्य गांव में रक्षाबंधन का त्योहार पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई में राखी बांधी।

कोडरमा : पूरे श्रद्धा भाव से मना भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन

कोडरमा(आजाद सिपाही)। भाई बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को कोडरमा जिले भर में श्रद्धा भाव से मनाया गया। हिंदू पंचांग के अनुसार शनिवार की सुबह 7: 30 तक सावन की पूर्णिमा रहने पर सुबह से ही बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने की तैयारी में जुट गये थे। अधिकांश इलाकों में 7:30 से पहले बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधी तो वहीं आचार्य विजय पांडे ने बताया कि शनिवार की सूर्योदय पूर्णिमा तिथि में होने की वजह से यह दिन भर मान्य था। रक्षाबंधन पर राखी बांधने पर भाई ने बहन को जीवन भर रक्षा का वचन के साथ आकर्षक गिफ्ट और चॉकलेट दिये। वही बहनों ने भी भाई के सलामती की कामना की। वहीं दूसरी तरफ रक्षाबंधन को लेकर जिले के सभी मिठाई दुकानों में मिठाई खरीदारी करने वालों की भीड़ लगी रही वहीं बाजारों में रक्षाबंधन को लेकर एक से बढ़कर एक आकर्षक राखियां उपलब्ध थी।

छात्राओं ने उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को बांधी राखी

कोडरमा(आजाद सिपाही)। रक्षाबंधन के अवसर पर जिले में एक भावनात्मक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब स्कूली छात्राओं ने उपायुक्त ऋतुराज और उप विकास आयुक्त रवि जैन को राखी बांधकर भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीय परंपरा को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने कहा, रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती, विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। उप विकास आयुक्त रवि जैन ने भी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजते हैं, बल्कि प्रशासन और आम जनता के बीच विश्वास और संवाद का सेतु भी बनाते हैं।

फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच जर्सी का वितरण

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। चेचकपी पंचायत मुखिया रीता देवी के द्वारा फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच जर्सी वितरण किया गया। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने कहा कि हम हमेशा से अपने पंचायत के खिलाड़ीयों का उत्साह बढ़ाते आए हैं। खिलाड़ियों को समय-समय पर सभी नव युवकों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक सहायता देते रहते हैं जिससे यहां के खिलाड़ी आगे बढ़े और गांव का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर यहां के खिलाड़ियों को फुटबॉल जर्सी अपने नीजी खर्च से उपलब्ध कराया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आप लोग खेल के क्षेत्र में अपने गांव के साथ प्रखंड का नाम को आगे बढ़ाएं।

शाखा में स्वयंसेवकों को राखी बांधना, सेवा और समर्पण का प्रतीक : मुकेश राणा

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड में भगत सिंह प्रभात शाखा पिपचो में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा रक्षाबंधन का त्योहार एक दुसरे को रक्षा सूत्र बांधकर मनाया। मौके पर जिला कार्यवाह मुकेश राणा ने बताया कि संघ में रक्षाबंधन का पर्व एक धागा राष्ट्र को जोड़ता है। समरसता समाजिक एकता और संघ के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कर्तव्य है। उन्होंने बताया की शाखा में बहनों द्वारा स्वयंसेवकों को राखी बांधना, सेवा और समर्पण का प्रतीक माना गया है। कार्यक्रम में खण्ड कार्यवाह सुनील कुमार यादव, जितेंद्र यादव, अजीत कुमार, दयानन्द यादव, गणेश राणा, राहुल कुमार, रोशन कुमार, सीता राम यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

मरकच्चो में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

मरकच्चो(आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को भाई और बहन के प्यार का प्रतीक रक्षा बंधन का पावन त्यौहार बड़ी श्रद्धा धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में दुकानदारों ने दिनभर अपनी दुकानों बाजारों को सुंदर राखियों से सजाए रखा। सुबह से बहनों द्वारा अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने का सिलसिला शुरू हो गया जो शाम तक जारी रहा। छोटे बच्चों में भी राखी के पर्व को लेकर उत्साह देखा गया। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन पर्व पर घरों में परपंरागत रूप से भाईयों की जहां कलाईयां सजी। वहीं बहनों को उनके ख्वाहिश के मुताबिक तोहफे और उपहार मिले। सालभर के इस त्यौहार के लिए बहनों को इंतजार रहता है। वहीं भाई भी बहनों के बीच समय व्यतीत करने के लिए इस पर्व का इंतजार करते हैं। भाई-बहन के प्यार को देखकर जहां घरों के बड़े-बुजुर्गों की आंखें भर आई। वहीं बचपन में बिताए वक्त को भी भाईयों ने बहनों के साथ याद किया। पूरे जिले में रक्षाबंधन के मौके पर घरों में खुशियां ही खुशियां नजर आई। भाईयों की कलाई सजाकर जहां बड़ी बहनों ने दुलार किया। वहीं बड़े भाईयों ने अपनी छोटी बहनों को आशीर्वाद दिया।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में रक्षाबंधन पर्व मना

मरकच्चो(आजाद सिपाही)। पी एम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार को रक्षा बंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने घर से आये अपने अपने भाइयों को राखी बांधकर भाईचारे स्नेह और सुरक्षा का प्रतीक इस पर्व की गरिमा को जीवंत किया है। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की वार्डेन सह प्राचार्य उषा टोपनो व लेखापाल हुस्न आरा ने दीप प्रज्वलित व मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण कर की। छात्राओं ने रंग बिरंगी राखियों से अपने भाइयों की कलाइयां सजाई और उनके दीर्घायु होने की कामना की। वहीं भाइयों ने मिठाई खिलाकर स्नेह व सहयोग का वचन दिया। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डेन उषा टोपनो व हुस्न आरा ने रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे भारतीय संस्कृति का अद्वितीय पर्व बताया। छात्राओं ने गीत, कविता और नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रा चांदनी कुमारी, अनु कुमारी, करिश्मा कुमारी, ममता कुमारी, सुमन कुमारी, मुस्कान कुमारी, ललिता कुमारी, करिश्मा कुमारी, अंजू कुमारी, आरती कुमारी, पायल कुमारी, नेहा कुमारी, काजल कुमारी, सुगनती कुमारी, सुलोचना कुमारी, आंचल कुमारी समेत विद्यालय के सभी छात्राओं की भूमिका सराहनीय रही।

विभावि में 54 करोड़ लागत से बनने वाले 'रिसर्च और इंक्यूबेशन सेंटर' का हुआ भूमि पूजन

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने विश्वविद्यालय की प्रथम महिला सरिता शर्मा के साथ शनिवार, 9 अगस्त को विश्वविद्यालय के नये 'रिसर्च और इनक्यूबेशन सेंटर' भवन का भूमि पूजन किया। कुलपति ने बताया कि एक तरफ जहां यह दिन सावन पूर्णिमा और रक्षाबंधन का है वही आज 9 अगस्त 'अंतरराष्ट्रीय जनजाति दिवस' भी है। इस प्रकार यह दिन झारखंड राज्य और विशेष कर हजारीबाग में अवस्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत शुभ है। यही कारण है कि इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रारंभ के लिए 9 अगस्त के दिन का चयन किया गया। भूमि पूजन के समय कल कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह समाज विज्ञान के संकायअध्यक्ष डॉ सादिक रज्जाक और कुलपति सचिवालय में कार्यरत जयप्रकाश सिंह उपस्थित थे। इस योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए यूसेट के प्राध्यापक डॉ अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि यह भवन निर्माण जी-प्लस-4 का होना है। उन्होंने बताया कि भवन एवं फर्नीचर को लेकर कुल लागत 54 करोड़ के लगभग का है। इस एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट कम इनक्यूबेशन सेंटर भवन का निर्माण झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, रांची के द्वारा होना है। डॉ अरुण मिश्रा ने बताया कि मेरु के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु झारखंड राज्य में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए विभावि हजारीबाग में सेंटर आफ एक्सीलेंस ऑन साइबर सिक्योरिटी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन रिमोट सेंसिंग एंड जी आई एस, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन सोशल साइंस और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन अप्लाइड साइंस की स्थापना की जानी है।

भंडारे के साथ अखंड हरिकीर्तन संपन्न

केरेडारी(आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत पचड़ा में अखंड हरिकीर्तन शनिवार को भंडारे व प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान शुक्रवार सुबह आठ बजे से शनिवार के सुबह आठ बजे तक समुचा क्षेत्र हरे राम, हरे कृष्णा के उद्घोष के साथ गूंजता रहा। चट्टी बरियातू कोल परियोजना के आर्थिक सहयोग से भंडारा का आयोजन किया गया। इस कीर्तन मंडली सदस्यों को सैंकड़ों की संख्या में भोजन का भी आनन्द उठाया जो 10 बजे दिन से लगातार चलता रहा। इसका नेतृत्व जन कल्या रूरल डेवलपमेंट सोसायटी के पदाधिकारीगण, अध्यक्ष- महेश प्रसाद साव, सचिव कृष्ण यादव, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार साहु ने किया। इस कीर्तन मंडली में मुख्य रूप से उपस्थित पचड़ा पंचायत के मुखिया महेश प्रसाद साव, वर्षा कुमारी, सावित्री देवी, रेणु देवी, रीना देवी, देवनारायण राणा, विश्वनाथ साव, समाजसेवी रंजीत कुमार रजक, अजय साव, देवनारायण कुमार, लाल बहादुर साव, फुनेश्वर रजक, वार्ड सदस्य सुरेश कुमार साव, प्रदीप साव, ललन पासवान, छोटेलाल कुमार, गोवर्धन साव, जुगेश्वर कुमार, दामोदर कुमार, संतोष कुमार, पप्पू प्रजापति, कृष्णकांत कुमार, संतोष कुमार साहू, अशोक साव, अजय कुमार, सूरज कुमार, आदित्य साव, अमृत साव, बसंत कुमार, धनपति साव, मुकेश कुमार ठाकुर, जागेश्वर साव, रतन साव, दशरथ कुमार, बैजनाथ राणा और सैकड़ों अन्य लोग इस कीर्तन मंडली में भाग लिये।

बुढ़वा महादेव पहाड़ के श्रावणी मेला में उमड़ी भीड़

- 3:00 भोर से ही लाइन में लगे रहे भक्त
- भक्ति जागरण का किया गया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। हजारीबाग जिले के बड़कागांव का प्रसिद्ध महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव में एक महीने तक चलने वाली श्रावणी मेला आज धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। मेले का आयोजन बुढ़वा महादेव सेवा समिति, श्रावणी मेला पूजा समिति और बुढ़वा महादेव विकास सह शांति समिति द्वारा आयोजन किया गया। सावन पूर्णिमा व अंतिम की सोमवारी पर बुढ़वा महादेव मंदिर और महुदी पहाड़ के वादियों में हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठे। बड़कागांव से तीन किमी दूर स्थित 500 मीटर ऊंची बुढ़वा महादेव पहाड़ में सुबह 3:00 बजे से भक्तो की लाइन लगी रही, जो देर शाम तक लोक पूजा अर्चना करते रहे.शिव भक्तों ने कांवर लेकर व जल उठाकर पहाड़ में चढ़कर बुढ़वा महादेव मंदिर में जल चढ़ाया। पूजा अर्चना करने वालों में महिलाएं, पुरुष, युवक-युवतियों व बच्चे शामिल थे। इसके अलावा बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर प्रांगण में श्रवनी मेला के शुभ अवसर पर हनुमान मंदिर और प्रवेश द्वार निर्माण समिति व नवयुवक संघ खैरातरी के द्वारा भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि रोशन लाल चौधरी विशिष्ट अतिथि प्रमुख फुलवा देवी उप प्रमुख वचन देव कुमार सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित हुए।

भंडारा का भी आयोजन

मेले में विभिन्न तरह के दुकान लगे हुए थे। बड़ा महादेव विकास समिति बड़कागांव गुरु चट्टी, खैरातरी, काड़तरी और विभिन्न सामाजिक संगठन द्वारा भंडारा और गुड़ चना का वितरण किया गया।

गुफाओं में भी की गयी पूजा अर्चना : बुढ़वा महादेव मंदिर के बाद भक्तों ने हनुमान जी के मंदिर, द्वारपाल गुफा, छगरी - गोदरी गुफा और डूमारो गुफा, राजा राजा रानी का वैवाहिक स्थल मड़वाखामी चट्टान में पूजार्चना किया और 80 मीटर ऊंची पहाड़ से गिरते हुए डूमारो जलप्रपात का लोगों ने आनंद लिया।

मेला को सफल बनाने में बुढ़वा महादेव विकास सह शांति समिति के अध्यक्ष दामोदर प्रसाद मेहता, पूजा समिति के अध्यक्ष विकास कुमार, उप प्रमुख वचन देव कुमार, जयशंकर महतो, बीगल महतो, शशि कुमार मेहता, सुरेश महतो, प्रेमचंद कुमार, वीरेंद्र कुमार, विवेक कुमार दांगी, राजू मेहता, विकास कुमार, शिव कुमार, त्रिवेणी प्रसाद, दिनेश महतो, हरदयाल महतो, पूर्व मुखिया भीखन महतो, केदार महतो, प्रदीप गंजू हितनारायण महतो, योगेश्वर महतो, मनोहर सिंह, मुकेश कुमार, राकेश कुमार, लोकनाथ कुमार, बुढ़वा महादेव के अलावा बड़कागांव के राम जानकी मंदिर, राधेश्याम मंदिर, पकरी बरवाडीह शिव मंदिर, सांढ के शिव मंदिर, नयाटांड़ शिव मंदिर, बादम, तलशवार शिव मंदिर, हरली शिव मंदिर, महुंगाई कला शिव मंदिर में भी पूजा-अर्चना की गयी।

खतियानी परिवार की बैठक संपन्न

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। खतियानी परिवार का साप्ताहिक बैठक पुराना धरना स्थल के नजदीक अशोक राम की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्व समिति से यह आवाज उठी की भारतीय राजनीति के पुरोधा और झारखंड प्रदेश के निमार्ता माननीय शिबू सोरेन नहीं रहे उनकी मृत्यु पर हम खतियानी परिवार के सभी सदस्यों ने भाव मिनी श्रद्धांजलि अर्पित की और 2 मिनट का मौन धारण करके अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किया आश्चर्य है कि दिशम गुरु के नाम से प्रसिद्ध शिबू सोरेन का व्यक्तित्व बहुत आयामी था एक और राज्य पुलिस से जूझते हुए उनकी लाठी डंडों से मार खाते रहे लेकिन आंदोलन से मुंह नहीं मोडे मैं केंद्रीय महासचिव मोहम्मद हकीम समाचार सुनकर बहुत मर्माहत हो गये। मैं खतियानी परिवार के लोग कोटि-कोटि श्रद्धा अर्पित करता हूं। दूसरी ओर झारखंड निर्माण के आंदोलनकारियों के त्याग और बलिदान का मूल्य नहीं चुकाया जा रहा है आंदोलनकारीयो की पहचान जेल जाने की शर्त पर सरकार स्वीकार कर रही है, जब झारखंड प्रदेश के बाल वृद्ध सभी सक्रिय थे तब संयुक्त बिहार की सरकार को झुकने में आंदोलनकारीयोकी सफलता मिली आंदोलनकारी बेरोजगारी का दंश झेलने को बिवस है। खतियानी परिवार भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के विजय दिवस को 15 अगस्त के रूप में मनाते आ रहे हैं विधिवत झंडा तोलन कन्हरी रोड जेपीएम हॉस्पिटल के नजदीक खतियानी चौक पर होगा। झंडा तोलन का मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सीपीआइ के कद्दावर नेता सह खतियानी परिवार के संरक्षक माननीय भुवनेश्वर प्रसाद मेहता के द्वारा की जायेग। आज आदिवासी दिवस, रक्षाबंधन की पूरे देशवासियों को शुभकामनाएं खतियानी परिवार की ओर से दी जाती है, बैठक में उपस्थित मो हकीम, बोधी सांव, अशरफ अली, मो: समीम, डॉ तनवीर अख्तर, मो फखरुद्दीन, अमर कुमार गुप्ता, सुनीता कश्यप, सुनीता टोपनो, प्रदीप कुमार मेहता वो अन्य उपस्थित हुए।

पूर्व प्रमुख स्व रिझूनाथ चौधरी की पुण्यतिथि मनी

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी जिला कार्यालय में शनिवार को अलग झारखंड राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जुझारू नेता सह रामगढ़ प्रखंड के पूर्व प्रमुख स्व रिझूनाथ चौधरी की 11 वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि श्री महतो ने स्व रिझूनाथ चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्व रिझूनाथ चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर मनोज कुमार महतो ने कहा कि पूर्व प्रमुख स्व रिझूनाथ चौधरी अलग झारखंड राज्य के बहुत बड़े समर्थक थे। मौके पर धर्मेन्द्र साव भोपाली, देवधारी महतो, दिनेश कुशवाहा, बिट्टी सिंह, राकेश गुप्ता, नरेश महतो, छोटू पटेल, अनूप यादव, दिलीप यादव, कैलाश रजक आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी धर्मशाला में शोकसभा का आयोजन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी धर्मशाला के प्रांगण में श्री मारवाड़ी सत्यनारायण मंदिर और धर्मशाला संस्था के कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा शोकसभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष विमल बुधिया ने किया। सभा का मुख्य उद्देश्य झारखंड राज्य के अभिभावक रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन के निधन और संस्था के संस्थापक सदस्य रहे स्वर्गीय हनुमान प्रसाद के असामयिक निधन पर श्रद्धा सुमन अर्पित करना। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विमल बुधिया ने दुःख प्रकट करते हुए कहा कि गुरु जी के निधन से झारखण्ड को बहुत नुकसान पहुंचा है। उनकी कमी कोई पूरा नहीं कर सकता। वे हमेशा राज्य की जनता के हृदय में जीवित रहेंगे। स्वर्गीय हनुमान प्रसाद के प्रति भी शोक प्रकट करते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज उनके निधन से बहुत मर्माहत है वे सदा ही समाज के प्रति समर्पित रहते थे समाज में उनकी कमी हमेशा खलेगी। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिशोम गुरु को भारत रत्न से नवाजा जाना चाहिए: अमित साहू

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित साहू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि झारखंड के दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को भारत रत्न से नवाजा जाना चाहिए। श्री साहू ने कहा कि जिस तरह से अलग झारखंड के लिए स्वर्गीय शिबू सोरेन ने अर्श से फर्श तक की लड़ाई लड़ी है और दिशोम गुरु के बलिदान और त्याग का जो ऐतिहासिक सफर रहा है। इस ऐतिहासिक सफर के लिए झारखंडवासी अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं। दिशोम गुरु ने जिस तरह से अपने जीवन काल में झारखंड के मूलवासी और आदिवासियों को महाजनी और सुदखोरो के जाल से मुक्त करने के लिए अपनी महती भूमिका निभायें है। आने वाले दिनों में झारखंडवासियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह है कि ऐसे व्यक्तित्व को भारत रत्न से नमाज कर झारखंडवासियों को गौरवान्वित करें।

बुढ़वा महादेव मंदिर भुरकुंडा में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन शुरू, भंडारा 9 को

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। बुढ़वा महादेव मंदिर भुरकुंडा में शुक्रवार से 24 घंटे के अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ हुआ। अखंड हरी कीर्तन का शुभारंभ बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी और बरका सयाल जीएम अजय कुमार सिंह ने विधिवत रूप पूजा अर्चना कर की। इस दौरान शिव भक्तों के हरे राम हरे कृष्णा के उद्घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। इसके पूर्व मंदिर समिति के लोगों द्वारा विधायक और जीएम को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जीएम और उनकी पत्नी ने बुढ़वा महादेव मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की हरियाली खुशहाली की कामना की। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से क्षेत्र में भक्ति का संचार बढ़ता है, साथ ही क्षेत्र में सुख समृद्धि का आगमन होता है। धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराने में मुख्य पुजारी अशोक तिवारी, सुनील बैठा, पप्पू तिवारी, डब्लू पांडेय, बिपुल पटेल, शंभू दुबे, भीखम राजभर, तेजस मुंडा, नरेंद्र कुमार, मोनू कुमार सहित कई श्रद्धालु जुटे हैं। मंदिर समिति के लोगों ने बताया 9 अगस्त (शनिवार) को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गयी है। मौके पर विधायक के साथ भारतीय जनता पार्टी भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष अमरेश सिंह, समाजसेवी विश्व रंजन सिन्हा शहीद कई लोग मौजूद थे।

कुजू में मां मनसा मंदिर का भक्तां के लिए खुला पट

कुजू (आजाद सिपाही)। श्री श्री मनसा पूजा समिति देवी मंडप, कुजू ने शनिवार को मां मनसा की विधिवत पूजा अर्चना की। साथ ही, प्रसाद का वितरण किया गया। इससे पूर्व, मां मनसा का पट का विधिवत उद्घाटन मांडू विधायक निर्मल महतो ने फीता काटकर किया। मौके पर विधायक में समिति को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य दयामंती देवी, जिप सदस्य प्रतिनिधि ज्योतिंद्र प्रसाद साहू, विधायक प्रतिनिधि नरेश महतो, मुखिया राकेश कुमार, जयकुमार ओझा, अशोक कुमार, समिति अध्यक्ष सीताराम साव, सचिव पंकज मेहता, छेदी ठाकुर, रामदास केशरी, सुनील प्रसाद, गौतम प्रसाद, रघुनाथ मेहता, गिरधारी राम, अनिल अगरिया, रवि केशरी, तेजनाथ महतो, आशीष प्रसाद, फुलेश्वर साव, विकास चंद्र पटेल, कंचन ठाकुर समेत कई लोग शामिल रहे।

नक्सली गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। पुलिस ने लावालौंग के जंगल से नक्सली संगठन टीपीएससी के एक नक्सली कमांडर जमादार गंझू उर्फ पहाड़ी गंझू को तीन देशी राइफल, एक देशी कट्टा, 92 राउंड जिंदा कारतूस, नक्सली पोस्टर, मोबाइल, वर्दी और पिट्ठू बैग के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिली कि जमादार गंझू उर्फ पहाड़ी गंझू लावालौंग खामडीह गांव के समीप के जंगल में अवैध हथियार के साथ घूम रहा है और टीएसपीसी संगठन के नाम पर लेवी वसूली का काम कर रहा है। सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए खामडीह गांव के जंगल से छापेमारी कर जमादार गंझू उर्फ पहाड़ी गंझू को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार, गोलियां और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली के विरुद्ध पांच अपराधिक मामले दर्ज हैं। छापामारी टीम में एसडीपीओ सिमरिया शुभम खंडेलवाल, पुलिस अवर निरीक्षक रूपेश कुमार, थाना प्रभारी लावालौंग थाना, पुलिस अवर निरीक्षक सूर्य प्रताप सिंह, लावालौंग थाना, पुलिस अवर निरीक्षक वाजिद अली, लावालौंग थाना और लावालौंग थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

राधा गोविंद विवि के कुलाधिपति बी एन साह पहुंचे नेमरा

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

गुरुजी के दिवंगत आत्मा की शांति के लिए विश्वविद्यालय में शोक सभा का आयोजन

झारखंड ने केवल एक नेता नहीं, अपना पथदर्शक, जननायक अभिभावक खो दिया: बीएन साह

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविंद विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि और उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह, पदाधिकारीगण और शिक्षकगण लगभग 150 की संख्या में नेमरा गांव पहुंचकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किये। तत्पश्चात झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर ढांढस बांधा। मौके पर कुलाधिपति बी एन साह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं थे, वे झारखंड की आत्मा, उसकी चेतना और संघर्षशील जन भावनाओं के प्रतीक थे। झारखंड ने केवल एक नेता नहीं, अपना पथदर्शक, जननायक अभिभावक खो दिया है। उन्होंने जनजातीय समाज के उत्थान में संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया है। मौके पर विश्वविद्यालय सचिव प्रियंका कुमारी, प्रति कुलाधिपति प्रो डॉ रश्मि, कुलसचिव प्रो डॉ निर्मल कुमार मंडल, परीक्षा नियंत्रक प्रो डॉ अशोक कुमार, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो डॉ अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, व्याख्यातागण उपस्थित थे।

अनिल उरांव दूसरी बार बने टंडवा थाना प्रभारी

टंडवा(आजाद सिपाही)। चतरा पुलिस कप्तान सुमित अग्रवाल ने अनिल उरांव को टंडवा थाना में दूसरी बार नई जिम्मेवारी दी है। इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी के रूप में अनिल उरांव ने शुक्रवार देर संध्या को पदभार ग्रहण किया। दुसरी बार बने टंडवा के नये पुलिस इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने कहा की टंडवा थाना क्षेत्र में चतरा पुलिस कप्तान द्वारा जो जिम्मेवारी दिया है उसे मै बखूबी निभाऊंगा, थाना क्षेत्र वाशियो को जो भी समस्याएं होंगे उसे बिना कोई झिझक से संपादित करने की प्रयास करूंगा। वहीं थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश राम इटखोरी के नए थाना प्रभारी बनाये गये है।

होमगार्ड जवान के घर में लाखों रुपये के गहने समेत अन्य सामानों की चोरी

कुंदा/चतरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के चाया गांव में होमगार्ड जवान जयकुमार यादव पिता-बैजनाथ यादव के घर चोरों ने घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जिसमें लाखों रुपये के गहने जिसमें सोना का मंगलसूत्र, मंगटीका, कानबाली, नकबेसर, चांदी का पायल, बिछिया समेत लाखों रुपये के समान चुराकर ले भागे। जानकारी के अनुसार जयकुमार यादव चतरा शहर में रहते हैं। रक्षा बंधन के मौके पर पति - पत्नी चतरा से अपने गांव चाया पहुंचे तो उन्होंने घर के दरवाजा का ताला टुटा हुआ पाया। उन्होंने घर के अंदर देखा तो घर में रखा सारा सामान जमीन में बिखरा हुआ था और गहने समेत अन्य कीमती सामान गायब है।

फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन

लावालौंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के पारामातु में युवा शक्ति क्लब की ओर से रक्षाबंधन के अवसर पर भव्य फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि लावालौंग मुखिया नेमन भारती, बीस सूत्री उपाध्यक्ष सरजू यादव, झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष विकास यादव, समाजसेवी सह उपमुखिया पति मुकेश यादव और प्रतिमा देवी, युवा नेता राजू यादव, रघु राम, अशोक राम और सुनील चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। मुखिया नेमन भारती ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र में ऐसे खेल आयोजन होना गर्व की बात है। खेल से मानसिक और शारीरिक विकास के साथ-साथ कैरियर भी बनाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस तरह के आयोजनों में हमेशा सहयोग करते रहेंगे, क्योंकि खेल केवल खेल नहीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल का माध्यम भी है। उद्घाटन मैच जरही और चतरा डाढ़ा के बीच खेला गया, जिसमें डाढ़ा ने 2-0 से जीत दर्ज की। इस दौरान झामुमो नेता विकास यादव ने आयोजक टीम को बूट जूते उपलब्ध कराए। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष पवन चंद्रवंशी, सचिव नीरज चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष सुमित चंद्रवंशी, उमेश ठाकुर, अमित कुमार, अरुण कुमार, प्रदीप रविदास, पंकज कुमार, सचिन समेत कई लोगों का अहम योगदान रहा।

जिंदल फाउंडेशन ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया

पतरातू (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिंदल फाउंडेशन के द्वारा बिरहोर समुदाय के बीच विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिरहोर टोला, डाडीडीह में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समुदाय के लोगों के बीच टॉफी, मिठाई और कपड़े आदि का वितरण किया गया। जिंदल फाउंडेशन की अध्यक्ष शालू जिंदल ने इस मौके पर कहा कि आदिवासी समाज हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। उनकी परंपराएं, जीवनशैली और प्रकृति के साथ उनका गहरा जुड़ाव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने यह भी कहा कि फाउंडेशन समाज के हर वर्ग के विकास और कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है, और आने वाले समय में भी इस दिशा में कार्य होता रहेगा। कार्यक्रम में फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय ग्रामीण भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गोला में रिझुनाथ चौधरी की पुण्यतिथि मनी

गोला (आजाद सिपाही)। सीपीसी इंटर कॉलेज कमता में शनिवार को स्व रिझुनाथ चौधरी की 11वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। इस दौरान उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रधांजलि अर्पित की गयी। जिप सदस्य जलेश्वर महतो ने कहा कि कहा कि स्व रिझुनाथ चौधरी ने समाज में कई उल्लेखनीय कार्य कियें है। जिसको भुलाये नहीं भुलाया जा सकता है। समाज के दबे कुचले लोगों को न्याय दिलाने के लिए अनेकों आंदोलन उन्होंने किया। मौके पर आजसू पार्टी के केन्द्रीय सदस्य अशोक कुमार, कॉलेज के प्रिंसिपल संजय कुमार, व्याख्याता रविन्द्र कुमार महतो, आजसू पार्टी के प्रखंड उपाध्यक्ष गौतम महतो, त्रिभुवन महतो, नीलकमल, सुर्यनारायण, चन्दशेखर करमाली आदि थे।

रिझुनाथ चौधरी को सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। चितरपुर प्रखंड क्षेत्र के सांडी गांव में रामगढ़ के पूर्व प्रमुख स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी का 11वीं पुण्यतिथि मनायी गयी, पुण्यतिथि के अवसर पर हजारों फलदार वृक्ष आम, कटहल जामुन, कदम, अमरूद, कटहल, शीशम, सागवान, गुल मोहर गम्हार, निम्बू, दर्जनों प्रजाति किस्म के पेड़- पौधा का वितरण किया गया। स्वर्गीय स्व रिझु चौधरी, झारखंड आंदोलनकारी नेता के साथ विभिन्न समाजों के उत्थान और विकास के लिए हमेशा संघर्ष किया। पूर्व प्रमुख के 11वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह कार्यक्रम में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी मांडू विधायक तिवारी महतो के अलावे प्रवीण प्रभाकर हसन अंसारी ज्योतिंद्र चौधरी डॉ रेखा चौधरी रामगढ़ पूर्व विधायक सुनीता चौधरी, वीणा चौधरी,सूरज चौधरी, पियूष चौधरी, के द्वारा श्रद्धांजलि दी गयी। इसके अलावे जिप अध्यक्ष सुधा चौधरी, आजसू जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी, सुधा चौधरी, चंद्रशेखर चौधरी, गोपाल चौधरी, अमृत लाल मुंडा चंद्रशेखर पटवा, मनोज महतो, देवधारी महतो, पार्षद धनेश्वर महतो, किसुनराम मुंडा, रविंद्र वर्मा, गजेंद्र चौधरी, सुनील चौधरी, अशोक बेदिया, मोतीलाल करमाली, मुखिया भानु प्रकाश महतो, संतोष महतो, ईश्वर महतो, अनिल चौधरी, सुरली महतो महेंद्र महतो, निर्मल महतो, मुखिया कलावती देवी, रेखा देवी, दशरथ महतो, मुकेश सिंहा, पार्षद सरस्वती देवी, पार्षद जलेश्वर महतो, चंद्रशेखर महतो, वीनू टाइगर, दिनेश महतो, ममता सोनी, टूशील देवी, देवंती देवी, सुशीला देवी, हेमंती देवी, भानु प्रकाश महतो, कर्मा चौधरी, नित्यानंद महतो, राजेश महतो, मनोज कुमार महतो, रोशन महतो, महेंद्र चौधरी शाहिद सैकड़ों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई–निविदा संख्या–ईएल/28/खुली/ 2025–26

क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) धनबाद – धनबाद में महिला ट्रेन एस्कॉर्टिंग स्टाफ के लिए 10 बिस्तरों वाली महिला आरपीएफ एस्कॉर्ट बैरक का प्रावधान। (ब) हजारीबाग टाउन – हजारीबाग टाउन में मनोरंजन हॉल, डाइनिंग हॉल, फर्नीचर और अन्य सुविधाओं के साथ 20 बिस्तरों वाली आरपीएफ बैरक का प्रावधान। (स) एडीईएन/चोपन के तहत चोपन , सिंगरौली, ओबरा और शक्तिनगर में शौचालय, टाइल्स, पानी का कनेक्शन और पहुंच मार्ग प्रदान करके विभिन्न सेवा भवनों का नवीनीकरण। (द) सीनियर डीईएन/4/धनबाद के तहत रेणुकूट और सिंगरौली में आरपीएफ आउट पोस्ट ऑफिस का प्रावधान (ई) बरवाडीह–फ्रेट डिपो बरवाडीह में ट्रॉली रिपेयर शेड का विस्तार और अन्य सुधार कार्य से संबंधित वैद्युतिक कार्य **(कार्य समापन अवधि : बारह माह) (2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 77,97,761.95 **(3) बिड सिक्युरिटी :** रू० 1,56,000.00 **(4) बिड मूल्यांकन प्रणाली :** एक पैकेट प्रणाली **(5) ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:00 बजे। **ई निविदा खुलने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:30 बजे के बाद। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

ई–निविदा संख्या–ईएल/29/खुली/2025–26

क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) धनबाद यार्ड के जल जमाव वाले क्षेत्र में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) का प्रावधान (ब) धनबाद डिवीजन में डीईएमयू (संख्या–02), सीएनएफ (संख्या–01), डीएसएमई (संख्या–01) और एमडब्ल्यूएफ (संख्या–01) के लिए हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (एचएबीडी) की आपूर्ति स्थापना और कमीशनिंग (स) कोडरमा–पिपराडीह– कोडरमा–पिपराडीह के बीच आईबीपी का प्रावधान (द) हजारीबाग टाउन–कंसार नवादा–हजारीबाग टाउन और कंसार नवादा के बीच आईबीपी का प्रावधान से संबंधित वैद्युतिक कार्य **(कार्य समापन अवधि : बारह माह) (2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 18,23,721.07 **(3) बिड सिक्युरिटी :** रू० 36,500.00 **(4) बिड मूल्यांकन प्रणाली :** एक पैकेट प्रणाली **(5) ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:00 बजे। **ई निविदा खुलने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:30 बजे के बाद। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), धनबाद

पीआर/0744/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25-26/76

मारवाड़ी महिला समिति की बहनों ने सैनिकों को बांधा रक्षासूत्र

सरहदों पर रहकर हमें सुरक्षित रखने वाले जवानों के चेहरे में खुशी लाना हम सभी का दायित्व: निशा

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज सेवा में तत्पर समाजसेवी संस्था मारवाड़ी महिला समिति रामगढ़ शाखा ने शनिवार को छावनी में स्थित सिख रेजीमेंट सेंटर के मुख्यालय में जाकर सेना के करीब 100 जवानों और अधिकारियों को रक्षाबंधन के अवसर पर समिति की बहनों ने राखी रुपी रक्षा सूत्र बांधा। कार्यक्रम के अंतर्गत समिति की सदस्यों ने मुख्यालय पहुंचकर सेना के जवानों और अधिकारियों की कलाइयों पर राखी बांधकर उन्हें मिठाइयां खिलायी। समिति के अध्यक्ष निशा जैन ने कर्नल दिलीप सिंह को रक्षा सूत्र बांधा और अरुणा जैन ने समिति का अंग वस्त्र प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। सेना के अधिकारियों ने समिति की बहनों को यह आश्वास्त किया की रामगढ़ शाखा के किसी भी समस्या अथवा संकट के समय हम और हमारे जवान उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए समिति की अध्यक्ष निशा जैन ने बताया कि हमारे सैनिक भाई अपनी बहनों से दूर रहकर अनेकों कष्ट सहकर हमारी सरहदों की सुरक्षा करते हुए हमें सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक भाइयों के चेहरे पर मुस्कान लाने तथा हम उनकी दीर्घायु होने का कामना आज रक्षाबंधन के अवसर पर हम ईश्वर से करती है। समिति द्वारा उपरोक्त कार्यक्रम प्रति वर्ष किया जाता है और सरहदों पर सैनिकों के लिए राखी भी भेजी जाती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अरुणा जैन, सिम्पल बेरलिया, प्रिया अग्रवाल, नीलम जैन, नम्रता जैन, मीनू मोदी, पूनम गर्ग, रेनू मित्तल आदि शामिल थी।

ब्रह्मा कुमारियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी के कलाई पर बांधी राखी

चतरा। रक्षाबंधन के पूर्व संध्या पर हिंदू सनातन की अलख जगा रहीं ब्रह्मा कुमारियों ने सदर प्रखंड कार्यालय पहुंच कर प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिहर महतो की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान ब्रह्मा कुमारियों ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व सभी पर्वों में अनोखा पर्व है। यह पर्व ही नहीं भारत की संस्कृति और मानवीय मूल्यों का प्रत्यक्ष दर्शन कराने वाला परमात्म उपहार है। कुमारियों ने आगे कहा कि राखी बांधने और तिलक लगाने, के उपरांत मिठाई खिलाने के पीछे आध्यात्मिक चेतना, सकारात्मक चिंतन के साथ आपसी प्रेम त्याग का वात्सल्य संबंध है। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिहर महतो ने भावुक होते हुए कहा कि भाई बहनों के बीच आपसी प्रेम, एक दूसरे के प्रति पूर्ण श्रद्धा, विश्वास और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ब्रह्मा कुमारियों को उपहार भी दिया।

रजरप्पा - चितरपुर में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

रजरप्पा(आजाद सिपाही)। रजरप्पा व चितरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को भाई बहन का पवित्र त्योहार रक्षाबंधन धूमधाम के साथ संपन्न हो गया। सावन माह की पूर्णिमा तिथि को बहनों ने भाइयों की कलाई में राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना किया। वहीं भाइयों ने भी उन्हें कुछ उपहार भेंट किया। साथ ही उसकी रक्षा का संकल्प दोहराया। क्षेत्र में रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही उत्साह का माहौल था। रक्षाबंधन को लेकर राखी की दुकानों में काफी भीड़ देखी गयी। बहने राखी की खरीदारी में व्यस्त रहे। वहीं मिठाई की दुकानों में भी काफी चहल पहल देखी गयी। अहले सुबह सभी बहने मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। तत्पश्चात अपने अपने भाइयों की कलाई में राखी बांधी।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: SBP-ELECT-2025-T-255

कार्य का नाम: सम्बलपुर मंडल के तहत मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग गेटों की विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता, आलोक व्यवस्था के स्तर का सुधार तथा रीवायरिंग।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 89,29,142.33, Earnest Money/बिड सिक्योरिटी डिपॉजिट: रु. 1,78,600.00. **कार्य हेतु समापन अवधि: स्वीकृति पत्र (LOA) के जारी किए जाने की तारीख से छह महीने।**

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 27.08.2025 को 1530 बजे तक।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों के अवैध माना जाएगा एवं किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपर उल्लेखित ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज के साथ सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए तथा आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। ई-निविदा में सिर्फ पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ही भाग ले सकते हैं। निर्देश के अनुसार ई-निविदा में भाग लेते समय सभी प्रासंगिक कागजात अपलोड किए जाने चाहिए।

ध्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (G), सम्बलपुर

PR-452/Q/25-26

दूर हो आशंका

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और चुनाव आयोग के बीच का विवाद दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। दुर्भाग्य से दोनों पक्ष आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हुए हैं, जबकि मामले की गंभीरता को देखते हुए विवाद को सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यहां दांव पर चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता है, जो भारत की मजबूत लोकतांत्रिक परंपरा को देखते हुए ठीक नहीं लगती। इसलिए चुनाव प्रक्रिया से संबंधी किसी भी आशंका को जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए।

चुनाव आयोग पर सवाल : कांग्रेस और विपक्ष की दूसरी पार्टियां लंबे वक्त से चुनाव आयोग पर हमलावर रही हैं। इवीएम को लेकर काफी बहस हो चुकी है और इस पर हंगामा भी हुआ है। लेकिन, देश के सामने अभी जो सीन चल रहा है, वह अभूतपूर्व है। राहुल गांधी के आरोप सीधे-सीधे चुनाव आयोग की निष्पक्षता, ईमानदारी और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल हैं।

एकजुट विपक्ष : राहुल ने इससे पहले महाराष्ट्र चुनाव में इलेक्टोरल रोल को लेकर धांधली का आरोप लगाया था। इस बार उन्हें दूसरे विपक्षी दलों का भी साथ मिल रहा है। राहुल का आरोप है कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए हालिया विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नये नाम जोड़े और काटे गये, जिसका फायदा कथित तौर पर भाजपा को मिला। राहुल के इन आरोपों को भाजपा बेबुनियाद बताती आयी है। वह कहती है कि राहुल की यह चुनावी हार की खीझ है।

राहुल का आरोप है कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए हालिया विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नये नाम जोड़े और काटे गये, जिसका फायदा कथित तौर पर भाजपा को मिला।

स्पष्ट जवाब चाहिए : वहीं, राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने उनसे हलफनामा मांगा है। साथ ही, कर्नाटक समेत तीन राज्यों के चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं के नाम देने को कहा है, जो उनके हिसाब से गलत ढंग से काटे या जोड़े गये। इस मामले में चुनाव आयोग को बिंदुवार और स्पष्ट ढंग से अपना पक्ष रखना चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाये।

गंभीर संकट : राहुल गांधी एक संवैधानिक पद पर हैं और विपक्ष में होने के नाते उनका काम है कमियां उजागर करना एवं सरकार से जवाब मांगना। चुनाव आयोग भी संवैधानिक संस्था है। इन दोनों की ही बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है, लोकतंत्र मूल्यों की रक्षा में। इस क्रम में इनकी एक-दूसरे से असहमति, शिकायत मान्य है। लेकिन, अभी का घटनाक्रम असहमति से बहुत आगे निकल चुका है। जिस तरह से दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है, वह ठीक नहीं है। इस पर जल्द विराम लगना चाहिए।

अभिमत
आजाद सिपाही

संयुक्त राष्ट्र ने 1994 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस घोषित किया था ताकि विश्व के 47 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों की अनूठी भाषाओं, परंपराओं और प्रकृति से गहरे जुड़ाव को मान्यता मिले। भारत इन्ही आदिवासी समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रुप में जाना जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत देश में इनकी जनसंख्या का 8.6% हिस्सा यानी लगभग 10.4 करोड़ लोग हैं। आदिवासी समुदाय अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस : आदिवासी समुदाय की चुनौतियां

लक्ष्मीनारायण मुंडा

प्रति वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस, आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक समृद्धि, पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र ने 1994 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस घोषित किया था ताकि विश्व के 47 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों की अनूठी भाषाओं, परंपराओं और प्रकृति से गहरे जुड़ाव को मान्यता मिले। भारत इन्ही आदिवासी समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रुप में जाना जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत देश में इनकी जनसंख्या का 8.6% हिस्सा यानी लगभग 10.4 करोड़ लोग हैं। आदिवासी समुदाय अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह भी सच्चाई है कि भूमि अधिकारों की कमी, हिंसा, शोषण और सांस्कृतिक पहचान के ह्रास जैसी चुनौतियां उनके अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। इस आलेख में हम आज के संदर्भ में भारत में आदिवासी समुदायों के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों, उनके संघर्षों और एकता की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

यूनेस्को के अनुसार भारत में 600 से अधिक आदिवासी भाषाएं खतरे में हैं।

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस का महत्व : अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस न केवल आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को उजागर करता है, बल्कि उनके सामने मौजूद सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिन आदिवासियों के भूमि अधिकारों,शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे मुद्दों पर वैश्विक जागरुकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। भारत में जहाँ आदिवासी समुदाय देश की सांस्कृतिक विविधता का एक अभिन्न हिस्सा हैं, यह दिन विशेष रुप से प्रासंगिक है। आदिवासी समुदायों ने न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया है, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक-आर्थिक सुधारों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिर भी भारत देश में आदिवासी समुदाय ऐतिहासिक रुप से हाशिए पर हमेशा रहे हैं। 2023 के आंकड़ों के अनुसार वन अधिकार अधिनियम के तहत लाखों दावे अभी भी लंबित हैं, जो उनकी भूमि और संसाधनों पर अधिकारों को लागू करने में बाधा उत्पन्न कर रहा है। आदिवासी समुदाय के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे क्षेत्रों में उनकी पहुंच सीमित है। साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार केवल 59% थी और शिशु मृत्यु दर और कुपोषण राष्ट्रीय औसत से अधिक है। अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस इन मुद्दों पर नीति निमार्ताओं, सामाजिक कार्यकताओं और आम जनता का ध्यान आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण दिन है।

आदिवासी समुदाय की प्रमुख चुनौतियां : आज के संदर्भ में आदिवासी समुदाय कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन चुनौतियों को नीचे विस्तार से समझा जा सकता है :- **1. भूमि और संसाधनों पर अधिकारों की कमी :** आदिवासी समुदायों की आजीविका और सांस्कृतिक पहचान का आधार उनकी भूमि और प्राकृतिक संसाधन हैं। वन अधिकार अधिनियम ने आदिवासियों को उनकी पारंपरिक भूमि पर अधिकार प्रदान करने का प्रयास किया। लेकिन इसका कार्यान्वयन अपर्याप्त रहा है। 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार ऋक्ष्अ के तहत 40 लाख से अधिक दावे दायर किए गए, जिनमें से केवल 50% को ही मंजूरी मिली है। वहीं खनन, बांध निर्माण और औद्योगीकरण जैसे बड़े पैमाने के परियोजनाओं ने लाखों आदिवासियों को उनकी भूमि से विस्थापित किया है। उदाहरण के लिए झारखंड में 1951 से 2010 के बीच खनन गतिविधियों के कारण लगभग 15 लाख लोग विस्थापित हुए, जिनमें से अधिकांश आदिवासी थे।

2. आदिवासी समुदाय हिंसा और शोषण का शिकार : विभिन्न राज्यों में आदिवासियों के खिलाफ हिंसा और शोषण की घटनाएं बढ़ रही हैं। मणिपुर, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आदिवासी समुदायों के खिलाफ बलात्कार, हत्या और शारीरिक हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। मणिपुर में 2023 में हुई जातीय हिंसा ने आदिवासी समुदायों विशेष रुप से कुकी और मैतेई समुदायों को गंभीर रुप से प्रभावित किया। इसके अलावे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासी समुदाय पुलिस और सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष में फंस जाते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और आजीविका खतरे में पड़ती है।

3. सांस्कृतिक पहचान का ह्रास : आदिवासी समुदायों की भाषाएं, परंपराएं और सांस्कृतिक प्रथाएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। यूनेस्को के अनुसार भारत में 600 से अधिक आदिवासी भाषाएं खतरे में हैं। देश में मुख्यधारा की संस्कृति में आत्मसात करने का दबाव और आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने आदिवासी बच्चों को उनकी मूल भाषा और संस्कृति से दूर कर दिया है। इसी तरह धार्मिक और सांस्कृतिक एकरुपता को बढ़ावा देने वाली नीतियां जैसे उच्चतम न्यायालय के द्वारा आदिवासी महिलाओं को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार देने का निर्णय,समान नागरिक संहिता (वउउ), आदिवासी समुदायों की पारंपरिक कानूनों और रीति-रिवाजों को कमजोर करने की ओर बढ़ रही हैं। उत्तराखंड में 27 जनवरी 2025 से लागू वउउ ने इस मुद्दे को और जटिल बना दिया है, क्योंकि यह आदिवासियों के पारंपरिक कानूनों को नजरअंदाज कर सकता है।

4. कानूनी और नीतिगत चुनौतियां : केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियां कई बार आदिवासियों के हितों के खिलाफ काम करती हैं। वन संरक्षण संशोधन विधेयक (2023) ने वन भूमि पर आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर किया है, क्योंकि यह कॉरपोरेट और सरकारी परियोजनाओं को प्राथमिकता देता है। आज भी पांचवी अनुसूची क्षेत्र शिड्यूल एरिया अनुच्छेद 244 के राज्यों में पूर्ण रुपेण पंचायत अधिनियम का प्रभावी कार्यान्वयन भी नही हो पाया है, जिसके कारण आदिवासी क्षेत्रों में स्वशासन की व्यवस्था कमजोर है। वहीं नौकरशाही और भ्रष्टाचार ने आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को लागू करने में बाधा उत्पन्न की है।

5. कुड़मी/ कुरमी आंदोलन और विवाद : कुड़मी/कुरमी समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (रळ) का दर्जा प्राप्त करने की मांग ने आदिवासी समुदायों के बीच तनाव पैदा किया है। यह आंदोलन विशेष रुप से झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में सक्रिय है। इससे कई मूल आदिवासी समूहों द्वारा उनके संवैधानिक हक-अधिकारों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व-हिस्सेदारी ,जमीन और नौकरी पर कब्जा करने के रुप में देखा जा रहा है। इस मांग के पीछे सामाजिक-आर्थिक लाभ और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की चाहत है, लेकिन यह आदिवासियों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को कमजोर करने का खतरा पैदा करता है। इस विवाद ने आदिवासी समुदायों के बीच एक डर और की आशंकाओं को जन्म दिया है।

6. ब्राह्मणवादी-सवर्ण मानसिकता का प्रभाव : भारत में ब्राह्मणवादी-सवर्ण और मनुवादी विचारधाराएं आदिवासी, दलित और अन्य हाशिए के समुदायों पर हावी हैं। यह मानसिकता न केवल सामाजिक असमानता को बढ़ावा देती है, बल्कि आदिवासियों के खिलाफ हिंसा और शोषण को सामान्य बनाती है।

(लेखक :आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता और आंदोलनकारी हैं।)

कोल्हान की खबरें

विश्व आदिवासी दिवस पर शहीदों को नमन कर आदिवासी एकता और विकास पर चर्चा

आदिवासी समाज के विकास में आत्मनिर्भरता उच्च शिक्षा और संस्कृति का संरक्षण जरूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। गढ़डा फुटबॉल मैदान में विश्व आदिवासी दिवस पर झारखंड आंदोलनकारी जेना जामुदा के नेतृत्व में एक सभा का आयोजन किया गया। शनिवार को सभा की शुरूआत शहीदों को धूप व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि के बाद हुई। सभा में आदिवासियों को एकजुट करने, समाज का विकास, जरूरतमंदों का उत्थान, शिक्षा का प्रसार और नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सभा में उपस्तित हुए सामाजिक कार्यकर्ता राजेश सामंत ने कहा संगठित होकर ही आदिवासी समाज अपने अधिकारों और संस्कृति की रक्षा कर सकते है। श्री सामंत ने कहा आदिवासी समाज के विकास का मूल मंत्र आत्मनिर्भरता,शिक्षा, और अपनी संस्कृति का संरक्षण है। उन्होंने कहा आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाना होगा ताकि वे अपनी स्वतंत्रता और स्वायत्तता के साथ गरीबी, शोषण और अन्याय से लड़ सकें। राजेश सामंत ने कहा समाज के युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना होगा ताकि वे अपनी क्षमताओं का विकास कर आत्मनिर्भर बन सकें।

कहा समाज को अपनी पारंपरिक ज्ञान, प्रथाओं और मूल्यों को संजोए रखना होगा। ताकि आने वाली पीढ़ियों को हस्तांतरित किया जा सके। मौके पर आंदोलनकारी जेना जामुदा ने कहा समाज मे सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है।विकास की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेना और अपने समुदायों के लिए निर्णय लेने में शामिल होना होगा। कहा जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर उसका सतत उपयोग करना होगा। सभा मे उपस्तित ग्राम प्रधान सुखलाल हेंब्रम ने कहा आदिवासी समाज को एकजुट करना होगा। मौके पर सभा मे उपस्तित सभी महिलाओं को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक सेवा संघ के अध्यक्ष राजेश सामंत, ग्राम प्रधान सुखलाल हेंब्रम, नारायण बंडरा,संपूर्ण सवैया, भूपति सरदार,छोटे सरदार, शंकर गगराई,नारायण पूर्ति,कन्हाई हेंब्रम, रामचंद्र टीयू,बबलू टीयू, मोसो बिरुवा,रामचंद्र वारदा, सरिता बारदा, लक्ष्मी बारदा, सबिता मानकी, सरिता कालुण्डिया,अनिता महतो, गीता पूर्ति, किसनों हेंब्रम समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

बनबेड़ा आयुष्मान आरोग्य मंदिर का क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। बनबेड़ा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए राष्ट्रीय स्तर का असेसमेंट किया गया।शनिवार को मेरठ मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ मनीष अग्रवाल और कटक के उपाधीक्षक डॉ अमित कुमार अग्रवाल के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सीएचओ शैलजा खलखो, एएनएम बिना कुमारी, सोम प्रिया महतो ने संस्थान में होने वाले सभी सेवा जैसे टीका करण, ओपीडी सेवा, दवा की उपस्थिति मरीजों का देखभाल एवं अन्य सेवा की जानकारी दी। मौके पर डॉ राजेंद्र नाथ सोरेन, बी पी एम मयंक सिंह, सुशील कुमार दीप, घाटशिला के सभी सीएचओ एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

मानगो उलीडीह में फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। आदिवासी बॉयज क्लब द्वारा विश्व आदिवासी दिवस और रक्षाबंधन के अवसर पर मानगो उलीडीह में एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।शनिवार को प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता शामिल हुए।मौके पर प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने फुटबॉल में किक मारकर किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। बन्ना गुप्ता ने कहा खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे को भी बढ़ावा देती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे मनोयोग और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की अपील की।

भूमिज समाज ने रघुनाथ सिंह को दी श्रद्धांजलि

घाटशिला (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस पर भूमिज समाज ने आदिवासी भूमिज मुंडा महाल शहीद रघुनाथ सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।शनिवार को कार्यक्रम के दौरान जल-जंगल-जमीन के सजग प्रहरी, प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के संवाहक,प्रकृति के सच्चे सेवकों को याद करते हुए आदिवासी भाई-बहनों को दिवस की शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने विश्व की सबसे प्राचीन आदिवासी सभ्यता और संस्कृति के संरक्षण तथा आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। मौके पर असित सिंह सरदार, पति सरदार, लखन सरदार, पोल्टू सरदार, केदार सिंह, वीरेंद्र सिंह, विरु सिंह, दीपक सिंह, शंभु सिंह, अजय सिंह, रिदाय सिंह, रतिलाल सिंह, अपीन सिंह, आनंद भूमिज, निर्मल सिंह, सुफल सिंह, राजेन्द्र सिंह, अतुल सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर कुणाल षाडंगी ने युवती को दी सिलाई मशीन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। रक्षा बंधन के अवसर पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी ने भाई बहन के रिश्ते में मिसाल पेश कर अनोखी पहल की।शनिवार को कुणाल षाडंगी ने आर्थिक रूप से बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही अपनी छोटी बहन किरण कुमारी को रोजगार का तोहफा दिया।नामया स्माइल फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य मंटू प्रामाणिक ने बताया कुणाल षाडंगी को पता चला किरण कुमारी लंबे समय से सिलाई-कढ़ाई के कार्य के जरिए परिवार का पालन-पोषण करना चाहती हैं। लेकिन साधन के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रही थी। उन्होंने रक्षा बंधन के दिन बहन को सिलाई मशीन भेंट की ताकि वह अपनी मेहनत और हुनर के बल पर आजीविका चला कर आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर भावुक होते हुए कुणाल षाडंगी ने कहा रक्षा बंधन केवल राखी बांधने का त्योहार नहीं बल्कि बहन की सुरक्षा, सम्मान और उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लेने का अवसर है।उन्होंने कहा प्रयास है हर बहन अपने पैरों पर खड़ी हो किसी पर निर्भर न रहे।श्री षाडंगी ने कहा ऐसे छोटे-छोटे प्रयास किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती और समाज में सकारात्मक संदेश दे सकते हैं।मौके पर झामुमो युवा मोर्चा के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष अंकित सिंह, युवा नेता अभिषेक मोहंती, कपिल रजक और सोनू तिवारी उपस्थित रहे।उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा ऐसे कदम समाज में प्रेरणा का स्रोत बनती हैं।

रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा संकल्प का प्रतीक : रघुवर दास

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के एग्रिको स्थित आवास में भाई बहन के अटूट बंधन हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। शनिवार को रक्षाबंधन के दिन सैकड़ों बहनों व ब्रह्माकुमारी के बहनों ने उन्हें राखी बांधकर उनकी दीघार्यु की कामना की। मौके पर श्री दास ने बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। साथ ही नारी सम्मान व सुरक्षा के लिए समाज को एकजुट होने का आह्वान किया।उन्होंने रक्षाबंधन को भाई-बहन के प्रेम व सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक बताया। सभी भाइयों से नारी शक्ति की गरिमा बनाये रखने का आग्रह किया।

कपाली में युवक पर चापर से हमला हालत नाजुक

चांडिल (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी क्षेत्र के डोबो पुल के समीप शनिवार देर रात पुराने रंजिश में मानगो निवासी फरदीन खान पर चापर से जानलेवा हमला करने का एक मामला प्रकास में आया है। शनिवार को हमले में गंभीर रूप से घायल फरदीन को तत्काल टीएमएच अस्पताल लाया गया। जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार दो साल पूर्व गोलमुरी के कुछ युवकों के साथ फरदीन का विवाद हुआ था। मामला सुलझ जाने के बावजूद आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। परिजनों का आरोप है आरोपी लगातार खुलेआम धमकी दे रहे थे।

डीसी ने आदिवासी महापुरुषों के स्मारक पर माल्यार्पण किया

सरायकेला (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस पर डीसी नितिश कुमार सिंह ने सिदो-कान्हू पार्क में सिदो-कान्हू, बिरसा मुंडा और अन्य आदिवासी महापुरुषों के स्मारक पर माल्यार्पण किया। मौके पर उन्होंने कहा यह दिवस आदिवासी समाज की पहचान, गौरव और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रतीक है। उन्होंने सभी से परंपराओं के संरक्षण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

नकली मिठाई पर एसडीएम की कार्रवाई चौथे दिन भी रही जारी

अग्रवाल मोहल्ला से दो क्विंटल मिठाई की जब्त

रक्षाबंधन पर पैदल चलकर दुकानदारों और ग्राहकों को नकली मिठाइयों के विरुद्ध किया जागरूक

भोले-भाले आम लोगों की सेहत की चिंता करना ही उद्देश्य : एसडीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर में नकली, मिलावटी या दोयम दर्जे की मिठाई एवं अन्य खाद्य सामग्री को लेकर एसडीएम सदर संजय कुमार ने शुरू की गयी सघन कार्रवाई जारी रखी। दुकानदारों के यहां पहुंचकर सड़ी गली, बदबूदार या प्रथम दृष्टया निम्न गुणवत्ता वाली मिठाइयों को मौके पर ही फेकवा दिया। वहीं अमन प्लास्टिक के मलिक अमन केसरी के अग्रवाल मोहल्ला स्थित आवास से लगभग दो कुंटल नकली खोवा के पेड़े एवं अन्य मिठाइयां जब्त करते हुए उन्हें नगर परिषद को विनष्ट करने के लिए सौंप दिया।

जांच के दौरान मेन रोड स्थित अग्रवाल मोहल्ला में व्यवसायी अमन केसरी के परिसर से 9 बड़े कार्टूनों में करीब 2 कुंटल नकली मिठाई बरामद की गयी। प्रथम दृष्टया यह मिठाई अत्यंत निम्न गुणवत्ता की पायी गयी, जिसमें अधिकांश नकली खोये से बने पेड़े शामिल थे। पूछताछ में व्यवसायी ने इनकी कीमत 100 रुपये प्रति किलो बतायी। सिर्फ 100 रुपये किलो में एक किलो पेड़ा मिलने की बात पर एसडीएम ने हैरानी जताते हुए संबंधित कारोबारी को फटकार लगाई कि पैसे के लिए वे लोगों की सेहत के साथ मजाक न करें।

पूछताछ में व्यवसायी अमन केसरी ने स्वीकार किया कि ये मिठाइयां उन्होंने शेरघाटी क्षेत्र से बिना किसी वैध चालान या दस्तावेज के मंगवाई थीं। जब उनसे फूड लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया, तो उन्होंने बताया कि उनके पास कोई फूड लाइसेंस नहीं है, क्योंकि वे मूलतः 'अमन प्लास्टिक' के नाम से प्लास्टिक का कार्य करते हैं।

उल्लेखनीय है कि एसडीएम संजय कुमार की यह कार्रवाई पिछले चार दिनों से लगातार जारी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनका उद्देश्य व्यापारियों में डर उत्पन्न करना नहीं है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

मिलावटखोरी की शिकायतों के लिए एसडीएम ने हेल्पलाइन नंबर 6203263175 जारी किया

सदर अनुमंडल क्षेत्र में मिलावटी मिठाई को लेकर लगातार 5 दिनों से अभियान जारी है। एसडीओ संजय कुमार ने कहा कि मिलावट का खेल केवल त्यौहार में ही नहीं, बल्कि संभावना है कि यह साल भर चलता होगा और यह भी आशंका है कि यह खेल सिर्फ मिठाई तक सीमित नहीं है अन्य खाद्य वस्तुओं में भी मिलावट मिलावटी कारोबार चल रहा होगा। इसके लिए व्हाट्सएप नंबर 6203263175 जारी किया गया है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे इस नंबर पर कॉल नहीं करें सिर्फ व्हाट्सएप मैसेज ही करें।

एसडीएम ने अवैध बालू उठाव को लेकर 11 लोगों पर की निरोधात्मक कार्रवाई

गढ़वा (आजाद सिपाही)। अनुमंडल दंडाधिकारी संजय कुमार ने अवैध बालू उठाव को लेकर मिल रही शिकायतों के क्रम में एहतियातन सदर प्रखंड के 11 लोगों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई आरंभ की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल अवैध हैं बल्कि क्षेत्र में शांति भंग की आशंका भी उत्पन्न करती हैं, इसलिए पहले चरण में फिलहाल 11 व्यक्तियों पर निरोधात्मक कार्रवाई की गयी है। इन लोगों में राधे मेहता, छोटू सिंह, तारेश सिंह, जितेंद्र सिंह, शाहबाज खान, प्रवीण सिंह, फिरोज अंसारी, राकेश तिवारी, शाहरुख खान, रोहित कुमार, मनोज तिवारी शामिल है। फिलहाल सभी को कारण परीक्षा सहित एसडीएम कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

आदिवासियों के सम्मान और विकास के लिए हम सभी संकल्पित हों : उपायुक्त

विश्व आदिवासी दिवस पर उपायुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा एवं नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने बिरसा मुंडा हेलीपैड पार्क स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात टाउन हॉल गढ़वा में अवस्थित नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उनके योगदान को स्मरण किया गया।

उपायुक्त श्री यादव ने जिलेवासियों से कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के इस पावन अवसर पर सभी जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाए एवं जोहार! यह दिन हमें आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है। आइए, हम सब मिलकर उनके अधिकार, सम्मान और विकास के लिए संकल्पित हों।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं आमजन ने आदिवासी समाज की संस्कृति, इतिहास और विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने का संकल्प लिया।

आदिवासी समुदाय ने झांकी निकाली

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी के अवसर पर शनिवार को मकरी पंचायत में नीलांबर पीतांबर आदिवासी संघ बगही के द्वारा आदिवासी समुदाय द्वारा झांकी व जुलूस निकाली गयी। इसका नेतृत्व उपप्रमुख पिंटू टोप्पो ने की। झांकी व जुलूस बगही गांव से लेकर मुख्य पथ होते हुए पुनः बगही वापस पहुंची। इस दौरान आदिवासियों की परंपरागत नृत्य किया गया, साथ ही आदिवासियों ने हाथ में पोस्टर लेकर एक तीर एक कमान सब आदिवासी एक समान, सिद्ध कान्हो अमर रहे, देशोंम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे का बैनर लेकर ढोल नगाड़े व डीजे के साथ नारा लगाते नजर आये। बगही में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नारायण प्रसाद यादव व उपप्रमुख पिंटू टोप्पो ने किया।

एकल विद्यालय के आचार्य बहनों ने एसडीपीओ और पुलिस पदाधिकारियों को बांधी राखी

रंका (आजाद सिपाही)। भाई - बहनों का प्रेम और प्रतिष्ठा का त्योहार रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर शनिवार को एकल विद्यालय के आचार्य बहनों ने रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह, पुलिस निरीक्षक सुभाष पासवान एवं रंका थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह को सुरक्षा हेतु माथे पर तिलक लगाकर कलाई में राखी बांधी। इस मौके पर रंका पुलिस निरीक्षक सुभाष पासवान, थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, ग्राम उत्थान समिति अंचल गढ़वा के अध्यक्ष संजय प्रसाद गुप्ता, एकल विद्यालय के अध्यक्ष किशोर कुमार शौंडिक, सचिव राजेश उर्फ उत्तम पांडेय, राजीव यादव, सुरेश यादव सहित आचार्य बहनें उपस्थित थीं।

प्लस टू उच्च विद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मना

भंडरिया (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष हरिदास तिर्की के नेतृत्व में प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम स्वर्गीय शिबू सोरेन के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की व दो मिनट मौन रखा गया। इस मौके पर सुनील मिंज, लक्ष्मण उरांव, चंद्रशेखर सिंह, गजेंद्र सिंह, बाना मिंज, अनिल मिंज सहित समेत आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित थे।

आदिवासी महिलाओं ने सीओ को राखी बांधी

मझिआंव (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के रामपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम जाहरसराय के पहाड़ी तलहटी स्थित परेहिया टोला में विश्व आदिवासी दिवस एवं रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर अंचलाधिकारी प्रमोद कुमार ने आदिम जनजाति की बहनों के साथ भावुक पल साझा कर भाई-बहन के अटूट रिश्ते की मिसाल पेश की। इस अवसर पर दर्जनों आदिवासी महिलाओं ने पारंपरिक रक्षाबंधन गीतों के बीच सीओ प्रमोद कुमार की कलाई पर राखी बांधी। राखी बांधते समय महिलाओं की आंखों में खुशी और गर्व की चमक थी, वहीं सीओ साहब भी भावुक होकर भाई-बहन के प्रेम को जन्म-जन्मांतर तक निभाने का वादा करते हुए झर-झर आंसू बहा बैठे। बहनों ने उन्हें ढांढस बंधाया और भाई के रूप में अपनापन जताया।

छात्राओं ने पुलिस और आइआरबी जवानों को राखी बांधी

भंडरिया (आजाद सिपाही)। रक्षाबंधन के अवसर पर भंडरिया थाना परिसर में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी अभिजीत गौतम, मिश्रा थाना में तैनात पुलिस के जवानों एवं आईआरबी (भारत रिजर्व बटालियन) के जवानों को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस कार्यक्रम में पुलिस, जवानों और समाज के बीच संबंधों को और मजबूत किया। इस मौके पर कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के वार्डन अमला प्रभात तिर्की भंडारिया पुलिस के जवान एवं आईआरबी के जवान उपस्थित थे।

बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर प्रेम की बांधी डोरी

सगमा/कांडी/भवनाथपुर (गढ़वा) (आजाद सिपाही)। शनिवार को प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी। सगमा व बिरवल चौक चौराहे पर सुबह से ही लोगों की भीड़ एकत्र होने लगी जो देर शाम तक यथावत रही। कांडी व हरिहरपुर के छोटे-बड़े दुकानों में देर शाम तक खरीददारी का दौर चलता रहा।

डायरिया से महिला की मौत, 30 घंटे घर में पड़ा रहा शव, समाजसेवियों ने की अंत्येष्टि

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड के बुका गांव के तीनकोनिया टोला में प्रशासनिक संवेदनहीनता का बड़ा मामला सामने आया है। डायरिया से पीड़ित तेतरी देवी की मौत के बाद उनका शव 30 घंटे से अधिक समय तक घर में पड़ा रहा। मृतका के परिजन डायरिया की चपेट में आने के डर से शव का दाह संस्कार किए बिना घर छोड़कर चले गये। इस दौरान न तो प्रशासन की ओर से कोई पहल हुई। स्थिति की जानकारी मिलते ही मकरी पंचायत के समाजसेवी व जेएमएम नेता अनुज यादव उर्फ बबलू यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने पंचायत मुखिया बेबी देवी, जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा एवं ग्रामीणों के सहयोग से अंत्येष्टि की पूरी प्रक्रिया संपन्न करायी। इसके बाद शव को बुका नदी स्थित श्मशान घाट पर ले जाकर हिंदू रीति रिवाज से दाह संस्कार किया गया। दाह संस्कार में रोजगार सेवक किशोर कुमार, कंचन पासवान, कृष्ण राउत बालेश्वर, आकाश राउत, मिथलेश राउत, नंद कुमार, दशरथ पासवान, मोतीलाल यादव, हफिज अंसारी ने सहयोग किया।

शिव मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक, महा भंडारा का आयोजन

मेराल (आजाद सिपाही)। पवित्र श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात रुद्राभिषेक व हवन, आरती कर सुख शांति की कामना की गयी। आचार्य पंडित दिनेश पाठक द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन पूजन तथा रुद्राभिषेक कार्यक्रम संपन्न कराया गया। जिसमें मुख्य यजमान के रूप में थाना प्रभारी विष्णु कांत सपत्नीक, संजय प्रसाद सहित कई अन्य लोग शामिल रहे। इस अवसर पर एसडीएम, एसडीपीओ, बीडीओ सहित कई गणमान्य लोग पहुंच कर प्रखंड वासियों को सावन पूर्णिमा और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी।

मझिआंव में प्रेस क्लब के नये कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मझिआंव (आजाद सिपाही)। एसडीएम गढ़वा संजय कुमार पांडेय द्वारा मझिआंव प्रखंड परिसर में नगर पंचायत कार्यालय के सामने प्रेस क्लब के नये कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी, राधाकृष्ण मंदिर के महंत बाल ब्रह्मचारी साधु बाबा केशव नारायण दास तथा निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी उदघाटन कार्यक्रम में उपस्थित थीं। इस अवसर पर एसडीएम श्री पांडेय ने कहा कि प्रेस क्लब कार्यालय का उद्घाटन करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रेस समाज का दर्पण है और लोकतंत्र की सशक्त कड़ी भी। मुझे विश्वास है कि यह नया कार्यालय रचनात्मक पत्रकारिता का केंद्र बनेगा, जहां सत्य, निष्पक्षता और जनहित सर्वोपरि रहेंगे। प्रेस क्लब के सभी सदस्यों को इस प्रयास के लिए बधाई देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। उन्होंने नगर पंचायत की ओर से पत्रकारों को कार्यालय उपलब्ध कराने पर कहा कि इसके लिए मैं नगर पंचायत को भी साधुवाद देता हूं।

भंडरिया में तीन दिवसीय भक्ति मेला और सांस्कृतिक महोत्सव का आगाज

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर भंडरिया प्रखंड के जनेवा (बंगाली डेरा) में भक्ति मेला, भक्ति जागरण और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शुक्रवार संध्या 5 बजे अखंड कीर्तन से हुई, जो शनिवार सुबह 5 बजे पूणार्हुति के साथ संपन्न हुआ। इसके उपरांत जल यात्रा, पूजन, पाटन मेला और भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, जय जोगिया बाबा का आगमन सतयुग में हुआ था। लगभग 150 वर्ष पूर्व वे इस स्थान पर आए और साधारण निवास बनाकर यहीं साधना करने लगे, जो बाद में मंदिर का रूप ले लिया। बुजुर्गों के अनुसार, बाबा में अलौकिक शक्तियां थीं और वे भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते थे। कहा जाता है कि वे कभी-कभी नाग का रूप लेकर दर्शन देते थे। भक्तों ने भक्ति भाव से बाबा का पूजन-पाठ किया, चढ़ावा अर्पित किया और प्रसाद ग्रहण कर आत्मिक संतोष प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान धार्मिक आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मेला को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह, सचिव अशोक कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह, उपसचिव संतोष नायक, सह-कोषाध्यक्ष विजय नायक, राजेश सिंह, लाल धारी सिंह, सुखसागर कश्यप, विजय सिंह, बाबूलाल सिंह, कामेश्वर सिंह और जवाहर सिंह ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह तीन दिवसीय मेला रविवार को समाप्त होगा, जिसमें समापन अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

एसडीपीओ सहित कई पुलिस अधिकारियों ने किया सम्मानित, दिये उपहार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। थाना के चौकीदार जगदीश पासवान एवं बुद्धिनारायण राम को सेवानिवृति होने पर शनिवार को समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गयी। विदाई सह सम्मान समारोह में एसडीपीओ नीरज कुमार, इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार आजाद, थाना प्रभारी विष्णु कांत के साथ कई पुलिस पदाधिकारीयों, जवानों तथा सभी चौकीदारों के अलावा बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर दोनों चौकीदारों के मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर थाना परिवार द्वारा दोनों को फूल माला तथा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया तथा उपहार देकर भावभीनी विदाई दिया गया। इस अवसर पर एसडीपीओ नीरज कुमार ने कहा कि विदाई एक सतत प्रक्रिया है, उन्होंने दोनों को अनवरत सेवा देने तथा उज्जवल भविष्य की कामना की।

रक्षाबंधन सिर्फ पर्व ही नहीं, बल्कि स्नेह व विश्वासों का अटूट बंधन है: मदन केशरी

जी एन कान्वेंट स्कूल में रक्षाबंधन का अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। स्थानीय जीएन कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उत्सव मंच के अंतर्गत सहगामी पाठ्य के आधार पर सावन मास समापन के पूर्व संध्या पर स्कूल परिसर में बहुआयामी प्रतियोगिता सावन महोत्सव आयोजित की गयी, जिसमें जूनियर विंग में कक्षा 2 से लेकर 6 तक के लिए राखी मेकिंग सह रक्षाबंधन कार्यक्रम, सीनियर विंग में कक्षा 6 से लेकर 12 तक के लिए मेहंदी सजाओ प्रतियोगिता एवं रक्षाबंधन पर्व पर स्वागतगीत, रक्षाबंधन गीत एवं नृत्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा अभिभावकों ने भी अपनी रुचि दिखायी। उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए निदेशक सह शिक्षाविद मदन प्रसाद केशरी ने कहा कि भारत को त्योहारों के देश के तौर पर जाना जाता है और हर महीने कई तरह के उत्सव देखने को मिलते हैं। इन्हीं पर्वों में से एक है रक्षाबंधन का त्योहार जिसे भाई-बहन के संबंध के उत्सव के तौर पर देखा जाता है। रक्षाबंधन को भाई-बहन के प्यार और सुरक्षा के अटूट बंधन के तौर पर देखा जाता है। रक्षाबंधन का धागा समर्पण, विश्वास और स्नेह की एक डोर की तरह है जो भाई को

बहन की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर होना है।यह समर्पण, त्याग और विश्वासों का अटूट बंधन वाला पर्व है।इस अवसर पर जूनियर विंग के बच्चों में राखी बनाओ- राखी बांधो प्रतियोगिता जबकि सीनियर विंग में मेहंदी सजाओ प्रतियोगिता, साथ ही स्वागत गीत एवं रक्षाबंधन पर आधारित नृत्य का आकर्षण मुख्य रूप से रहा जिसे बच्चों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। अभिभावकों ने इस तरह के आयोजन के लिए विद्यालय को बधाई दी। वहीं कलात्मक व रचनात्मक दृष्टिकोण से सावन महोत्सव पर छात्राओं ने अपने हथेलियां पर मेहंदी का डिजाइन उकेर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।

किन्नर सदस्यों ने एसडीएम को बांधी राखी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। शनिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर किन्नर समुदाय की सदस्यायें अपनी गुरु राधा किन्नर के नेतृत्व में एसडीएम आवास पहुँचीं और अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार को अपने हाथों से राखी बांधकर उनके अच्छे भविष्य की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिये। राधा किन्नर के साथ कई अन्य सदस्य भी मौजूद थे। इस मौके पर राधा किन्नर ने कहा कि कुछ माह पहले एसडीएम संजय कुमार ने अपने कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' में किन्नरों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पहल की थी। तब से उनका समुदाय इनकी कार्यशैली से अत्यंत संतुष्ट है। राधा किन्नर ने कहा कि एसडीएम की कार्यप्रणाली हर आम और खास के लिए समान रहती है, और वे ईश्वर से प्रार्थना करती हैं कि उनकी यह शैली हमेशा बनी रहे। एसडीएम ने भी सभी का अभिवादन करते हुए आभार व्यक्त किया।

स्कूली छात्राओं और शिक्षिकाओं ने एसडीएम को बांधी राखी

गढ़वा। रक्षाबंधन के एक दिन पूर्व शुक्रवार को सदर एसडीएम संजय कुमार अचानक एक स्थानीय विद्यालय पहुंचे, जहां शिक्षिकाओं और नन्हीं छात्राओं ने उन्हें राखी बांधी। यह पल सभी के लिए अत्यंत भावुक और हर्ष का रहा। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने बताया कि छात्राएं पिछले दो-तीन दिनों से खुद अपने हाथों से राखियां बना रही थीं। इस अवसर पर एसडीएम संजय कुमार ने वादा किया कि वे हमेशा समाज की सभी बहनों की रक्षा और सम्मान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

हमारी संस्कृति ही विश्व में हमारी पहचान : बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लातेहार जिला मुख्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय स्टेडियम परिसर में आयोजित इस समारोह में हजारों की संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ आदिवासी नेता बंधु तिर्की उपस्थित थे, जबकि लातेहार के लोकप्रिय विधायक रामचंद्र सिंह ने भी मंच पर आकर लोगों का अभिवादन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक नगाड़ों और मांदर की थाप के बीच किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों और गांवों से आये सांस्कृतिक दलों ने अद्भुत प्रस्तुतियां दीं। संथाल नृत्य, उरांव नृत्य, और हो जनजाति का पारंपरिक समूह नृत्य दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। नगाड़ों, बांसुरी

और ढोल की लय पर युवा और बुजुर्ग एक साथ थिरके। महिलाओं के झूमते कदम और रंगीन परिधान पूरे मैदान को उत्सवमय बना रहे थे। साथ ही, बांस और लकड़ी से बने हस्तशिल्प की प्रदर्शनी ने भी लोगों का ध्यान खींचा। इस बार आदिवासी दिवस में युवाओं की खास भागीदारी देखने को मिली। कई स्कूली छात्रों ने आदिवासी इतिहास पर भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने झारखंड के जंगल, त्योहार और जीवनशैली को रंगों में उकेरा। बंधु तिर्की और विधायक रामचंद्र सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और उनकी सराहना की।

मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज के गौरवशाली परंपराओं और अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प दिलाता है। हमारी संस्कृति और परंपरा ही पूरे विश्व में पहचान है इसे हमें संयोज कर रखना है।

आदिवासी दिवस के आयोजन में जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आदिवासी संस्कृति को प्रदर्शित करना है, बल्कि युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ना भी है। अंतिम प्रस्तुति में सभी सांस्कृतिक दलों ने मिलकर एक संयुक्त नृत्य किया, जिसमें मुख्य अतिथियों ने भी भाग लिया। लोगों ने इसे आदिवासी एकता और भाइचारे का शानदार प्रदर्शन बताया।

आदिवासी दिवस अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है : रामचंद्र सिंह

विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि आदिवासी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि झारखंड की आत्मा यहां के आदिवासी समाज में बसती है, और विकास की योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

13 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को विगत कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि लोहरदगा रेलवे स्टेशन के आसपास अवैध रूप से ब्राउन सुगर की खरीद-बिक्री हो रही है। 8 अगस्त की शाम सूचना मिली कि दो व्यक्ति समाहरणालय मैदान के पास ब्राउन शुगर बेचने आने वाले हैं। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा के नेतृत्व में गठित छापामारी दल ने रात करीब 8:30 बजे मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही दोनों संदिग्ध भागने लगे। पीछा कर एक व्यक्ति अमजद अंसारी (32), निवासी राहतनगर, लोहरदगा को पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से करीब 13 ग्राम अवैध ब्राउन सुगर बरामद हुई। भागा हुआ दूसरा आरोपी तबरेज खलीफा उर्फ सोनू खलीफा (22), निवासी सोमार बाजार, लोहरदगा को पुलिस ने रात में ही सोमार बाजार से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे सासाराम (बिहार) से ब्राउन शुगर लाकर लोहरदगा में बेचते हैं। अपराधियो के पास से 13 ग्राम ब्राउन सुगर (अनुमानित मूल्य 2,56,400), 4,300 नकद, रेलवे टिकट (टोरी-सासाराम व सासाराम-रांची), एक विवो टी4 एक्स 5जी मोबाइल, एक इंटेल कंपनी का कीपैड मोबाइल बरामद किया गया है। दोनों के खिलाफ लोहरदगा थाना कांड संख्या 142/25, दिनांक 08.08.2025, धारा 17 (बी)/ 21(बी)/ 22(बी)/ 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। छापामारी दल में श्रद्धा केरकेट्टा (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी), पुअनि-सह-थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर, पुअनि रवि रंजन कुमार, पुअनि संजय कुमार, साअनि अमरनाथ पांडेय, साअनि चन्द्रदीप मेहता, साअनि रमेश कुमार तिवारी, नीरज कुमार मिश्रा (तकनीकी शाखा), हवलदार विजय कुमार शर्मा, आ राजू महतो, आ जयमंगल सिंह, चापु मुकेश कुमार शर्मा, चापु सत्यकिशोर कुमार, चाआ निर्मल मार्शल मिंज आदि शामिल थे।

लापरवाही: सदर अस्पताल में एक्स-रे के लिए तीन दिन से चक्कर काट रहा मरीज

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, सदर अस्पताल, की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर सुर्खियों में है। कैरो प्रखंड का एक गरीब आदिवासी परिवार पिछले तीन दिनों से मात्र एक एक्स-रे कराने के लिए अस्पताल में चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक जांच नहीं हो पायी। परिवार का कहना है कि घर का एकमात्र कमाने वाला बेटा गंभीर रूप से बीमार है और पिछले एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे इस परिवार की उम्मीदें अस्पताल पर टिकी थीं, मगर लापरवाही ने उनकी मुश्किलें कई गुना बढ़ा दीं। मरीज के परिजनों ने बताया कि अस्पताल की एक्स-रे मशीन का इनवर्टर पिछले तीन दिनों से खराब है, जिसके कारण किसी भी मरीज की जांच नहीं हो पा रही है। नतीजतन, गंभीर मरीजों को भी निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिसकी फीस गरीब मरीज वहन नहीं कर सकते। बीमार युवक की बुजुर्ग मां ने रोते हुए कहा हमारे पास बाहर एक्स-रे कराने के पैसे नहीं हैं, अस्पताल ही हमारी आखिरी उम्मीद है। मां और छोटे बच्चे, बेटे की जांच की आस में अस्पताल के गलियारों में भटकते देखे गये। उनका आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन से मदद मांगने पर केवल टालमटोल भरे जवाब मिलते हैं। जब इस मामले पर अस्पताल के संबंधित पदाधिकारियों से सवाल किया गया, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। यह चुप्पी उनकी जिम्मेदारी से बचने और लापरवाही को उजागर करती है। सरकार हर साल स्वास्थ्य सेवाओं पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है, लेकिन जिले के सबसे बड़े अस्पताल में एक साधारण जांच सुविधा का ठप होना इस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकला जुलूस

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शनिवार को राजी पढ़हा सरना प्राथना सभा और आदिवासी छात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर बैनर के साथ कुडू में भव्य जुलूस निकाला। जुलूस पढ़हा भवन से शुरू होकर नीचे स्टैंड, इंदिरा गांधी चौक, बस स्टैंड, बाईपास रोड होते हुए ब्लॉक मोड पहुंची। जहां से वापस पढ़हा भवन में जाकर समाप्त हुई। जुलूस मे सैकड़ो महिला पुरुष हाथों में विभिन्न प्रकार के नारे लिखे पोस्टर बैनर लिए नारा लगाते चल रहे थे । जुलूस मे लोग जंगल जमीन पर अधिकार हमारा है, आदिवासी एकता जिंदाबाद आदि विभिन्न प्रकार के नारे लगाते हुए चल रहे थे। जुलूस में मुख्य रूप से जतरु उरांव, शनि उरांव, राम उरांव आदि शामिल थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकली जागरूकता रैली

सरयू (आजाद सिपाही)। लातेहार नवनिर्मित प्रखण्ड सरयू में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आदिवासी संघ सरयू के द्वारा तेतर टोला, बाजार टांड़ से होते हुए प्रखण्ड कार्यालय तक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। वहीं जिप सदस्य बुधेश्वर उरांव, मुखिया अंकिता देवी ने संयुक्त रूप से निलाम्बर पिताम्बर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर जिप सदस्य बुधेश्वर उरांव ने कहा कि आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान है। हमें जरूरत है आज के इस पीढ़ी को हमारे संस्कृति के बारे में जागरूक करने की। सदियों से हमारे पूर्वज जंल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ते रहे हैं। हमें इस लड़ाई को जारी रखने की जरूरत है। मुखिया अंकिता देवी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपने संस्कृति एवं परंपरा को भुलते जा रहे हैं। इन्हें जागरूक करने की आवश्यकता है। सभी अभिभावक अपने-अपने बच्चों को अपने संस्कृति एवं परंपरा के बारे बतायें। ताकि आने वाले कल में अपने हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़ सके। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष नरेन्द्र उरांव, सदस्य कार्तिक उरांव, अनिल उरांव, कृपाल उरांव, रामेश्वर उरांव, लक्ष्मण उरांव, निर्मल उरांव, सुदामा उरांव, सुनील उरांव, सुशीला देवी, बिलासी देवी, समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

सेन्हा में हर्षोल्लास से मना रक्षाबंधन

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में भाई बहनों का पवित्र त्यौहार रक्षा बंधन शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सावन माह के पूर्णिमा तिथि को रक्षा बंधन के अवसर पर बच्चे बुजुर्ग और नवयुवक सभी के मन मे उमंग व उत्साह था। सभी लोग सुबह से ही मंदिरों और शिवालयों में पूजा अर्चना करते दिखाई दिये सावन माह के पूर्णिमा तिथि को भाई बहनों के बीच रक्षा बंधन का त्यौहार मनाने का परंपरा युगों युगों से चला आ रहा है। वही बहने भी भाईयों को राखी बांधने से पहले पूजा अर्चना कर भाईयों की लम्बी उम्र के लिये बहनों द्वारा भगवान से मंगल कामना किया गया। बहनें भाइयों को राखी बांधने के लिये दूर-दूर से आयी हुई थी। जिसे बहनों ने खुशी खुशी भाइयों के कलाई में बांधी रक्षा का बंधन तो भाइयों ने बहनों को उपहार दिया और हर संभव मदत करने तथा रक्षा करने का वचन भी दिया।

सांप के काटने से अधेड़ महिला की मौत

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा प्रखंड के जमीरा पंचायत निवासी रमेश ताना भगत की धर्मपत्नी करिया देवी उम्र 50 वर्ष को शनिवार की अहले सुबह 4:00 बजे घर में सोए हुए अवस्था में ही करैत सांप कंधे पर काट दिया। काटने के बाद परिजन आनन फानन में लातेहार पहाड़ पुरी अस्पताल में ले गए जहां इलाज के दौरान करिया देवी की मौत हो गयी। आश्चर्य की बात तो यह है कि पहले सुबह शनिवार को 4 बजे जैसे ही करैत सांप करिया देवी को काटा तो उनके पति रमेश टाना भगत किसी तरह सांप को एक डब्बे में पकड़ कर बंद कर दिया और अस्पताल साथ लेकर ही सांप को पहुंच गये। उसके बाद भी डॉक्टरों ने मरीज को नहीं बचा पाये। उनकी मौत हो गयी।

विश्व आदिवासी दिवस को नेताओं ने शिबू सोरेन के शहादत दिवस के रूप में मनाया

जल-जंगल जमीन के लिए बिरसा मुंडा, सिद्धू कान्हु, वीर बुधु भगत और दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने लड़ा : डॉ रामेश्वर उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रूढ़िजन्य जनजाति राजी पड़हा सरना प्राथना सभा जिला समिति लोहरदगा के द्वारा दरहा देशवाली कूटमु लोहरदगा कला संस्कृति भवन में आदिवासी दिवस सह दिशोम गुरु पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन शहादत दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लोहरदगा विधायक सह पूर्व मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव शामिल हुए। मुख्य अतिथि एवं समिति के द्वारा स्वर्गीय शिबू सोरेन के प्रतिमा पर माल्यार्पन कर किए गया। साथ ही सभी के द्वारा दो मिनट का मौन रख शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर में मुख्य अतिथि डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस में उन सभी महान योद्धाओं को याद किया जा रहा है जो आदिवासी संस्कृति जल-जंगल के लिए शहिद हो गये। आदिवासी दिवस को हम सभी आदिवासी नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के शहादत दिवस के रूप में मनाया जा रहा। उन्होंने बताया कि बिरसा मुंडा, सिद्धू कान्हु, वीर बुधु भगत के बाद अगर कोई मसीहा आदिवासी नेता जो आदिवासियों के जल जंगल जमीन के लड़ाई लड़ी वो शिबू सोरेन थे। आज उनका निधन पूरे आदिवासी समाज के लिए दुखद है। हम सभी को अपने आदिवासी संस्कृति, सभ्यता, जल जंगल जमीन को संरक्षित करने का काम करना है। कार्यक्रम से पहले लोहरदगा मैना बगीचा स्थित वीर बुद्धू भगत और कचहरी मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से विधायक डॉ रामेश्वर उरांव के पुत्र सामाजिक कार्यकर्ता रोहित उरांव, सोमदेव उरांव, सोमा उरांव, बिरसा उरांव, जलेश्वर उरांव, नीलम, प्रमिला, सुमति, बीना, राजमनी, कांती, जयंती, विसनी फूलदेव, कृष्ण, सोमे उरांव, सुधू भगत, मंगलदास समेत अन्य लोग मौजूद थे।

कुडू में बीच पुल पर ट्रक का एक्सल टूटा, घंटों जाम में फंसे वाहन और यात्री

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुडू रांची मुख्य पथ एनएच-75 पर कुडू थाना क्षेत्र के ढुलूवा खुटहा पुल के पास शुक्रवार रात करीब 10 बजे एक ट्रक का एक्सल टूट गया। बदहाल सड़क की वजह से हुए इस हादसे के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी जिससे यातायात ठप रहा। इस दौरान पुरा कुडू अस्त व्यस्त रहा। करीब 12 घंटो तक लगे लंबे जाम में रांची, लोहरदगा, डालटेनगंज, चतरा, लातेहार के अलावा बिहार और छत्तीसगढ़ जाने वाले वाहन फंसे रहे। रक्षाबंधन पर सफर कर रहे यात्री, ऑफिस कर्मचारी और मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। इधर जाम से बचने के लिए कई छोटे वाहन रुद मोड़, जामड़ी, मराडिह, दोबा मोड़, कुडू बाजार टांड़ और बढनिया आदि वैकल्पिक मार्गों से होकर निकले, लेकिन जामड़ी गांव में एक बस फंस जाने से यह वैकल्पिक रास्ता भी घंटों बाधित रहा। इस बीच यात्रियों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि काफी मशक्कत के बाद ट्रक की मरम्मत के पश्चात शनिवार सुबह करीब 11 बजे आवागमन बहाल हुआ।

कांग्रेस का चुनाव आयोग पर हमला संवैधानिक व्यवस्था पर कुठाराघात : ओम सिंह

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश सिंह ने कांग्रेस पार्टी और उसके पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगातार लगायी जा रहे बेबुनियाद आरोपों की कड़ी आलोचना की है। भारत का चुनाव आयोग एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और संवैधानिक संस्था है जिसकी गरिमा और विश्वसनीयता विश्व भर में मान्यता प्राप्त है। लेकिन कांग्रेस पार्टी तथा राहुल गांधी अपने राजनीति साधने के लिए इस संस्था पर बार-बार अविश्वास जता कर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्था पर कुठाराघात कर रही है। कहा कि कांग्रेस जब-जब चुनावी मैदान में हार की आशंका से घिरती है,तब तब वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए, उन्हें दिगभ्रमित करने के लिए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने लगती है। यह न केवल संस्थाओं का अपमान है बल्कि देश की जनता के मताधिकार का भी अनादर है। भाजपा नेता ने कहा है कि लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार किसी भी संवैधानिक संस्था की गरिमा को ठेस पहुंचाने का लाइसेंस नहीं है।

सेन्हा के चंदवे गड़गांव महादेव मंडा में जलाभिषेक के लिए भक्तों की रही भीड़

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। श्रावण माह के पावन अवसर मे महादेव माडा, बूढ़ा महादेव, छोटा अमर नाम अमरनाथ के नाम से प्रसिद्ध प्राचीन एवं पहाड़ों में बसे हुए भोलेनाथ का जलाभिषेक के लिए सावन के अंतिम दिन भी श्रद्धालुओं का तंता लगा रहा। जिस तरह अमरनाथ में लहराते नदियों के बीच पहाड़ के गुफाओं में महादेव बाबा बफार्नी जी का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। उसी तरह सेन्हा प्रखंड के चंदवा महादेव मंडा में भी 1200 फीट ऊंची सीढ़ियों में चढ़ते हुए घने जंगलों और पहाड़ों की गुफा में पेड़ पौधे और साथ ही वानर सेना की भीड़ इस तरह का अद्भुत दृश्य और सुंदर जंगलों पहाड़ों के बीच भक्तों को महादेव बाबा में जल चढ़ाने का अवसर मिलता है। सावन के अंतिम दिन जय श्री राम समिति के पदाधिकारी ने जलाभिषेक महादेव मंडा में किया और सावन के अंतिम दिन सभी श्रद्धालुओं का कुशल मंगल की कामना के साथ रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाने हेतु बहनों को भाइयों के ऊपर प्यार बना रहे इसके लिये भी भगवान से आशीर्वाद मांगा। मौके पर जय श्री राम समिति महामंत्री प्रदीप साहू रक्त संग्रह अध्यक्ष जीवनराज मेहता, उपाध्यक्ष विनोद साहू ,बजरंग साहू अनिकेत कुमार, आशीष कुमार, कलिंदर, यदुवीर, प्रदीप गुप्ता, संजय कुमार मधुर, बबीता देवी, बीना देवी आंचल कुमारी, अमोली कुमारी के साथ काफी श्रद्धालु मौजूद थे।

चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का एंबुलेंस 15 दिनों से खराब, मरीज परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हमेशा सुर्खियों में रहता है। लातेहार विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार दुबे ने बतलाया कि चंदवा एक दुर्घटना ग्रस्त क्षेत्र है छोटी-छोटी घाटियां आसपास के क्षेत्र में होने के कारण हमेशा दुर्घटना होते रहती है। इसी को लेकर लातेहार विधानसभा के विधायक प्रकाश राम ने अपने क्षेत्र में प्रतिनिधि नियुक्त किया है। ताकि जनता जो परेशानी का सामना नही करना पड़े। इधर चंदवा के बारी रामपुर सड़क में रक्षाबंधन को लेकर एकदमपति अपने घर लौट रहे थे। इसी क्रम में दुर्घटना घट गयी और दमपति बुरी तरह मोटरसाइकिल सहित घायल हो गये। जिसकी सूचना विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार दुबे को मिली। किसी तरह घायलों को रामपुर से चंदवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगवाया और प्राथमिक उपचार कराया प्राथमिक उपचार होने के बाद डॉक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया। तभी 108 एम्बुलेंस की आवश्यकता पड़ी। विधायक प्रतिनिधि को पता चला कि चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का 108 एम्बुलेंस पिछले 15 दिनों से खड़ी है बैटरी और टायर के चलते यहां का एंबुलेंस अपना सर्विस नहीं दे पा रही है। विधायक प्रतिनिधि को जानकारी मिली कि 108 एम्बुलेंस का रखरखाव कोई संस्था को दिया हुआ है। उनके द्वारा ही किया जाता है। संबंधित प्रतिनिधि से विधायक प्रतिनिधि ने दूरभाष पर बात किया तो उनके द्वारा सिरे से खारिज कर दिया गया और यह कहा गया कि बैटरी और टायर लगाने में कम से कम 15 दिन की समय मिलनी चाहिए। विधायक प्रतिनिधि ने कहा एंबुलेंस अगर 15 दिन तक खड़ी रहती है तो कितने मरीज रांची पहुंचने से पहले ही खत्म हो जाएंगे । उसके बाद आश्वासन मिला कि जल्द ही इसको दुरुस्त कराया जाएगा। बहरहाल 108 एम्बुलेंस लातेहार सदर अस्पताल से आई और रेफर मरीज को रांची रिम्स ले गई। ऐसे चंदवा का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हमेशा कुछ ना कुछ कार्य के कारण सुर्खियों में रहता है। कभी डॉक्टर मरीज को देखते अपने क्लीनिक चले जाते हैं तो कभी डॉक्टर रात्रि में अपने निजी आवास में चैन की निद्रा में सोए रहते हैं। दुर्भाग्य है कि चंदवा का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अभी तक अपने नाकामियों के लिए जाना जाता है और हमेशा सुर्खियों में बना रहता है।

किस्को में गिरा विशाल पेड़, कार और दो बाइक क्षतिग्रस्त

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। किस्को प्रखंड मुख्यालय गेट के पास शनिवार को हल्की बारिश के बीच एक विशाल आम का पेड़ किस्को-सेमरडीह मुख्य पथ पर अचानक गिर पड़ा। गनीमत रही कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बैंक बंद था, वरना यह हादसा गंभीर रूप ले सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सामान्य दिनों में बैंक ऑफ इंडिया किस्को शाखा के बाहर सैकड़ों ग्रामीण अपनी बारी के इंतजार में खड़े रहते हैं, लेकिन छुट्टी के कारण वहां भीड़ नहीं थी। इसी बीच भारी आम का पेड़ गिरा और सड़क किनारे खड़ी एक मारुति कार व दो बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। पेड़ के नीचे दबने से कार और दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी, लेकिन सौभाग्य से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

बहनों ने राखी बांध कर भाइयों की लंबी उम्र की कामना की

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। भाई-बहन के बीच निर्मल प्रेम की डोर को और अधिक मजबूत करने का दिन, और रेशम की डोर से बंधा यह त्योहार शहर सहित जिलेभर में उत्साह पूर्वक मनाया गया। हर साल की तरह इस साल भी बहनें भाइयों को राखी बांधी, उनके सुखी व समृद्ध जीवन के लिए प्रभु से कामना किया। भाई-बहन के पवित्र प्रेम प्रतीक का पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष धूमधाम से मनाया गया। इधर राखी बंधवाने के लिए दूर-दूर से भाई बहनों के घर पहुंचे तो बहनें भी भाईयों के घर राखी बांधने के लिए पहुंची। सबसे पहले बहनों ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान को राखी बांधी। इसके बाद भाईयों की कलाई पर राखी बंधी। बहनो ने अपने-अपने भाइयों की कलाईयों पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर भाईयों की लंबी उम्र की कामना के साथ अनुष्ठान पूरा किया तो वहीं भाईयों ने भी अपने सामर्थ्य के अनुसार उपहार भेंट किया। इस दौरान भाईयों बहनों ने एक दूसरे के प्रति प्रेम और कर्तव्य का पालन और रक्षा का दायित्व लेते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। राखी बांधने के बाद बहनों ने भाईयों से सुरक्षा का वचन लिया। वहीं भाईयों ने गिफ्ट भी दिये। इस वर्ष बाजार में ओमकार, रुद्राक्ष, चंदन, वीरा, रुई, जड़ी सहित अन्य देसी वेरायटी की राखियां उपलब्ध थे।

रक्षाबंधन की कुडू में रही धूम

कुडू (आजाद सिपाही)। कुडू प्रखंड में भाई - बहन के पावन प्रेम का प्रतिक का खूबसूरत पर्व रक्षा बंधन हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। बहनो ने अपने - अपने भाइयों की कलाईयों पर रक्षा सूत्र बांधकर भाईयों की लंबी उम्र की कामना के साथ अनुष्ठान पूरा किया तो वहीं भाईयों ने भी अपने सामर्थ्य के अनुसार उपहार भेंट किया। इस दौरान भाईयों, बहनों ने एक दूसरे के प्रति प्रेम और कर्तव्य का पालन और रक्षा का दायित्व लेते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं।

फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारी को लेकर बैठक

सेन्हा (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय खेल दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित होने वाले 31वें फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारी को लेकर बैठक वेशिक स्कूल खेल मैदान में डायमंड क्लब सेन्हा के तत्वावधान में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता कर्मराज महली ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि टूर्नामेंट का आयोजन 29, 30 एवं 31 अगस्त को तीन दिवसीय कार्यक्रम के रूप में किया जायेगा। टूर्नामेंट संचालन हेतु कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष अभिषेक लहेरी, सचिव संजीत राम और कोषाध्यक्ष गणेश महली चुने गये। साथ ही 31 सदस्यों की सूची भी प्रस्तुत की गयी। कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों के लिए जूता पहनना अनिवार्य होगा। इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों का नामांकन किया जायेगा। पुरस्कार विवरण में प्रथम जोड़ा खस्सी और 12000 नगद, द्वितीय एक खस्सी और 10000 नगद, तृतीय एक खस्सी और 7000 नगद, चतुर्थ एक खस्सी और 5000 नगद, पंचम से अष्टम तक प्रत्येक को एक फुटबॉल मिलेगा।

पांकी विधायक को बहनों ने बांधी राखी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। रक्षाबंधन पर पांकी विधानसभा अंतर्गत नीलांबर-पीतांबरपुर स्थित मौर्या फार्म हाउस में प्रेम और भाईचारे का अद्भुत संगम देखने को मिला। विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को बहनों ने तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं उनकी कलाई पर राखी बांधकर पावन पर्व को उत्साह और स्नेह के साथ मनाया। प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की० बीके कविता बहन एवं ज्योति बहन के साथ ही उषा देवी, कलावती देवी, इंदु देवी, पूनम देवी, रीता देवी, रातीं देवी, अहिल्या देवी आदि ने श्रावण माह के अंतिम दिन भाइयों की कलाई पर प्रेमसूत्र बांधकर उनके सुख-समृद्धि की कामना की। इस मौके पर प्रो बच्चन ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष रोशन सिंह, अधिवक्ता लाला प्रसाद यादव, प्रखंड नीलांबर-पीतांबरपुर विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, दिलीप मेहता, अरविंद सिंह, कार्तिक सिंह, सुधीर तिवारी, अरविंद मेहता आदि उपस्थित रहे।

मंत्री ने की देवघर प्रशासन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सराहना

बाबा भोलेनाथ में है मेरी अटूट श्रद्धा और आस्था : डॉ इरफान

- कहा- मेरा बचपन बाबा नगरी देवघर में ही गुजरा, जीवनभर लोगों के कल्याण के लिए समर्पित रहूंगा

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला 2025 के समापन पर झारखंड के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी शनिवार को देवघर में कांग्रेस की ओर से लगाये गये कांवरियों की सेवा के लिए निःशुल्क शिविर में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने देवघर जिला प्रशासन, झारखंड सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से किये गये उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की जमकर प्रशंसा की। कहा कि श्रावणी मेला में लाखों श्रद्धालुओं का आगमन और उनकी सुविधा-सुरक्षा सुनिश्चित करना किसी भी प्रशासन के लिये एक बड़ी चुनौती होती है। देवघर जिला प्रशासन, सरकार और सभी विभागों ने मिलकर इस चुनौती को शानदार ढंग से पूरा किया है, जिसके लिए मैं सभी को हृदय से बधाई देता हूं। उन्होंने विशेष रूप से जिला कांग्रेस के अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश सिंह, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष संजय मुन्नम, प्रदेश सचिव फैयाज केसर और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं-नेताओं का धन्यवाद किया, जिन्होंने लगातार पूरे एक महीने तक शिविर का संचालन निष्ठा और समर्पण के साथ किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह शिविर लगातार 40 वर्षों से संचालित हो रहा है। इस बार इसे बेहतरीन तरीके से व्यवस्थित किया गया, जो कांग्रेस की सेवा भावना और टीम वर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंत्री जी ने भावुक होते हुए कहा कि उनका बचपन बाबा नगरी देवघर में ही गुजरा है। बाबा भोलेनाथ के ही आशीर्वाद से वे लगातार तीन बार विधायक और दूसरी बार मंत्री बनकर जनता की सेवा कर रहे हैं। कहा कि बाबा के चरणों में मेरी अटूट श्रद्धा और आस्था है। बाबा की कृपा और जनता के विश्वास से ही मुझे सेवा का यह अवसर मिला है। मैं जीवनभर लोगों के कल्याण के लिए समर्पित रहूंगा। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान की गई व्यवस्था, सेवा और सहयोग ने यह साबित कर दिया है कि जब प्रशासन, सरकार और समाज मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती।

देवघर में आयोजित कांग्रेस के सेवा शिविर में पहुंचे मंत्री डॉ इरफान अंसारी।

विश्व आदिवासी दिवस पर मधुपुर में वार्षिक अखड़ा महोत्सव एवं आदिवासी संगम शुरू

मधुपुर (आजाद सिपाही)। शहर के वार्ड नंबर 15 स्थित बावन बीघा में मंगलम रिजॉर्ट परिसर में संवाद संस्था की ओर से विश्व आदिवासी दिवस पर शनिवार से दो दिवसीय वार्षिक अखड़ा महोत्सव सह आदिवासी संगम का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विद्रोह मित्रा पर्यावरणविद् घनश्याम, विधायक प्रतिनिधि शब्बीर अंसारी, माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, हाजी अलाउद्दीन अंसारी, मुखिया मरियम टुडू, सालगे मार्डी, अन्ना सोरेन, सरोज शर्मा, पूर्णिमा बिरूली, सुरेंद्र बिरूली, जिप सदस्य सोनी सोरेन, पंसस सामोली हांसदा, दिनेश्वर किस्कू और बेरनादेत तिर्की ने संयुक्त रूप से नगाड़ा बजाकर किया। वहीं, अतिथियों का स्वागत आदिवासी महिला-पुरुषों ने पारंपरिक रीति से किया। इस असर पर पर्यावरणविद घनश्याम ने बताया कि झारखंड जतरा की शुरूआत 1998 में रांची से हुई थी। यह 27वां आदिवासी संगम है। विश्व आदिवासी दिवस 1994 से विश्व के 90 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है। संवाद संस्था 16 जिलों के 800 गांवों में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, स्वशासी एवं स्वावलंबी गांव की स्थापना और डीजे के विरोध में पारंपरिक वाद्य यंत्रों को बढ़ावा देने के अभियान पर कार्य कर रही है। वहीं, विद्रोह मित्रा ने कहा कि देश की संस्कृति और खेलकूद को आदिवासी समाज के योगदान से ही समृद्ध किया जा सकता है। इसलिए आदिवासी संस्कृति का संरक्षण आवश्यक है। जबकि शब्बीर अंसारी ने दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन को आदिवासी समाज का बड़ा नेता बताया। कहा कि उनके अधूरे सपनों को साकार करना हम सभी का लक्ष्य होना चाहिये। माकपा राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने जल, जंगल, जमीन की रक्षा और आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए एकजुटता पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन अबरार ताबिन्दा ने किया। वहीं, झारखंड के 16 जिलों से आई सांस्कृतिक टीमों ने पारंपरिक नृत्य-गीत की प्रस्तुति दी। इस मौके पर कुंदन भगत, सैफ, जाकिर, अनूप, बंकू, दिनेश महतो, महानंद, ऐनी टुडू, जावेद, तुहीन पाल, अताउल, कल्पना, इशरत, पार्वती, सीमा, सागोरी, विजय, पंकज, विनोद, धर्मेन्द्र, सुभाष, फातिमा, वीणा, श्यामली, चंदन आदि मौजूद रहे। अंत में गुंशी सोरेन ने गीत प्रस्तुत कर धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रण लें कि दूसरों की बहनों को भी अपनी बहन की तरह की प्यार और संरक्षण देंगे : डीआइजी

रक्षाबंधन पर संत मरियम स्कूल पहुंचे डीआइज, बच्चों को पढ़ाया सभ्यता और संस्कृति का पाठ

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीआइजी नौशाद आलम शनिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर संत मरियम स्कूल के आवासीय परिसर में आयोजित रक्षाबंधन समारोह में शामिल हुए। वहां बच्चों को सभ्यता और संस्कृति का पाठ पढ़ाया। इस दौरान छात्रावास की बालिकाओं ने जीआइडी को राखी बांधी। अपने संबोधन में डीआइजी ने कहा कि राखी के त्योहार में यह प्रण लें कि दूसरे की बहन को भी अपनी बहन मानेंगें और उसे भाई की तरह संरक्षण देंगें। किसी भी स्थिति में उनकी तस्वीरों का गलत उपयोग न करें। पश्चिमी सभ्यता को बढ़ावा न दें। डीआइजी ने कहा कि केवल उपहार देकर राखी की कीमत को नहीं चुका सकते हैं। हम सभी को ऐसा सामाजिक वातावरण का निर्माण करना चाहिए जहां सभी लड़कियां सुरक्षित महसूस करें। इस मौके पर चेयरमैन अविनाश देव, ट्रैफिक इंस्पेक्टर समाल अहमद, प्राचार्य कुमार आदर्श और उत्कर्ष देव आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षियों में घबराहट : साक्षी महाराज

संसद ना चले, इसलिए सुनियोजित तरीके से किया जा रहा बाधित

भाजपा सांसद साक्षी महाराज का मधुपुर स्टेशन पर भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। उन्नाव के सांसद साक्षी महाराज शनिवार को गिरीडीह जाने के क्रम में रेल मार्ग से मधुपुर स्टेशन पहुंचे। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर साक्षी महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्ष घबराया हुआ है। इसलिए वे संसद को सुचारू रूप से चलने नहीं देना चाहते और सुनियोजित तरीके से कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं। कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव सहित जहां-जहां चुनाव हुए हैं, वहां भाजपा ने जीत दर्ज की है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और आगामी चुनाव में पार्टी को मजबूती से जीत दिलाने का आह्वान किया। इस मौके पर अरुण गुटगुटिया, संजय यादव, मोती सिंह, राजेश दुबे उर्फ गुड्डू दुबे, राम सेवक पासवान, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे, जिन्होंने पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।

डीएवी कास्टर टाउन में राखी बनाओ एवं थाली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन

देवघर (आजाद सिपाही)। स्थानीय गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल कास्टर टाउन में शनिवार को बच्चों की रचनात्मक कौशल को विकसित करने के लिए कक्षा एलकेजी और यूकेजी के बच्चों के लिए रक्षाबंधन पर कार्ड मेकिंग, प्रथम से पांचवीं तक के बच्चों के लिए राखी बनाओ और छठी एवं सातवीं के लिए थाली सजाओ गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक सुंदर राखियां बनायी और थाली सजायी। इस अवसर पर प्राचार्य दिलीप कुमार सिंह ने सभी बच्चों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी प्रतिभागी बच्चों की रचनात्मक कौशल की सराहना की। कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहनों के बीच अटूट प्यार को दर्शाने के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि पर पड़ता है। इस दिन बहनें पूजा-अर्चना कर भाइयों की कलाइ पर राखी बांधती हैं और उनके स्वास्थ्य एवं जीवन में सफल होने की कामना करती हैं। रक्षा बंधन एक ऐसा त्योहार है, जो परिवारों को एक साथ लाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी अमित कुमार सिंह ने दी।

सखी मंडल की दीदियों ने पेड़ में राखी बांध पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। सखी मंडल की दीदियों ने रक्षाबंधन के अवसर पर अपने पौधों में राखी बांध पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। सभी सखी मंडल की दीदियों ने अपने घर के आसपास के पौधों में रक्षाबंधन पर राखी बांधी और उसे भाई की तरह पालने का निर्णय लिया। जेएसएलपीएस की सखी मंडल का यह एक अनोखा पहल है। प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अंजनी कुमार ने बताया कि हमारी सखीमंडल की दीदियों द्वारा बनायी गयी राखी से इस बार रक्षा बंधन महापर्व मनाने का निर्णय लिया गया है। हमारा कर्तव्य सखी मंडल की दीदियों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही पर्यावरण को बचना की भी है, ताकि हम स्वस्थ रह सके।

आरपीएस स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मना रक्षाबंधन त्योहार

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला आरपीएस स्कूल में शनिवार को रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बच्चों को रक्षाबंधन के संदर्भ में जानकारी के लिए प्रधानाचार्या पुबाली रॉय और शिक्षको द्वारा कुछ गतिविधियां भी करायी गयी। इसमें हैंड मेड राखी, ड्राइंग आदि शामिल थे। शिक्षक सूरज त्रिपाठी, अनुप्रिया सिंह, रंजना पाठक, रेशम कुमारी, बिन्दुओ कुमारी, अपराजिता सरकार, सुधीर चौहान, प्रिया, श्रेया, रुपेश रंजन मिश्रा आदि शिक्षकों ने मिलकर इस अवसर को एक सुंदर रूप प्रदान किया। वहीं, विद्यालय के निदेशक संजय उर्फ लड्डू सिंह ने राखी के महत्व को बताते हुए कहा कि रक्षाबंधन अटूट बंधन होता है। जिसमें बहन अपने भाई की लंबी उम्र की कामना करती है और एक भाई हर परिस्थिति में उसकी रक्षा करने का वचन देता है।

स्कूल से रसोई गैस सिलेंडर की चोरी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के जोड़ गांव स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय के रसोई घर से गैस सिलेंडर की चोरी होने का मामला सामने आया है। प्रभारी प्राचार्य कांति कुमारी ने सदर थाना में इसकी शिकायत की है। थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि आवेदन के आलोक में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि रसोईया के अनुसार शुक्रवार की सुबह 10.30 बजे रसोइया मध्यान भोजन बनाने के लिए रसोई घर की ओर गयी तो देखा कि दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ है एवं दरवाजा सटाया हुआ है। अंदर खोलकर देखने पर गैस सिलेंडर गायब था। अगल-बगल खोजबीन करने के बाद उन्होंने मामले की जानकारी दी। बाद में उन्होंने कार्यालय में रखा हुआ दूसरा गैस सिलेंडर निकालकर दिया जिससे एमडीएम बनाया गया। बाद में उन्होंने सदर थाना में आवेदन दिया।

रक्षाबंधन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

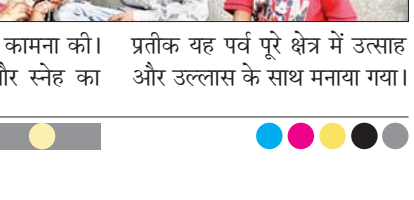

देवघर (आजाद सिपाही)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर स्पष्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय एवं अनाथालय, चुल्हिया, प्रखंड-मोहनपुर, देवघर जिले में शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर राजद जिला सचिव पुरूषोतम यादव के नेतृत्व में महागठबंधन के युवा साथियों ने हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया। कार्यक्रम की विशेषताएं बच्चों को राखी बांधी गयी और मिठाई, कॉपी और कलम वितरित किये गये। इस अवसर पर राजद जिला सचिव पुरूषोतम यादव ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से हम अपने समाज के वंचित वर्ग के बच्चों के साथ अपनेपन का भाव प्रकट करते हैं। इस मौके पर झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष श्रीकांत यादव, अनिल मुर्मू, विरु यादव, सिकंदर राव, प्रताप यादव, दीपक यादव, चंदन यादव, विद्या मलाकार, सोनू कुमार, ऋषिदेव यादव, राजकिशोर यादव, मिथिलेश यादव, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'मेकिंग हैप्पी एंप्लाइज' पर विशेषज्ञों ने रखे अपने विचार

धनबाद (आजाद सिपाही)। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की ओर से आयोजित दो-दिवसीय स्पर्श एचआर कॉन्क्लेव 2025 का शनिवार को दूसरे दिन कोयला, उद्योग जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के शीर्ष नेतृत्व, मानव-संसाधन विशेषज्ञों और लीडर्स द्वारा संवाद, सहभागिता, टीम वर्क, और संस्पर्शी कार्यपद्धति की आवश्यकता एवं महत्व को रेखांकित करते हुए प्रेरणास्पद विचार-विमर्श एवं वक्तव्यों के साथ समापन हुआ। कार्यस्थल को और अधिक मानवीय, गतिशील और परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए, विशेषज्ञों ने पर अपने विचार रखें और एक समावेशी एचआर कल्चर की परिकल्पना को आकर दिया। कोल इंडिया और बीसीसीएल के शीर्ष नेतृत्व, मानव-संसाधन निदेशकगण के अतिरिक्त उद्योग जगत से जुड़े मानव संसाधन विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं और कॉर्पोरेट नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति में कॉन्क्लेव के अंतिम दिन शनिवार को महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किये गये, जो विचारों, संवादों और नीति-निर्माण की संभावनाओं से परिपूर्ण रहें। कॉन्क्लेव का पहला दिन जहां एचआर के मूल्यों, संवेदनशीलता और कर्मचारी सशक्तिकरण पर केंद्रित था, वहीं आज का दिन नेतृत्व, टीमवर्क और संस्थानिक उद्देश्य आधारित प्रबंधन के विषयों को समर्पित रहा। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) सीआईएल डॉ विनय रंजन, सीएमडी, ईसीएल सतीश झा, निदेशक (मानव संसाधन), बीसीसीएल मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी, संचालन) संजय कुमार सिंह सहित कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों के निदेशक (मानव संसाधन) केशव राव (एमसीएल), हर्ष नाथ मिश्रा (सीसीएल), डॉ हेमंत शरद पांडे (डब्ल्यूसीएल), गुंजन कुमार सिन्हा (ईसीएल), डॉ कमाक्षी रमण (ईडी-आईआईसीएम) आदि उपस्थित रहे।

बाइक चोरों के खिलाफ हुसैनाबाद पुलिस की कार्रवाई

चोरी की बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

पकड़े गये आरोपितों की जानकारी देती पुलिस।

हुसैनाबाद। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर चोरी की बाइक के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इसमें दो नाबालिक लड़के भी शामिल है। जबकि एक अन्य युवक पुलिस की गिरफ्त से फरार है। इस बाबत हुसैनाबाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि शुक्रवार की देर शाम पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की एक युवक लंगरकोट पहाड़ी के नीचे रखी बाइक की चोरी कर भागा है। इसकी सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को सूचित करते हुए एक छापामारी दल का गठन कर इसकी सूचना संध्या गस्त में निकली पुलिस को दी गई। गस्ती दल बिशुनपुर गांव के तीन मुहान मोड़ के समीप पहुंची तो एक युवक बिना नंबर की बाइक पर बैठा था, जो पुलिस को देखते ही भागने लगा। लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसकी पहचान अभय कुमार के रूप में हुई है। वह हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के ढेलहा गांव का रहने वाला है। उसने बताया कि वह अपने दोस्तों का इंतजार कर रहा था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने मेंहदीनगर गांव से एक नाबालिग के घर से दो बाइक भी बरामद की है। साथ ही वहां से दो नाबालिग लड़कों को भी पकड़ा गया हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी के इस वारदात में एक अन्य सहयोगी बिशुनपुर गांव निवासी अभिषेक कुमार उर्फ छोटू सिंह भी शामिल है, जो फिलहाल फरार है। पुलिस ने उक्त तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में मेदिनीनगर भेज दिया। वहीं, छापामारी दल में हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, एसआई मुकेश सिंह, रमण यादव, कमल किशोर पांडेय, वीरेंद्र कुमार मेहता, हरिंद्र राम, रमेश कुमार नट और सुरेंद्र पाल आदि शामिल थे।

बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर की लंबी उम्र की कामना

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज और पीपरा प्रखंड क्षेत्र में रक्षा बंधन का त्योहार शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाइ पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक यह पर्व पूरे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र में एक नाबालिग 8 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार दुष्कर्म करने जैसी हैवानियत करने वाले को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि विगत मंगलवार को बच्ची खेलने गयी थी और उसी दरम्यान बारिश होने लगी तो बच्ची को अकेला देख लक्ष्मण सिंह के पुत्र 35 वर्षीय बलदेव सिंह बच्ची को अपने घर के अंदर ले गया और उसे मिठाई खिलाया, जिसके बाद बच्ची बेसुध हो गयी। बच्ची के घर नहीं लौटने पर उसकी मां उसे ढूढने लगी फिर रात लगभग साढ़े दस बजे बच्ची मिली। बच्ची को चलने में तकलीफ हो रही थी और थोड़ी चोट भी लगी थी। लेकिन बच्ची ने उस समय घटना के संबंध में कुछ नहीं बताया। फिर पीड़िता बच्ची ने शुक्रवार रात अपनी मां से बताया कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर उसे किसी को नहीं बताने का धमकी भी दी थी, जिससे बच्ची काफी डरी हुई थी। शनिवार को पुलिस को बच्ची और उसकी मां ने मामले से अवगत कराया। बच्ची इतना डरी हुई थी कि पुलिस के सामने भी उसका चेहरा में डर दिख रहा था। बाद में बच्ची ने बताया कि उसके साथ बलदेव सिंह ने दुष्कर्म किया था। बसिया पुलिस द्वारा पूरे मामले को काफी गंभीरता से लेते हुए तुरंत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पत्नी की मौत 9 वर्ष पूर्व हुई थी। उसका एक बच्चा भी है। ग्रामीणों की माने तो पत्नी की मौत का आरोप भी आरोपी पर लग चुका है। मगर इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। लेकिन पत्नी की मौत के मामले में आरोपी को संदिग्ध माना जाता है।

आदिवासी सभ्यता है विश्व की प्राचीन धरोहर : चैतू उरांव

विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेसियों ने आयोजित किये कई कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। विश्व आदिवासी दिवस पर जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष चैतू उरांव के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बिरसा मुंडा एग्रो पार्क में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही नारेबाजी की गयी। इसके बाद परमवीर अलबर्ट एक्का स्टेडियम के समीप परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि दी गयी। तत्पश्चात स्थानीय परिसदन में चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मौके पर जिला अध्यक्ष चैतू उरांव ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आज सभी जगह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो अपनी विविध संस्कृति, परंपराओं, भाषाओं और समाज के अलग-अलग समुदायों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं हमारे आदिवासी समुदाय न केवल प्रकृति के करीब रहते हैं। बल्कि हमारी विरासत, लोक कथाओं और पारंपरिक ज्ञान को भी पीढ़ी दर पीढ़ी संजोकर रखते हैं। हर साल 9 अगस्त को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य आदिवासी लोगों के अधिकारों की रक्षा करना, उनके योगदान को सम्मान देना और समाज में उनके महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी हितों को लेकर लगातार मुखर रही है। उनके हितों की रक्षा और विकास को लेकर कृतसंकल्पित है। इस मौके परजिला अध्यक्ष चैतू उरांव फिरोज आलम, आफताब आलम लाडले, आरिफ हुसैन अख्तर, मो मीरा, मो खुर्शीद आलम, मो मिन्हाज, तरुण गोप, क्रिस्टीना, ज्योति, मो गुलाम सरवर मो कलाम, मो सय्यद खालिद, मो मोख्तार, तेजश गोप, लालू कुल्लू, बबलू खान आदि लोग उपस्थित थे।

मिक्सर मशीन से टकरायी बाइक, छात्र की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर के पास 17 वर्षीय छात्र अमीष मिंज पिता विनोद मिंज ने सड़क के किनारे रखे मिक्सर मशीन को जोरदार टक्कर मार दिया। घटना में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक छात्र डुमरी थाना क्षेत्र के हर सरी पड़की टोली गांव का रहने वाला था। शुक्रवार की शाम चैनपुर से फुटबॉल मैच खेलकर बाइक से अपने घर लौट रहा था तेज रफ्तार होने के कारण वह अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे रखे मिक्सर मशीन को जोरदार टक्कर मार दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे गुमला रेफर कर दिया गया। शुक्रवार की रात 10:30 बजे उसे सदर अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में उसका एक पैर टूट गया था साथ ही शरीर के अंदरूनी हिस्से में गंभीर चोट लगी थी। छात्र प्लस टू टांगर डीह डुमरी स्कूल में 12वीं की कक्षा में पढ़ाई करता था।

रब्बानी ट्रस्ट और जिज्ञासा सिटी लेबल फेडरेशन ने स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। बज्मे रब्बानी ट्रस्ट और नगर परिषद गुमला द्वारा संचालित जिज्ञासा सिटी लेबल फेडरेशन ने स्वास्थ्य जांच शिविर, चिकित्सक, दवाएं व सहकर्मी प्रदान करने के लिए सिविल सर्जन से मुलाकात कर मांग की है। मौके पर कमेटी ने श्री चौधरी को बताया कि नगर परिषद के सभी 22 वार्डों में कुल छह स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन करने की योजना है। बरसात के मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियों से रक्षा को को ध्यान में रखते हुए हुए स्वास्थ्य शिविर लगाने की योजना बनायी गयी है। शिविर में डायबीटीज, ब्लड प्रेशर, बुखार, खांसी आदि सभी मरीजों का जाँच और दवा निःशुल्क वितरण किया जायेगा। स्वास्थ्य जांच शिविर विभिन्न

वार्डों में सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित की जाएगी। जिससे उक्त वार्ड के निवासी अपनी कई बीमारियों की निःशुल्क जांच करा सकेंगे तिथिवार आयोजित होने वाले जांच शिविरों के लिए एक चिकित्सक, तीन स्टाफ नर्स और सरकार के माध्यम से सप्लाई होने वाली जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी गयी। मौके पर सिविल सर्जन श्री चौधरी ने बज्मे रब्बानी ट्रस्ट और जिज्ञासा सिटी लेबल फेडरेशन की सराहना करते हुए हर संभव मदद करने की बात कही। मौके पर बिमला देवी और ट्रस्ट के अध्यक्ष फिरोज अली रब्बानी, स्टेट सेक्रेटरी शादाब रब्बानी, जिला सचिव साहेब रब्बानी, तहसीन रब्बानी मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर डॉ भीमराव अंबेडकर और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। शनिवार को प्रखंड में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन बेरियर बगीचा मांझाटोली में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम प्रखंड परिसर में स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर और बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण किया गया ततपश्चात महदनिया टोंगरी मांझाटोली में स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात शंख मोड़ मझांटोली में पंखराज साहेब बाबा कार्तिक उरांव की आदमकद प्रतिमा के पास विधिवत पूजा पाठ बैगा मंगरु मुण्डा,महतो महेंद्र उरांव के द्वारा किया गया। तत्पश्चात प्रतिमा में माल्यार्पण प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रधान हंसदाक और उप प्रमुख दीपक कुजूर के द्वारा किया गया। शंख मोड़ से सांस्कृतिक गीत

भजन करते हुए बेरियर बगीचा मांझाटोली कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जहां मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मंचीय कार्यक्रम के पूर्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए मौन धारण किया गया। मंचीय कार्यक्रम के दौरान एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, संस्कृतिक नाच, गान चुनिंदा गांव के द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि जिप सदस्य रश्मि मिंज ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस प्रकृति प्रेमियों व आदिवासियों के लिए गौरव का क्षण है। आज पृथ्वी का तापमान प्रतिवर्ष बढ़ते जा रहा है, झारखंड हिल स्टेशन के रूप में प्रसिद्ध था यहां का मौसम बहुत ही सुहाना था यहां देश विदेश से लोग पर्यटन के लिए घुमने आते थे। फैक्ट्री औधौगिक, शहरीकरण के नाम पर अनगिनत पेड़ पौधों को काटा गया है इसका दुष्परिणाम प्रकृति का पलटवार आज हमारे सामने है। आज पर्यावरण असंतुलित हो गया है। उन्होंने सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक संस्कृतिक धार्मिक राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपील किया।

चैनपुर में रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

चैनपुर (आजाद सिपाही)। श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर शनिवार को पूरे चैनपुर प्रखंड क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में मिठाइयों, राखियों और उपहारों की खरीदारी को लेकर चहल-पहल बनी रही। घर-घर में पूजा की थालियां सजाई गईं, बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट किए और जीवनभर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। जगह-जगह परिवारजन पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे एकत्र हुए, जिससे पर्व की रौनक और बढ़ गयी। मिठाई की दुकानों में दिनभर भीड़ का माहौल रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि रक्षाबंधन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस दिन भाई-बहन के रिश्ते में नई ऊर्जा और अपनापन का संचार होता है। ग्रामीण इलाकों से लेकर कस्बों तक, हर जगह रक्षाबंधन के रंग बिखरे नजर आये। बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

भाइयों ने बहनों की रक्षा का लिया संकल्प

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को रक्षाबंधन का पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार देकर सुरक्षा का वचन दिया। सावन माह के अंतिम दिन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में भक्तों ने जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। खासकर देवाकी बाबा धाम मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। मंदिर परिसर में मेले जैसा माहौल रहा, जहां महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने श्रद्धापूर्वक पूजा संपन्न की। रक्षाबंधन और सावन के अंतिम सोमवार के संयोग ने पूरे क्षेत्र का वातावरण धार्मिक और उत्सवी बना दिया। स्थानीय प्रशासन की सतर्कता और ग्रामीणों के सहयोग से पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

हराटोली में नहीं बनी पक्की सड़क, आवागमन में परेशानी

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी प्रखंड मुख्यालय से 2 किलोमीटर की दूरी स्थित हराटोली गांव है। जहां लगभग 100 परिवार निवास करते हैं। लेकिन आजादी के 78 वर्ष गुजर जाने के बावजूद प्रखंड मुख्यालय से हराटोली गांव तक पक्की सड़क का निर्माण आज तक नहीं हो चुका। जानकारी के लिए बता दें कि परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का के सम्मान में बने जारी प्रखंड बना है लेकिन मुख्यालय से कुछ ही दूरी स्थित हराटोली गांव जहां के ग्रामीण आज भी पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं जो काफी चिंताजनक मामला है। इस गांव में बरसात के दिनों में चार चक्का वाहन नहीं जा सकती है जिसका कारण है कि इस गांव तक पहुंचने के लिए कच्ची सड़क पर पंचायत फंड से जगह-जगह पुलिया का निर्माण कराया गया था। लेकिन पुलिया अब क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिस कारण से चार चक्का वाहन इस गांव में नहीं जा सकती है। सुमित मिंज,

अलबिनुस केरकेट्टा, अमर मुण्डा,मनकू मुण्डा, ललित किण्डो,ग्लोरिया मुंडाईन, सुनिता केरकेट्टा,उषा टोप्पो, खोरस बाड़ा,बिरसाय मुण्डा, सुनसाय मुंडा सहित कई लोगो ने कहा कि प्रखंड मुख्यालय से सटे हराटोली गांव है लेकिन आज तक हम सभी ग्राम वासी कच्ची सड़क में ही चल रहे हैं। जो काफी दुख की बात है।सभी तरफ पक्की सड़क बन रही है। लेकिन हमारे गांव तक किसी प्रकार की कोई पक्की सड़क नहीं है। वही इस गांव के बाद में संत जॉन मेरी बियानी स्कूल नुकरुडीपा स्कूल है। जो पिछले कई सालों से बुमतेल, जर्मना, डुमरटोली, जारी, तोगो, कोड़ी, सीकरी गांव के सैकड़ो बच्चे इस स्कूल में अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

केउंदटोली में कुएं से शव बरामद

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सुरुहू केउंदटोली में एक कुएं से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कामडारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव सुरुहू केउंदटोली में शनिवार की सुबह में ग्रामीणो ने देखा कि ग्रामीण जोसेफ केरकेट्टा के कुएं पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैर रहा है। वह कुंआ गाँव से बाहर लगभग 300 मीटर की दूरी पर अवस्थित है और अनुपयोगी है। वहीं कुएं पर शव देखने के ग्रामीणो ने तुरंत कामडारा पुलिस को इसकी सूचना दी। वहीं खबर लगते ही कामडारा पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद शव को कुऐं से बाहर निकालने के बाद शव के शिनाख्त के प्रयास मे जुट गयी है। मृतक व्यक्ति के शरीर पर काले रंग का गंजी और नीचे काले रंग का निकर है। समाचार भेजे जाने तक शव का शिनाख्त नहीं पाया था। थाना प्रभारी शशि प्रकाश ने कहा कि शव का शिनाख्त होते ही उक्त पूरे मामले का उद्भेदन कर ली जायेगी।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गंदगी बनी समस्या

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम लरंगो में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के परिसर में गंदगी इन दिनों सुर्खियों पर है चारों ओर झाड़ियां व बड़े बड़े घास फूस उग आये हैं जिसकी साफ सफाई की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है वहीं विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को हमेशा जहरीले सांप बिच्छू के काटने का खतरा बढ़ गया है। दो वर्ष पूर्व श्री हरि वनवासी विकास समिति झारखंड फंड द्वारा 50 लाख रुपए की राशि से निर्माण किए गए भवन जर्जर स्थिति में आ गई है। भवन की दीवारों पर दरारें पड़ने लगी है जबकि भवनों का निर्माण स्वयं प्रधानाचार्य ने कराया था। विद्यालय के प्रबंधन समिति के सदस्यों का कहना है कि भवन निर्माण से पहले समिति की कोई बैठक नहीं हुई है और न ही किसी तरह का सूचना दिया गया है। भवन निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है घटिया रॉ मैटेरियल का इस्तेमाल किया गया है जिसके कारण इतनी कम समय में दीवारों पर दरारें पड़ने लगी है। साथ ही विद्यालय परिसर में झाड़ियों के

वजह से स्कूली बच्चों को सांप बिच्छू के काटने का खतरा बना हुआ है लेकिन प्रधानाचार्य का इस ओर कोई ध्यान नहीं है कुछ दिन पूर्व ही सूर्यांशु साहु पिता विष्णु साहु का गिरकर हाथ टूट गया है इसपर प्रधानाचार्य की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय में कभी भी अभिभावकों की बैठक नहीं बुलाई गई जिस कारण विद्यालय और अभिभावकों में समन्वय स्थापित नहीं हो सका और तो और विद्यालय की समस्याओं को लेकर कभी समिति की बैठकें नहीं करायी जाती है जबकि विद्यालय के देखभाल के लिए ही विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। लेकिन उसका कोई रोल नहीं है क्योंकि प्रबंधन समिति में अपने ही परिवार के सदस्यों को शामिल किए हुए हैं। समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि समिति में अपने ससुर, सास, और बेटी भतीजे को शामिल कर लिया गया है जो कि यह नियम के विरुद्ध है। प्रधानाचार्य सारा प्रबंध स्वयं ही देखते हैं और अपनी मनमर्जी चलाते हैं। इस संबंध में प्रधानाचार्य से जब पूछा गया तो उन्होंने संतोष जनक जवाब नहीं दिया। उनके बातों से विद्यालय के प्रति उनकी गैर जिम्मेदारी झलक रही है। जब इस मामले पर प्रांत के अधिकारी सुदन मुंडा से बात करना चाहा तो उन्होंने फोन काट दिया और कोई जवाब नहीं दिया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष जस्सी मुंडा, संरक्षक बल्कु साहु, अभिभावक प्रतिनिधि सुरेन्द्र साहु, सदस्य जयराम उरांव, संतोष साहू ,विष्णु साहू,रवि उरांव,मनोज उरांव, लकी साहू, रिंकी देवी,विमला देवी, मधु देवी, शिवलाल साहू, सुदामा साहु सहित कई सारे ग्रामीण उपस्थित थे।

बसिया में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड परिसर में भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। फिर थाना चौक स्थित स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद तेलंगा खड़िया और कुम्हारी तालाब चौक स्थित शहीद विजय सोरेंग के प्रतिमा में माल्यापर्ण किया गया। रेफरल अस्पताल के समीप सरहुल अखाड़ा में भी कार्यक्रम आयोजित कर विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया।इस अवसर पर जिप सदस्य बसंती डूंगडुंग,एसडीओ जयवंती देवगम, बीडीओ सुप्रिया भगत, मुखिया एमलेन कुल्लू,गुलशन टेटे, वीर वंशीपाल बड़ाइक, रितवा कुल्लू, दुर्गा पहान, प्रमुख जगरानी तिग्गा,दिनेश चंद पहान समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुए कई कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज ने विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया। 9 अगस्त को गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज ने विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और जोश के साथ मनाया। यह कार्यक्रम संस्थान परिसर में आयोजित किया गया, जहां प्राचार्य डॉ. शिबा नारायण साहू, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अजीत कुमार शुक्ल और प्लेसमेंट एवं ट्रेनिंग इंचार्ज अमित रंजन ने दीप प्रज्वलित किया और छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की। इस

समारोह में संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा दो दिनों, अर्थात 6 और 7 अगस्त, को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस समारोह में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना और छात्रों में एकता की भावना को बढ़ावा देना था। समारोह के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों ने आदिवासी जीवन और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने वाली एक चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की सजीव और कल्पनाशील कृतियों ने आदिवासी विरासत के सार को उकेरा।एक निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के विभिन्न आदिवासी समुदायों, उनके इतिहास, परंपराओं और योगदान के बारे में ज्ञान का परीक्षण किया गया। आदिवासी गीत गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की मधुर आवाज ने वातावरण को गूंजायमान कर दिया जब उन्होंने पीढ़ियों से चले आ रहे आदिवासी गीत गाए। इस अवसर पर, प्रधानाचार्य डॉ शिबा नारायण साहू ने शिक्षा, स्वास्थ्य, मानवाधिकार, पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आदिवासी संस्कृतियों के संरक्षण और सम्मान के महत्व पर अपने विचार साझा किए। छात्रों को संबोधित करते हुए, उन्होंने विभिन्न समुदायों के बीच समावेशिता और समझ को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संस्थान की भूमिका पर जोर दिया।

समारोह में प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के झखरा कुंबा स्थल पर विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को भव्य सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ हुई, जिसमें समाज के वरिष्ठ सदस्य और युवा दोनों ने भाग लिया। दिनभर विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रतियोगी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिनमें क्विज प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, दोना-पत्तल सिलाई, फैशन शो और ग्रुप डांस जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं शामिल थीं। सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को मंच पर पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर सेवानिवृत्ति रेलवे अधिकारी रविंद्र भगत ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान देने का आग्रह किया, ताकि समाज की प्रगति और मजबूती सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में पारंपरिक नृत्य और गीतों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। झखरा कुंबा स्थल पर दिनभर उत्सव, भाईचारे और सांस्कृतिक गौरव की झलक देखने को मिली, जो लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा। इस अवसर पर जेपीएसी प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित आलोक पन्ना को समाज की ओर से विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस आयोजन में समाज के सक्रिय सदस्यों में कुंदन उरांव, हेमंत उरांव, सुरेश उरांव, लालदेव नगेसिया, विनोद भगत, वीरेंद्र उरांव, महेंद्र उरांव, मोकेश्वर नाग, हिमांशु आरे, लाल उरांव, सोनू उरांव, बुदु टोप्पो, रमेश उरांव, कन्हैया भगत, सुरेश टोप्पो, विनीत कुमार, विवेक उरांव, सुजीत कुजूर सुनील देवी, प्रियंका देवी और ज्योति देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बरवाअड्डा थाना के नवनिर्मित भवन का हुआ शुभारंभ, विधायक, डीसी एवं एसएसपी ने किया उद्घाटन

पुलिस व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं जनता के अनुकूल बनेगी : एसएसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। कृषि बाजार परिसर में संचालित बरवाअड्डा थाना को उदयपुर के जोड़ापीपल क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। विश्व आदिवासी दिवस एवं श्रावण पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शनिवार को विधिवत पूजा कर नये थाना भवन में प्रवेश किया गया। इस अवसर पर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, डीसी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर बरवाअड्डा थाना के नये भवन का उद्घाटन किया। झारखंड पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के सौजन्य से नवनिर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस नये मॉडल थाना भवन में आगंतुकों के लिए

नये थाना भवन का उद्घाटन करते सिंदरी विधायक, डीसी, एसएसपी एवं अन्य।

प्रतीक्षालय, महिला पुलिसकर्मियों के लिए पृथक एवं सुरक्षित आवासीय सुविधा, स्वच्छ पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था और कार्यालय संचालन के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया गया है। उदयपुर में नवनिर्मित बरवाअड्डा थाना भवन भवन में थाना प्रभारी का कक्ष, प्रतिक्षालय, सहायता केंद्र, सिरिस्ता, रिकॉर्ड रूम, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, महिला हाजत, पुरुष हाजत, सभागार, जवानों एवं पदाधिकारी के लिए आराम गृह, रसोई, शौचालय, इंट्रोगेशन रूम, वायरलेस रूम, सीसीटीएनएस सहित अन्य सभी सुविधायों को ध्यान में रखने हुए नये थाना भवन का निर्माण कराया गया है। इस अवसर पर विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि विभिन्न कठिनाइयों एवं संसाधन के आभाव के बावजूद पुलिस के जवान जनता की सेवा-सुरक्षा में अपना योगदान देते आ रहे हैं। ऐसे में थाना का नया भवन बनने से यहां कार्यरत पुलिसकर्मियों को काफी सुविधा होगी। जबकि डीसी ने कहा कि नया थाना भवन काफी सुविधाजनक है। उन्होंने हाईवे से थाना तक अप्रोच रोड के शीघ्र निर्माण कराये जाने की बात कही। कहा कि इस पूरे मार्ग एवं आसपास के इलाकों में स्ट्रीट लाइट भी जल्द लगाया जाएगा। वहीं, एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि नये भवन के माध्यम से पुलिस व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं जनता के अनुकूल बनेगी। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि भविष्य में भी किसी तरह की परेशानी न हो इसे ध्यान में रखते हुए थाना को और भी अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों से अपील करते हुए जनता की सेवा और सुरक्षा को अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। इस मौके पर डीएसपी धीरेंद्र नारायण बंका, डीएसपी नौशाद आलम, निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला, डीएसपी ट्रैफिक अरविंद सिंह, डीएसपी साइबर संजीव कुमार, बरवाअड्डा थाना प्रभारी रजनीकांत आदि मौजूद रहे।

जमुनिया कोलडंप में दो गुटों के बीच तनातनी, कोयला उठाव बंद

धनबाद (आजाद सिपाही)। ब्लॉक दो क्षेत्र के जमुनिया कोलडंप में रंगदारी के खिलाफ झामुमो समर्थक के मुखर होने के बाद दो प्रभावशाली गुटों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। इस कारण कोयला का उठाव बंद है। इससे यहां कार्यरत 54 दंगल के लोकल सेल के मजदूर भूखमरी के कगार पर हैं। दो गुटों की लड़ाई में मजदूर पीस रहे हैं। बताया जा रहा कि ट्रेंच-5 कोल का उठाव के लिए मां कामाख्या कोल कंपनी के डीओ धारक ने 500 टन का डीओ लगाया है, लेकिन दूसरे प्रभावशाली गुट के समर्थकों द्वारा 1300 प्रति टन रंगदारी मांगे जाने पर डीओ धारक की ट्रक लोडिंग होने नहीं दी जा रही है। डीओ धारक अपना ट्रक अंतर ले भी जाते हैं तो प्रबंधन कोयला उपलब्ध नहीं कराता है। पिछले 15 दिनों से यह सिलसिला जारी है। इससे कोलडंप में तनाव की स्थिति बनी हुई है। सुरक्षा के लिए सीआइएसएफ के जवान तैनात हैं।

दोनों गुट के समर्थक हुए आमने-सामने

कोयला उठाव को लेकर शुक्रवार को दोनों गुटों के समर्थक आमने-सामने हो गये थे। हालांकि मजदूरों की सूझबूझ से झड़प टल गया। कोयला व्यवसाय सह झामुमो के केंद्रीय सदस्य डब्ल्यू महथा ने कहा कि रंगदारी की बजाय बोनस के तौर पर मजदूरों का लोडिंग दर बढ़ा कर दे देंगे। फिर भी अगर कोयला उठाव पर किसी तरह अवरोध पैदा होता है, तो रंगदारों को मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा।

लायंस क्लब ने आरपीएसएफ जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

धनबाद (आजाद सिपाही)। लायन्स क्लब सवेरा ने इस वर्ष भी आरपीएसएफ कैंप में जवानों के साथ रक्षा बंधन का त्योहार मनाया। इस दौरान आपरेशन सिंदूर में प्रमुख भूमिका निभाने वाले जाबांज सैनिक उत्तम कुमार गुप्ता और साहू समाज की अध्यक्ष रीना सिंह भी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहीं। लायन्स क्लब धनबाद सवेरा की बहनों ने जब आरपीएसएफ जवानों की कलाई पर राखी बांधी तो माहौल भावनात्मक हो गया। जवानों के आंसू तो छलके ही, सहायक समादेष्टा विजय शंकर सिंह भी भावविभोर हो गये। उन्होंने कहा कि मेरी कोई बहन नहीं है। आज

मैं लायन्स क्लब धनबाद सवेरा की बहनों के हाथ से राखी बंधवा रहा हूं। आज मुझे मेरी बहन मिल गयी है। वहीं, समादेष्टा जेम्स पाल किंडो ने कहा कि जवान ड्यूटी पर रहने के कारण रक्षा बंधन में अपने घर नहीं जा पाते हैं। ऐसे में सवेरा का प्रयास जवानों को बहनों की कमी नहीं खलने देता है। वहीं, सैनिक उत्तम कुमार गुप्ता ने ऑपरेशन सिंदूर की दास्तां सुनाकर सभी जवानों में एक नया जोश भरा। कहा कि जब लायन्स जैसी संस्थाए प्रेरणास्त्रोत बनकर सामने आती हैं तो सैनिक की ताकत दोगुणा हो जाती है। इस मौके पर डीआई दिनेश मणि तिवारी, नीतू सिंह, मीना देवी अग्रवाल और दिनेश पूरी आदि उपस्थित रहे।

बाइक सवार युवकों को ट्रक ने पीछे से कुचला, दो की हुई मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के चंदनक्यारी रोड स्थित पकोड़ी मोड़ के पास शनिवार को हुए हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। इधर, हादसे के बाद चालक ट्रक मौके पर छोड़कर भाग निकला। मृतकों की पहचान चंदनक्यारी के बनगड़िया निवासी अजित हांसदा और अमित हांसदा के रूप में हुई है। जबकि घायल युवक सनीचर हेमब्रम का इलाज अस्पताल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने चंदनक्यारी-चास मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने ट्रक के शीशे भी तोड़ दिये। उधर, घायल सनीचर हेमब्रम के दोस्त पंकज ने बताया कि सभी दो बाइक से विश्व आदिवासी दिवस का जुलूस देखकर लौट रहे थे। अजित, अमित और सनीचर एक ही बाइक पर सवार थे। जबकि मैं दूसरी बाइक पर बैठा था। जैसे ही पकोड़ी मोड़ के पास पहुंचे, तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से तीनों की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक के पहिए अजित और अमित के सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर, हंगामें की खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही ट्रक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बोकारो महिला समिति का मना 61वां स्थापना दिवस, कई कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (आजाद सिपाही)। महिला समिति का 61 स्थापना दिवस कार्यक्रम शनिवार को बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास स्थित मेन ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया गया। जिसकी शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ शउरु हुआ। इस दौरान अतिथियों का स्वागत पौधों एवं पुष्प गुच्छ देकर किया गया। बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशाषी निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समिति की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य महाप्रबंधक, सीनियर ऑफिसर्स, सदस्य, टीचर्स, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बोकारो महिला समिति की अध्यक्ष अनीता तिवारी ने सभी को बधाई दी और दर्शकों के साथ समिति द्वारा किये जा रहे नेक कार्यों को साझा किया। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी प्रतिभागियों और समिति की सदस्याओं को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन और उसकी रूपरेखा सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार ने किया। जिन्होंने 'समिति गान' से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी द्वारा स्वरबद्ध तरीके से वर्तमान अध्यक्ष अनीता तिवारी के कार्यकाल में हुई गतिविधियों की 'झलकियां' दिखाई गईं। वहीं, समिति की ओर से संचालित दो विद्यालय बालमंदिर और सौरभ शिशु मंदिर की छात्राओं ने असमिया एवं महाराष्ट्र के खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किये। सुरभि मसाला केंद्र की कर्मियों ने सावन के नृत्य एंव गान के साथ ही स्वावलंबन उद्योग केंद्र की वर्कर्स ने नृत्य नाटिका और गीत की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि की ओर से 'बेस्ट वर्कर्स' अवॉर्ड दिया गया। समिति की स्थापना दिवस को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया,उपाध्यक्ष अंजलि तिवारी, उप सचिव रूपांशी श्रीवास्तव, सुरभि प्रभारी अनिशा झा, सिलाई प्रभारी प्रीति राजेश, विद्यालय प्रभारी नीतू सुनीत, आशा राज, समिति सदस्या कल्पना वर्मा, समिता मोहंती और यामिनी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस्पातनगरी में उतरेगी मिथिलांचल की अनुपम छटा विद्यापति स्मृतिपर्व समारोह का आयोजन नवंबर में

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो में एक बार फिर मिथिलांचल की सांस्कृतिक एवं कलात्मक परंपरा का अनुपम समागम देखने को मिलेगा। नवंबर महीने में यहां विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। इसमें स्थानीय एवं बाहर से आमंत्रित लब्ध-प्रतिष्ठित कलाकारों के कार्यक्रम आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे। गीत-संगीत, नृत्य एवं नाटक के जरिए मिथिला-मैथिली क्षेत्र की अद्भुत छटा उतरेगी। इस आशय का निर्णय मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। नगर के सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में आयोजित उक्त बैठक की

अध्यक्षता परिषद के निदेशक मंडल संयोजक राजेन्द्र कुमार और संचालन महासचिव नीरज चौधरी ने किया। बैठक में सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के साथ ही सांगठनिक सशक्तीकरण पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। महासचिव ने बताया कि उक्त समारोह पूर्व में स्थगित हो गया था, जिसे अब समाज के लोग मिलकर पूरे धूमधाम से मनाएंगे। इसका आयोजन पूर्व की भांति परिषद की ओर से संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के परिसर में ही होगा। बैठक में सर्वसम्मत विचारोपरांत सुनील मोहन ठाकुर, शंभु झा एवं सुशील कुमार झा को स्थायी आमंत्रित सदस्यों के रूप में चयनित किया गया। इस मौके पर निदेशक मंडल सदस्य कृष्ण चंद्र झा, विजय कुमार झा, विद्यालय के सचिव दिलीप कुमार झा, गोविंद कुमार झा, गणेश झा, आनंद मिश्र, अविनाश कुमार झा, मिहिर कुमार झा, सुनील मोहन ठाकुर, सुशील कुमार झा, प्रदीप कुमार, मिहिर मोहन ठाकुर, तरुण चौधरी, दीपक और अरुण पाठक आदि मौजूद रहे।

जिप सदस्या ने डीसी-डीएसपी को बांधी राखी

डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने रक्षाबंधन पर डीसी रामनिवास यादव, गिरिडीह डीएसपी नीरज सिंह और निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार को राखी बांधी। जिप सदस्या ने बताया कि हमारा भी यह कर्तव्य बनता है कि भाई बहन के अटूट पर्व रक्षाबंधन के दिन जिला में पदस्थापित अधिकारियों की कलाई में राखी बांधी जाय, ताकि जिलेवासियों की सेवा में लगे पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को बहन की कमी महसूस ना हो। बताया जा रहा कि जिप सदस्या विगत 10 वर्षों से जिले एवं प्रखंड के अधिकारियों को रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रक्षा सूत्र बांधते आ रीह हैं।

समारोह आयोजित कर गुरुजनों को किया गया सम्मानित

बोकारो (आजाद सिपाही)। संस्कार भारती की बोकारो जिला इकाई की ओर से सेक्टर-1 स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में शनिवार को वार्षिक गुरु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महामंत्री स्वरुप शेखर पांडेय ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कहा कि संस्था की ओर से प्रति वर्ष गुरु सम्मान समारोह का आयोजन होता है। वहीं, कार्यक्रम की शुरूआत अध्यक्ष अमर सिन्हा, साहित्य प्रमुख अरुण पाठक, नृत्य प्रमुख रजनी पाढ़ी आदि ने की। आदित्य कुमार ने राम सिया राम एवं सत्यम शिवम सुंदरम... गीत की सुमधुर प्रस्तुति की। आरआर नृत्यशाला के विद्यार्थियों रेवंत पाढ़ी, दीपिका कुमारी, अरण्या श्री, अनुषा घोष, जिज्ञासा राउत, परी कुमारी और ऋषभ चौबे ने गुरु श्लोक एवं पुष्पाजंली पर आधारित भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। संक्षिप्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद गुरु सम्मान कार्यक्रम हुआ। बोकारो के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक एवं संगीत गुरु नरेश कुमार सिन्हा, पंडित श्याम गोस्वामी एवं अमर जी सिन्हा को संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संस्कार भारती की ओर से गुरु सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्कार भारती की ओर से संस्था के संरक्षक एवं वरीय भाजपा नेता इंदु शेखर मिश्रा, श्रीराम मंदिर के वरीय पुजारी पंडित शिवजी शास्त्री एवं जाने माने गायक और संस्कार भारती के साहित्य प्रमुख अरुण पाठक ने सम्मान पत्र भेंट कर गुरुओं को सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को बहुत ऊंचा स्थान प्राप्त है। मंच संचालन महामंत्री स्वरूप शेखर पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन अरुण पाठक ने किया।

भाई की कलाई पर राखी बांध बहन ने मांगा रक्षा का वचन

बोकारो (आजाद सिपाही)। इस्पात नगर में शनिवार को भाई बहनों के प्रेम और स्नेह का त्योहार रक्षाबंधन धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रेशम के धागे से बनी राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र एवं सुख समृद्धि की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को तरह-तरह के उपहार दिये और उनकी रक्षा करने का वचन भी दिया।

एक सितंबर से इ-लॉटरी से होगी शराब दुकानों की बंदोबस्ती

आवेदन के साथ निर्धारित राशि और शुल्क का भुगतान ऑनलाइन 20 अगस्त तक करना अनिवार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिले में एक सितंबर से सभी 130 देसी-विदेशी शराब दुकानों का संचालन निजी स्तर पर होगा। इसके लिए उत्पाद विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। लॉटरी के माध्यम से सभी दुकानें आवंटित की जायेंगी। यह जानकारी उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि झारखंड उत्पाद नियमावली के तहत एक सितंबर से 31 मार्च 2030 तक के लिए धनबाद जिले की दुकानों की बंदोबस्ती की जायेगी। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार से ही शुरू हो गयी है। इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल

इक्सरसाइजलॉटरी.झारखंड.जीओवी.इन, जिला वेबसाइट धनबाद.एनआइसी.एन या संबंधित उत्पाद कार्यालय से नियमावली, आवेदन प्रपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ निर्धारित धरोहर राशि और शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यमों से 20 अगस्त की रात 11.59 बजे तक किया जाना अनिवार्य है। बतातें चलें कि लॉटरी के तहत धनबाद जिले में 104 कंपोजिट और 26 देशी शराब दुकानों की बंदोबस्ती होगी। इसके लिए 51 लॉट बनाये गये हैं। प्रत्येक लॉट में दो से चार दुकानों का समूह बनाया गया है।

इ-लॉटरी प्रक्रिया 22 अगस्त को

इ-लॉटरी प्रक्रिया 22 अगस्त की कुसब 11 बजे से कंप्यूटर रैंडमाइजेशन के जरिये शुरू होगी, जिसका लाइव प्रसारण विभागीय और जिला वेबसाइट के साथ ही समाहरणालय में भी किया जायेगा। चयन दुकानों के न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के अवरोही क्रम में किया जायेगा और परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी ने बताया कि चयनित आवेदकों को 25 अगस्त तक सभी दस्तावेजों के साथ प्रतिभूति राशि एवं वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के साथ ही 29 अगस्त तक दुकान स्थल का विवरण और अग्रिम उत्पाद परिवहन कर जमा करना होगा। तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर हेल्पडेस्क का गठन किया गया है, जो हर दिन सुबह 10 से शाम छह बजे तक क्रियाशील रहेगा।

सबलपुर वृद्धा आश्रम में शिविर लगाकर आधार कार्ड बनाने का दिया गया निर्देश

धनबाद (आजाद सिपाही)। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार शनिवार को धनबाद पहुंचे। उन्होंने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड लाइन का निरीक्षण किया। वहां के कर्मियों से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इसके बाद दिव्यांगों के लिए संचालित पहला कदम विद्यालय का निरीक्षण किया। वहां के शिक्षकों एवं बच्चों से बात कर उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सचिव ने विभाग द्वारा दिव्यांगों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ बच्चों को दिलाने के लिए पदाधिकारी को निर्देश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने सचिव को राखी भी बांधी। इसके बाद सचिव सबलपुर स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचे। उन्होंने वृद्धा आश्रम में जिन वृद्धों का आधार कार्ड नहीं बना है उनका शिविर लगाकर आधार कार्ड बनाने का निर्देश दिया। कहा कि आधार कार्ड बन जाने से उनको पेंशन का लाभ दिलाया जा सकेगा। इसके बाद सचिव ने बालिका गृह एवं हॉफवे गृह का भी भ्रमण किया और आवश्यक निर्देश दिया। इस मौके पर सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, विशंभर कुमार पोद्दार, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी संचित भगत, विमला कुमारी और आनंद कुमार आदि मौजूद थे।

पीएम मोदी को छोटी-छोटी बहनों ने बांधी राखी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्योहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश भी पोस्ट किया। पीएम मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान पीएम मोदी को ब्रह्माकुमारी दीदी ने राखी बांधी। इसके अलावा छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'रक्षा बंधन के विशेष अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।' प्रधानमंत्री मोदी को बच्चियों के साथ हंसी ठिठोली करते देखा गया। वे उनके साथ बात करते, उन्हें दुलार करते नजर आये। पीएम मोदी ने उनके साथ दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। मासूम बच्चियों में पीएम मोदी को राखी बांधने की होड़ दिखाई दी। पीएम मोदी ने भी किसी को निराश नहीं किया और सभी से बहुत ही प्यार से राखी बंधवाई।

बेंगलुरु में बनेगा देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम

- 80,000 दर्शकों की क्षमता होगी, आरसीबी भगदड़ केस के बाद लिया गया फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास नया क्रिकेट स्टेडियम बनवाने की घोषणा की है। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे। यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे 1650 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जायेगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है। इसे बनाने का फैसला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन में मची भगदड़ के बाद लिया गया है। आरसीबी ने पहली बार आइपीएल ट्रॉफी जीती। इसी जीत का जश्न मनाने के लिए 4 जून को चिन्नास्वामी में कार्यक्रम रखा गया था। इसमें भगदड़ मच गयी और 11 लोगों को जान गंवानी पड़ी।

स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जायेगा : 1,650 करोड़ रुपये की इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठायेगा। इसमें क्रिकेट मैदान के साथ-साथ आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा।

बड़े आयोजनों के लिए ठीक नहीं हैं एम चिन्नास्वामी : बेंगलुरु भगदड़ मामले की जांच करने वाले जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग ने कहा था कि 32,000 दर्शकों की क्षमता वाला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम बड़े आयोजनों के लिए ठीक नहीं है। आयोग ने सलाह दी थी कि ऐसे मैचों को ज्यादा जगह और बेहतर सुविधाओं व पार्किंग वाले स्थानों पर कराया जाये।

चार दिन बाद शुरू हुई केदारनाथ यात्रा दो हजार से अधिक श्रद्धालु हुए रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रुद्रप्रयाग। लगातार वर्षा और केदारनाथ पैदल मार्ग पर बोल्डर गिरने के चलते पिछले चार दिनों से बंद केदारनाथ यात्रा शनिवार को शुरू हो गयी। शनिवार को दो हजार से अधिक यात्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। बीते दिनों वर्षा और जगह-जगह भूस्खलन के चलते यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने चार दिन तक केदारनाथ यात्रा पर अस्थाई रूप से रोक लगायी हुई थी। गौरीकुंड और केदारनाथ के बीच हाइवे पर मुनकटिया व इसके आस-पास पहाड़ी से भूस्खलन हो रहा था, जबकि पहाड़ी से बोल्डर भी गिर रहे थे। गौरीकुंड-केदारनाथ धाम तक पैदल मार्ग पर भी कई जगहों पर वर्षा के चलते बोल्डर गिर रहे थे। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए अस्थाई रूप से रोक लगा दी थी।

मौसम पर निगरानी बनाये हुई थी पुलिस : शनिवार को सोनप्रयाग में सुबह से पुलिस मौसम पर निगरानी बनाये हुई थी। मौसम अनुकूल रहने पर उच्चाधिकारियों के निदेर्शों पर पुलिस ने यात्रियों को सोनप्रयाग से गौरीकुंड जाने की अनुमति दी, जबकि गौरीकुंड से भी पैदल मार्ग की स्थिति का आकलन करने और सभी परिस्थितियां अनुकूल रहने पर यात्रियों को केदारनाथ जाने की अनुमति दी गयी। सोनप्रयाग से दो हजार यात्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। विशेष रूप से सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच संवेदनशील जगहों पर पुलिस सुरक्षा के बीच यात्रियों की आवाजाही करायी गयी। कोतवाली निरीक्षक राकेंद्र कठैत ने बताया कि मौसम अनुकूल रहने पर यात्रियों को सुरक्षा के बीच गौरीकुंड भेजा गया। वहां से भी पैदल मार्ग की स्थिति के अनुसार ही यात्री आगे भेजे गये।

छड़ी मुबारक अमरनाथ गुफा पहुंची, यात्रा संपन्न

नयी दिल्ली। अमरनाथ यात्रा का समापन शनिवार को छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने के साथ हुआ। पारंपरिक तरीके से महंत दीपेंद्र गिरि की अगुआई में सैकड़ों साधुओं के साथ विशेष पूजा की गयी। इसके बाद भक्तों को साल के अंतिम दर्शन कराये गये। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से 3 अगस्त से ही रोक दी गयी थी। इस साल 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन किये, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।

2 लोगों ने 160 सीटें जिताने का दावा किया : शरद पवार

- महाराष्ट्र चुनाव से पहले इन्हें राहुल गांधी के पास लेकर गया, उन्होंने ऑफर ठुकराया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो व्यक्तियों ने नयी दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने 288 में से 160 निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष की जीत की गारंटी दी थी। नागपुर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने दोनों व्यक्तियों को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलवाया। शरद पवार ने यह खुलासा ऐसे समय में किया है, जब राहुल ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले नयी दिल्ली में दो लोग मुझसे मिले थे। उन्होंने विपक्ष (महा विकास आघाडी) को 288 में से 160 सीटें जीतने में मदद की गारंटी दी। एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने कहा कि मैंने उन्हें राहुल गांधी से मिलवाया। उन्होंने उन दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे नजरअंदाज कर दिया। उनका यह भी मानना था कि हमें ऐसे मामलों में नहीं पड़ना चाहिए और सीधे जनता के पास जाना चाहिए।

विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 132 सीटें जीतीं

शरद पवार ने दावा किया कि चूंकि दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे उन्होंने बहुत तवज्जो नहीं दी। इसलिए उन्होंने उनका नाम और संपर्क ब्योरा नहीं रखा। मालूम हो कि भाजपा ने विधानसभा चुनावों में 132 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने क्रमशः 57 और 41 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी ने अपनी हार के लिए ईवीएम में गड़बड़ी और डेटा में छेड़छाड़ को जिम्मेदार ठहराया था। महा विकास आघाडी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 में से 30 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी।

कुलगाम के अखल जंगल में 2 जवान शहीद

कुलगाम (आजाद सिपाही)। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गये। शुक्रवार को कुल चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। शनिवार सुबह जानकारी मिली। ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। शनिवार को नौवां दिन है। इसमें 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी। जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है। 2 अगस्त की सुबह मारे गये आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो सी-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किये थे। उसके पास से एके-47 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ था।

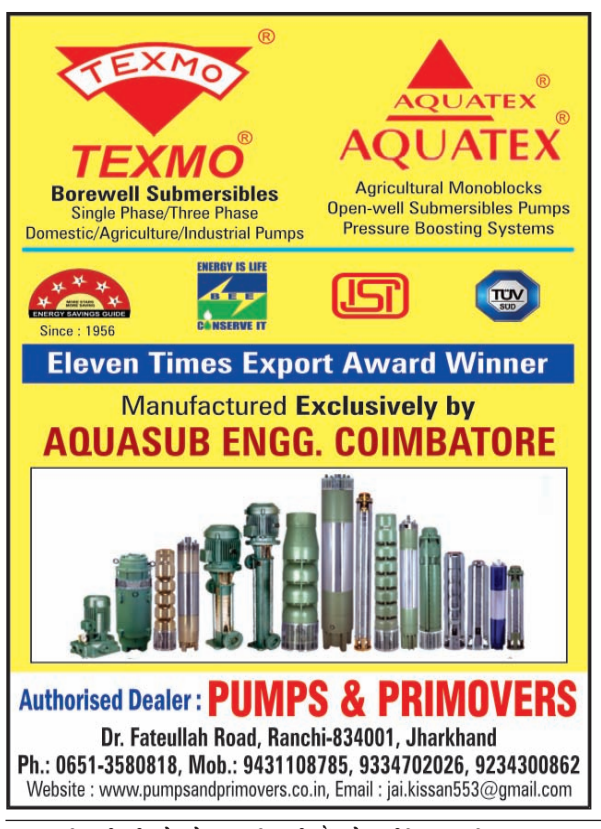

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**